हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर के जयस्तंभ चौक पर हजारों का हुजूमः दिवाली जैसी आतिशबाजी

पूरा शहर जयस्तंभ चौक की तरफ दौड़ पड़ा। जोश ऐसा था कि कार और मोटर साइकिलें ही नहीं, साइकिलें भी फर्राटा भर रही थीं। थैलियों में भरे पटाखे और दिल में जोश छलक रहा था। जीत के पांच मिनट बाद ही जयस्तंभ चौक हजारों लोगों के हुजूम से घिर गया। वंदे मातरम, भारत माता की जय और टीम इंडिया की जय-जयकार की गूंज आधे शहर में फैल गई...और पूरे रायपुर का आसमान आतिशबाजी से रोशन हो गया। जोश इतना हाई था कि रात डेढ़ बजे तक जाने वालों से ज्यादा जयस्तंभ चौक पर आने वालों की संख्या ज्यादा थी। जश्न ऐसा कि कायदे-कानून की भी परवाह नहीं। एक-एक बाइक पर चार-चार सवार होकर पहुंच गए। कुछ जोशीले खड़े होकर बाइक चला रहे थे कुछ हाथ में रखकर पटाखे फोड़ रहे थे। हर किसी के चेहरे पर गर्व था, आंखों में चमक भरी थी। आधी रात दिवाली जैसी आतिशबाजी हुई...क्योंकि हमने विश्व कप जीता है। हम विश्व विजेता हैं।

सुनहरे अक्षरों में भारत की विराट जीत

टीम इंडिया की ऊंची शान विश्व विजेता हिंदुस्तान

एजेंसी ▸▸| ब्रिजटाउन

चमचमाती ट्रॉफी का इंतजार पूरा हिंदुस्तान सालों से कर रहा था वो भारत के हिस्से आ चुकी है। भारत ने शनिवार को केनसिंग्टन ओवल में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप-2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी की और सात विकेट खोकर 176 रन बनाए। अपना पहला फाइनल मैच खेल रही साउथ अफ्रीका की टीम ने काफी लड़ाई लड़ी लेकिन ये टीम 20 ओवरों में 169 रन ही बना सकी और खिताब से महरूम रह गई।

17 साल का खिताबी सूखा समाप्त	7 रनों से दक्षिण अफ्रीका को हराया	76 रन से कोहली मैच के हीरो	टूर्नामेंट में 15 विकेट लेकर बुमराह चैंपियन

प्राइज मनी

टीम	राशि
विजेता	20.36 करोड़
उपविजेता	10.64 करोड़
सेमीफाइनल	6.54 करोड़
सुपर 8 राउंट	3.17 करोड़
9वें-12वें	2.05 करोड़
13वें-20वें	1.87 करोड़

विराट-रोहित का टी20 से संन्यास

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भारत को दूसरा टी20 विश्व कप दिलाने में सूत्रधार की भूमिका निभाने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। पुरस्कार समारोह के बाद दोनों दिग्गज क्रिकेटरों ने अपने संन्यास को लेकर घोषणा की। मैच में विराट कोहली प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार प्राप्त किए। वहीं रोहित 50 टी20 मैच जीत सर्वश्रेष्ठ कप्तान बने।

टर्निंग पाइंट

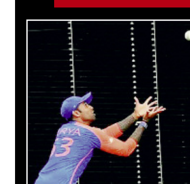

सूर्या ने की ट्राफी कैच

डेविड भारत के लिए खतरा थे सूर्यकुमार ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर मिलर का हैरतअंगेज कैच लपकते हुए मैच में जीत पक्की कर दी।

जीत की बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम इंडिया की जीत पर बधाई दी है।

टीम इंडिया पर गर्व

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भारतीय टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बहुत बड़ा दिन है। पूरे देश को हमारे क्रिकेट खिलाड़ियों पर गर्व है।

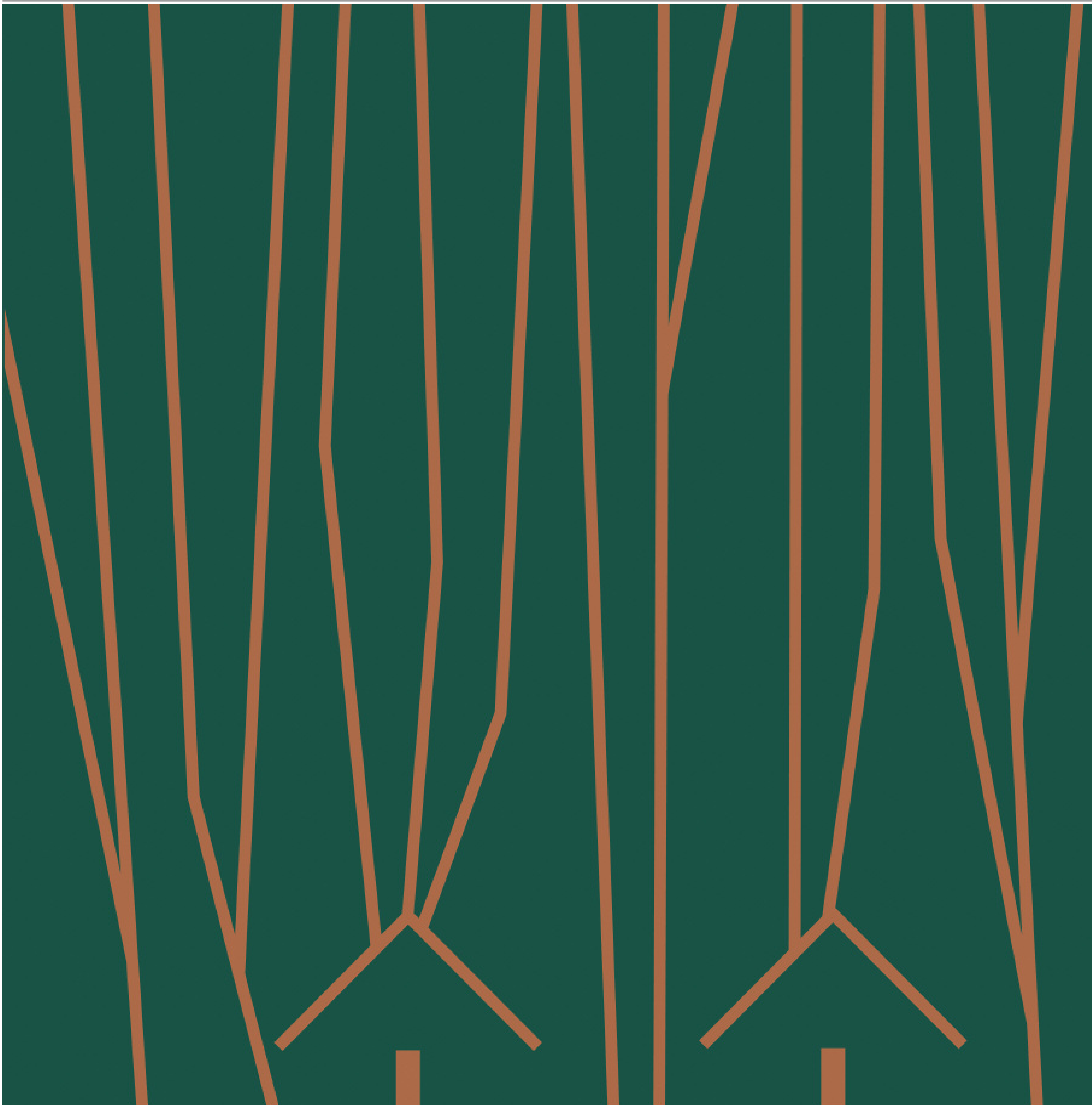

Forest living in the heart of the city.

COMING SOON

Picture a calm and serene forest.
Now imagine you live in luxury amidst it.

Rama Group is proud to bring you another iconic residential project, after landmarks like Swarnabhoomi, Rama Greens and Rama World.

Soon, Raipur will be home to an urban sanctuary where forest life and luxury living coalesce. A vision made possible through a collaboration with the masterful landscape designers at STGK Yokohama, Japan, for the first time in Central India.

RAMA GROUP
Building Better Tomorrow
ramaworld.in
7049110000 | 7049120000

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बारिश ने बढ़ाया चित्रकोट का सौंदर्य

जगदलपुर। कुछ दिन पहले तक गर्मी में बस्तर का नियाग्रा कहलाने वाला चित्रकोट जलप्रपात पतली धारा के रूप में दिखाई पड़ रही थी, अब दो-तीन दिन की बारिश ने इसका सौंदर्य बढ़ा दिया है। बस्तर की जीवनदायिनी इंद्रावती पूरे वेग के साथ गर्जना करती हुई चित्रकोट में गिर रही है। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। चित्रकोट जलप्रपात अपने वास्तविक रूप में नजर आते हुए पूरे शबाब पर है।

इधर, सड़क रह गई और जमीन बह गई

- भारी बारिश से सीसी सड़क के नीचे 6 फीट गहरा और 8 फीट चौड़ा गड्ढा बना

जगदलपुर। बस्तर ब्लॉक के सुदूर ग्राम पाथरी में बारिश के बाद गांव से लगभग आधा किलोमीटर दूर सीसी सड़क के नीचे मिट्टी धंस गई है। यहां सड़क के नीचे 6 फीट गहरा और 3 मीटर चौड़ा गड्ढा बन गया। सड़क के नीचे इतने बड़े क्षेत्र में मिट्टी धसकने से आवागमन बाधित हुआ है। हालांकि यहां दोपहिया वाहन जैसे-तैसे घटना स्थल से गुजर रहे हैं, लेकिन चार पहिया वाहन को पंचायत के निर्देश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। चार पहिया वाहन गुरिया की ओर से घूमकर सुधापाल आना-जाना कर रहे हैं। पाथरी के सरपंच सोमारी कश्यप ने बताया कि ध्वस्त हुए सड़क का मरम्मत व सुधार कार्य जल्द किया जाएगा। जिस जगह पर प्राकृतिक आपदा कि स्थिति बनी है, उस स्थल के किसानों को भी जनसहयोग से मिट्टी पाटने की आवश्यकता है।

दिल्ली की बैठक में सीएम साय रहे मौजूद

सांसदों ने कहा- मेयर और अध्यक्ष का चुनाव हो प्रत्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- हरिभूमि की खबर पर मुहर मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में नहीं हुई कोई चर्चा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव अपने दिल्ली दौरे में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री और प्रदेश के संगठन प्रभारी शिव प्रकाश के साथ सांसदों के साथ संसदीय बोर्ड की परिचात्मक बैठक की। इस बैठक में सबसे अहम नगरीय निकाय चुनाव पर भी लंबी चर्चा की गई और अंत में सभी सांसदों ने एक मत से कहा- छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय के चुनाव में नगर निगमों में महापौर और नगर पालिकाओं में अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष होना चाहिए। इसी के साथ नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ कराने पर भी सहमति बनी। उल्लेखनीय है कि हरिभूमि ने शनिवार को प्रकाशित खबर में कहा था कि बैठक में मंत्रिमंडल को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी रायपुर लौटकर यही बताया कि परिचात्मक बैठक थी। हरिभूमि ने आज के अंक में ही यह खबर प्रकाशित की थी कि मुख्यमंत्री के दिल्ली दौर में सांसदों के साथ बैठक होगी, मंत्रिमंडल को लेकर कोई चर्चा अभी नहीं होगी। ▶▶| शेष पेज 4 पर

मंत्रिमंडल पर कोई चर्चा नहीं

संसदीय बोर्ड की बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई। दिल्ली से वापस लौटने पर मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए भाजपा सांसदों के साथ हुई बैठक को परिचात्मक बैठक बताया और मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कहा, समय आने पर यह होगा, अभी थोड़ा इंतजार करें।

सीजीएमएससी का एक और कारनामा

पुश मैकेनिज्म का सिस्टम, दो साल पहले भेजा गया था जीवन रक्षक प्लाज्मा

बिना डिमांड डीके अस्पताल में आईवी फ्लूड सप्लाई

32 लाख की दवा एक्सपायर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डीके अस्पताल में मई में एक्सपायरी हो गई इन दवाओं का ढेर लगा हुआ है और अस्पताल प्रबंधन इन्हें बेकार घोषित कर नष्ट करने के लिए कमेटी बनाकर प्रक्रिया पूरी करने में लगा है। सूत्रों के अनुसार अस्पताल की ओर से दवाओं की जरूरतों के हिसाब से सालभर में एक बार दवाओं की डिमांड भेजी जाती है, जिसके आधार पर सीजीएमएससी इसकी खरीदी करता है। वर्ष 2022 में अफसरों द्वारा बनाए गए डीके अस्पताल के आईसीयू और ऑपरेशन थियेटर के मरीजों को लगने वाली आईवी फ्लूड की सप्लाई पुश मैकेनिज्म के तहत की गई थी। लगभग 57 लाख की दवा उन्हें भेजी गई, जिसकी डिमांड ही नहीं थी। अस्पताल प्रबंधन द्वारा इसमें से 16 हजार यानी 25 लाख रुपए की दवा का उपयोग किया जा सका और 20 हजार बोतल जीवन रक्षक प्लाज्मा बिना उपयोग के खराब हो गई। अस्पताल ▶▶| शेष पेज 4 पर

> निजी एजेंसियों को लाभ पहुंचाने सरकारी अस्पताल में गैर जरूरी और आवश्यकता से अधिक दवाओं की खपत का खेल जारी है। सीजीएमएससी द्वारा दो साल पहले बिना डिमांड डीके अस्पताल को 57 लाख की कैल्शियम वाली आईवी फ्लूड की सप्लाई कर दी गई थी। इसमें से लगभग 25 लाख की दवा का उपयोग हो पाया और 32 लाख की दवा बिना उपयोग के एक्सपायरी हो गई।

कम उपयोग, ज्यादा सप्लाई

संबंधित आईवी फ्लूड का उपयोग कम होता है और सीजीएमएससी द्वारा लगभग दो साल पहले इसकी ज्यादा मात्रा में सप्लाई कर दी गई थी। मई में काफी आईवी फ्लूड एक्सपायरी हो गई है। इसे बेकार घोषित कर नष्टीकरण के लिए कमेटी बनाई गई है।

- डॉ. शिप्रा शर्मा
मेडिकल सुपरिटेंडेंट, डीके हास्पिटल

57 लाख की सप्लाई, 25 लाख का उपयोग

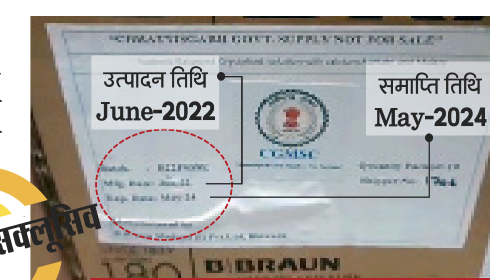

रीएजेंट मामले में जांच जारी

सीजीएमएससी के माध्यम से स्वास्थ्य केंद्रों में की गई रीएजेंट की सप्लाई की गड़बड़ी के मामले में संबंधित सप्लायर मोक्षित कंपनी के खिलाफ विभागीय स्तर पर जांच जारी है। इस मामले में आने वाले दिनों में हाई लेवल की मीटिंग होने वाली है, जिसमें कंपनी को किए जाने वाले भुगतान पर भी चर्चा होगी। सीजीएमएससी के अधिकारियों पर भी इस मामले में अंगुली उठ रही है, क्योंकि बिना जरूरतों का आकलन किए उनके द्वारा उन हेल्थ सेंटरों में भी रीएजेंट पहुंचा दिया गया था, जहां उनकी कोई जरूरत ही नहीं थी। इस मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग के कार्यकलाप पर भी अंगुली उठाई जा रही है।

लोकल पर्चेस रोकने सिस्टम

सूत्रों के अनुसार सीजीएमएससी के पुराने अधिकारियों द्वारा अस्पतालों में लोकल पर्चेस की प्रक्रिया को कम करने और दवाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए पुश मैकेनिज्म का सिस्टम बनाया गया था। उन अफसरों के जाने के बाद यह सिस्टम सप्लायर एजेंसियों को फायदा पहुंचाने का तरीका बन गया और अस्पतालों को अंधाधुंध तरीके से बिना डिमांड के ही दवाओं की सप्लाई की जाने लगी। दवाओं का उपयोग एक निश्चित मात्रा में हुआ और बड़ी मात्रा में दवाएं कालातीत होने लगीं, मगर सप्लाई करने वाली एजेंसियों को इसका लाभ जरूर मिलता गया।

बरसाना में राधा रानी मंदिर पहुंचे

प्रदीप मिश्रा ने दंडवत होकर मांगी माफी

एजेंसी ▶▶| बरसाना

- राधा रानी के मंदिर में रगड़ी नाक

राधा रानी पर विवादित टिप्पणी करने के बाद पंडित प्रदीप मिश्रा ने शनिवार को नाक रगड़कर माफी मांगी है। पंडित प्रदीप मिश्रा शनिवार को बरसाना पहुंचे थे। यहां उन्होंने राधा रानी के मंदिर में नाक रगड़कर ▶▶| शेष पेज 4 पर

चार दिन का मिला था अल्टीमेटम

राधारानी विवाद पर मथुरा महापंचायत में संतों ने पंडित प्रदीप मिश्रा से माफी मांगने की बात कही थी। पंचायत ने कहा था कि वह चार दिन में बरसाना आकर माफी मांगे लें। संतों ने कहा था कि हम बयान के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करा रहे हैं लेकिन अगर प्रदीप मिश्रा ने चार दिनों के अंदर माफी नहीं मांगी तो हम बड़ा आंदोलन करेंगे।

अरुणदेव-हिमांशु होंगे डीजी पदोन्नति कमेटी की मुहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- पवन देव के खिलाफ जांच के कारण रिजर्व रखा गया डीजी का एक पद

छत्तीसगढ़ में विभागीय पदोन्नति कमेटी ने अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता को डीजी बनाने हरी झंडी दे दी है। पवनदेव का लिफाफा बंद किया गया है, मगर उनके लिए पद सुरक्षित रखा गया है। मंत्रालय में हुई डीपीसी में एडीजी अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता के डीजी बनने का रास्ता साफ हो गया है। डीपीसी में इन दोनों आईपीएस अधिकारियों के ▶▶| शेष पेज 4 पर

पवनदेव का लिफाफा बंद

92 बैच के आईपीएस में पवनदेव का नाम सबसे ऊपर है। उनके खिलाफ विभागीय जांच चल रही है, इसलिए डीपीसी में उनके नाम पर चर्चा तो हुई, मगर प्रमोशन नहीं हो पाया। डीपीसी ने उनके नाम का लिफाफा बंद कर दिया। उनके खिलाफ जांच खत्म होने पर उन्हें बिना डीपीसी के प्रमोशन दे दिया जाएगा। ▶▶| शेष पेज 4 पर

राष्ट्रपति के अभिभाषण के जरिये केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का सारांश में खुलासा किया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में पीएम मोदी की राजग सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश की जनता बखूबी जानती है, भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। ये जनादेश है कि भारत को विकसित बनाने का काम बिना रुके चलता रहे और भारत अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करे। लेकिन भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.75 लाख रुपये भी नहीं है। आज भी 22-25 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो हर रोज़ 350 रुपये ही कमा पाते हैं। इसलिए मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। आज भी अगले चरण के आर्थिक सुधार, विधिक सुधार, शिक्षा सुधार, श्रम सुधार, पुलिस और प्रशासनिक सुधार लंबित पड़े हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे पाई है। अभिभाषण में महंगाई, मणिपुर हिंसा और घुसपैठ, रेल हादसों, कश्मीर में आतंकवाद सरीखे मुद्दों को का जिक्र नहीं है। अभिभाषण का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

अभिभाषण में भविष्य का विजन

विश्लेषण

सुशील राजेश

वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। भारत सरकार का उपसचिव या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी यह अभिभाषण लिखता है। संविधान के अनुच्छेद 87(1) में राष्ट्रपति अभिभाषण का उल्लेख है। उसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति आम चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र के आरंभ में संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेंगे। संसद को उनके आह्वान के कारण बताएंगे। हर साल के आरंभ में भी राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करेंगे। संवैधानिक प्रावधान है कि अभिभाषण को लेकर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। धन्यवाद ज्ञापन के तौर पर प्रधानमंत्री पूरी चर्चा का जवाब देंगे। यह संसदीय और संवैधानिक बाध्यता है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। भारत सरकार का उपसचिव या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी यह अभिभाषण लिखता है और राष्ट्रपति उसे पढ़ते हैं, क्योंकि सरकार राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित होती है। यह गणतंत्र की एक परंपरा है कि राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करते हैं। अभिभाषण के मायने स्पष्ट हैं कि राष्ट्रपति केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का सारांश में खुलासा करते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा का निर्वाह किया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश की जनता बखूबी जानती है, लेकिन विपक्ष उनसे सहमत नहीं है या ऐसे अभिभाषण को 'ढोलपिटाई' मानता है। विपक्ष उन्हें लीपापोती भी मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन-गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है। राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस नई सरकार के जरिये देश के आर्थिक समृद्धि और सुधारों पर अधिक रहा है। यकीनन देश की आर्थिक विकास दर 7-8 फीसदी रही है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक है। भारत जल्द विश्व की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिये यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए।

संवैधानिक प्रावधान

बहरहाल संविधान के अनुच्छेद 87(1) में राष्ट्रपति अभिभाषण का उल्लेख है। उसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति लोकसभा के आम चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र के आरंभ में समवेत संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेंगे। संसद को उनके आह्वान के कारण बताएंगे। हर साल के आरंभ में भी राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करेंगे। संवैधानिक प्रावधान है कि राष्ट्रपति अभिभाषण के बिंदुओं पर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी व अंत में प्रधानमंत्री पूरी चर्चा का जवाब देंगे। यह संसदीय और संवैधानिक बाध्यता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण में कई मुद्दों का उल्लेख किया है। उनमें नीट, पेपर लीक भी एक है, जिस पर राष्ट्रपति ने शुचिता और पारदर्शिता की अपेक्षा की है। उनकी इच्छा है कि पेपर लीक जैसी हरकतों, ऐसे नेटवर्क, माफिया, संगठनों पर एक कड़ा कानून सख्त और दंडात्मक कार्रवाई हो। इस संदर्भ में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सांसदों को काम करना चाहिए, यह राष्ट्रपति मुर्मू का विनम्र आग्रह रहा, लेकिन नीट पर विपक्ष की ऐसी राजनीतिक जिद सामने आई है कि संसद की कार्यवाही ही ठप हो गई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, उपनेता प्रमोद तिवारी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद 'वेल' में आ गए। उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ को उसे 'काला दिन' करार देना पड़ा, क्योंकि पहली बार नेता प्रतिपक्ष 'वेल' में आए थे और उनके साथी सांसद नारेबाजी कर रहे थे। लोकसभा में भी कांग्रेसी सांसद स्पीकर के आसन तक आ गए और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने माइक बंद किए जाने का आरोप दोहराया। स्पीकर ने उन्हें समझाया कि राष्ट्रपति अभिभाषण में भी नीट का उल्लेख है। आप अभिभाषण पर बोलें और नीट पर भी अपनी बात कह सकते हैं, लेकिन राहुल गांधी अड़े रहे, क्योंकि उन्हें नीट पर राजनीति हासिल करनी थी। सुर्खियां 'माइक बंद' की बनीं।

यह सवाल भी सुर्खियों में

यह सवाल भी सुर्खियों और बहसों में छाया रहा कि पहले राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा की जानी चाहिए थी अथवा नीट, पेपर लीक सरीखे मुद्दे पर चर्चा बहुत जरूरी थी? राष्ट्रपति ने सिर्फ नीट का ही मुद्दा नहीं उठाया, बल्कि मोदी सरकार के आर्थिक विज़न पर भी फोकस रखा। बेशक नीट को लेकर सड़कों पर छात्र, युवा आंदोलित, आक्रामक हैं, लेकिन संसद में सन्नाटा पसरा, क्योंकि दोनों सदनों में हंगामे और जिद के कारण कार्यवाही सोमवार तक स्थगित करनी पड़ी। क्या पीठासीन अध्यक्षों को, संसदीय बाध्यता तोड़ते हुए, नीट पर चर्चा की अनुमति दे देनी चाहिए थी? मैं 1997 से संसद की कार्यवाही कवर करता रहा हूं, लिहाजा संसदीय नियमों, परंपराओं, मर्यादाओं को बखूबी जानता और समझता हूं। नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति अभिभाषण पर अपने विचार रखते हुए विस्तार से नीट, पेपर लीक, 37 लाख से अधिक युवाओं के अनिश्चित भविष्य, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भ्रष्टाचार और अपंगता पर बोल सकते थे। समय की कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन राजनीतिक अड़यिलपन ने ऐसा अवरोध पैदा किया कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर संसद का एक पूरा दिन नष्ट हो गया। संभवतः विपक्षी सांसद भी जानते होंगे कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपये खर्च होते हैं। एक घंटे का खर्च 1.5 करोड़ रुपये है। लोकसभा के एक दिन संचालन पर 9 करोड़ रुपये और राज्यसभा पर 5.5 करोड़ रुपये खर्च होता है। यह पैसा किसी की जिद का नहीं, बल्कि देश के औसत करदाता का है। यह सत्र 3 जुलाई तक का है। प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई को लोकसभा और 3 जुलाई को राज्यसभा को संबोधित करेंगे। उसी के साथ अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। दोनों सदनों के अध्यक्ष सिर्फ नीट व पेपर लीक पर चर्चा के लिए एक पूरा दिन निश्चित कर दें। सत्र को एक दिन के लिए आगे बढ़ा दें। क्या विपक्ष इस पर सहमत होगा?

बजट का प्रारूप भी रखा

बहरहाल राष्ट्रपति मुर्मू ने 18वीं लोकसभा में पेश किए जाने वाले बजट का एक विजन भी रखा कि वह भारत की जनता की आकांक्षाओं और ज़रूरतों के अनुसार होगा। संसद के जुलाई सत्र में जो बजट पेश किया जाएगा, वह वाकई जनवादी होगा। उसमें सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्य के विज़न के साथ-साथ ऐतिहासिक कदम भी उठाए जाएंगे। बेशक राष्ट्रपति भी उन कदमों का खुलासा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि बजट की गोपनीयता का तकाजा था। यह गौरतलब रहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के सौजन्य से यह सिद्धांत स्पष्ट करा दिया कि देश का विकास, उसके राज्यों के विकास पर ही, आश्रित है, क्योंकि तभी एक राष्ट्र के समग्र विकास का आकलन किया जा सकता है और एक राष्ट्रीय तस्वीर सामने आती है। इस विकास में प्रतिस्पर्धा भी होनी चाहिए और सहकारिता का भाव भी रहना चाहिए। यही भारत का सच्चा संघीयवाद है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का भी उल्लेख किया है, जो 'सूर्योदय' की तरह माने जाते हैं। मसलन-विद्युत वाहन, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी आदि। इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रगति के प्रतीक साबित हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का भी जिक्र किया, जो बराबर की चुनौती है और सरकार उस संदर्भ में लगातार सक्रिय है। यह भी वैश्विक चुनौती है जो किसी महामारी से कम खतरनाक नहीं है। दरअसल जो सड़कें, पुल, राजमार्ग, एक्सप्रेस वे आदि बनाए जा रहे हैं, रेल और हवाई यात्रा का विस्तार किया गया है, कमोबेश उन्हें मोदी सरकार का 'हॉलमार्क' माना जाता है। ऐसे बुनियादी ढांचे से कुछ गंभीर हादसे भी जुड़े रहे हैं। उनके गर्भ में भ्रष्टाचार मिला है। सरकार उन पर नियंत्रण लाए। यह साख के लिए भी जरूरी है।

लड़ाई अभी लंबी है

यकीनन भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, लेकिन विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे गरीब देश भी होगा। यह लड़ाई अभी बहुत लंबी है। भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.75 लाख रुपये भी नहीं है। आज भी 22-25 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो हर रोज़ 350 रुपये ही कमा पाते हैं। दरअसल मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। आज भी कई आर्थिक सुधार, विधिक सुधार, शिक्षा सुधार, रोज़गार एवं श्रम सुधार, पुलिस और प्रशासनिक सुधार ऐसे लंबित पड़े हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे पाई है। खासकर कृषि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को इतना मजबूत करना जरूरी है, ताकि वे व्यापक रोज़गार और नौकरियां पैदा कर सकें और करोड़ों बेरोज़गारों को माकूल काम दिया जा सके। भारत की एक नाजुक और गंभीर समस्या का हल भी उसी से संभव है। उसी से आर्थिक विकास बढ़ता है। सवाल यह भी किया जाना चाहिए कि सरकार ने महंगाई, मणिपुर हिंसा और विदेशी घुसपैठ, रेल हादसों, कश्मीर में अब भी सक्रिय आतंकवाद और दलित अत्याचार सरीखे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रपति अभिभाषण में शामिल क्यों नहीं किया? राष्ट्रपति मुर्मू से 1975 के आपातकाल को 'काला अध्याय' करार दिलाया गया, संविधान पर सबसे घातक हमला कहलवाया गया, लेकिन इस बिन्दु पर सरकार खामोश क्यों रही कि संविधान बदला नहीं जा सकता। लोकतंत्र भारत की आत्मा में है, जिसे खत्म नहीं किया जा सकता। यदि राष्ट्रपति टिप्पणी करतीं और देश को आश्वस्त करतीं, तो विपक्ष का एक फर्जी नैरेटिव समाप्त किया जा सकता था।

निरंतरता का संदेश दे रही मोदी सरकार

अभिभाषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के अब तक के कार्य व्यवहार को देखते हुए सामान्य तौर पर यह निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता कि इसमें कोई रेखांकित करने वाला मौलिक बदलाव है। संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा कि मेरी सरकार, विकास के साथ ही विरासत पर भी उतना ही गर्व करते हुए काम कर रही है। मोदी सरकार जब भी विरासत की बात करती है उसे हिंदुत्व एवं उसकी विचारधारा से जोड़ा जाता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के आरंभ में ये पंक्तियां डाली गई हैं तो साफ है कि सरकार संदेश देना चाहती है कि भले भाजपा को बहुमत नहीं मिला, राजग को मिला, लेकिन यह गठबंधन भी चुनाव पूर्व का है और हमारे कार्यों, हमारी घोषणाओं को स्वीकार करते हुए हुआ है, इसलिए हम उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। किसी साथी दल ने सरकार को पूर्व एजेंडे में कुछ बदलाव करते हुए नए सिरे से न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने की मांग नहीं की है। माना जा रहा है कि कुछ बिंदुओं को छोड़कर भाजपा अपने घोषणा पत्र पर ही आगे बढ़ रही है। अभिभाषण में इसकी झलक मिलती है। इसे कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है और यही सरकार के भविष्य की दिशा व दशा काफी हद तक स्पष्ट करने में सहायक होंगे।

चुनाव परिणामों की व्याख्या

इनमें पहला है, 2024 लोकसभा चुनाव के परिणामों की व्याख्या। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दुनिया देख रही है कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। छह दशक बाद ऐसा हुआ है। ...मेरी सरकार ने 10 वर्षों से सेवा और सुशासन का जो मिशन चलाया है, ये उस पर मुहर है। ये जनादेश है कि भारत को विकसित बनाने का काम बिना रुके चलता रहे और भारत अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करे। विपक्ष अभिभाषण को चाहे जितना निरर्थक बताए सरकार के लिए महत्वपूर्ण है साथी दलों का किसी प्रकार की आपत्ति न करना। स्पष्ट संदेश है कि जनादेश हमको अपने पूर्व कार्यों और दिशा के आधार पर मिला है, इसलिए हम वही करेंगे जो कर रहे थे।

दूसरा प्रमुख बिंदु

इसका दूसरा प्रमुख बिंदु है, आगामी बजट के बारे में संकेत। राष्ट्रपति के अभिभाषण के द्वारा सरकार ने कहा कि आगामी सत्र में मेरी सरकार अपने इस कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। भारत के तेज विकास की जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सुधारों की गति अब और तेज की जाएगी। मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। इतनी स्पष्टता के साथ बजट, सुधार, आर्थिक नीति, सामाजिक निर्णय आदि के बारे में बोलने के बाद कोई संदेह नहीं पैदा होता कि सरकार की अर्थ नीति और सुधार गति में रुकावट आएगी या गठबंधन सरकार एवं विपक्ष के दबाव से बदलाव किया जाएगा।

विकास पर प्रभावों की व्याख्या

अभिभाषण का तीसरा महत्वपूर्ण बिंदु है, अस्थिर सरकारों के देश के विकास पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तृत व्याख्या। अभिभाषण में कहा गया है कि अक्सर विरोधपरक मानसिकता और संकीर्ण स्वार्थ के कारण लोकतंत्र की मूल भावना का बहुत अहित हुआ है। इसका प्रभाव संसदीय प्रणाली पर भी पड़ता है और देश की विकास यात्रा पर भी पड़ता है। देश में कई दशकों तक अस्थिर सरकारों के दौर में कई सरकारें चाहते हुए भी न सुधार कर पाईं और न ही आवश्यक निर्णय ले पाईं। भारत की जनता ने निर्णायक बनकर इस स्थिति को बदला है। बीते 10 वर्ष में ऐसे अनेक सुधार हुए हैं, जिनका बहुत लाभ देश को आज मिल रहा है।

जब ये सुधार किए जा रहे थे, तब भी इनका विरोध किया गया था, नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की गई थी, लेकिन ये सारे सुधार समय की कसौटी पर खरे साबित हुए हैं। आगे भाषण में आप देखेंगे तो भारत के बैंकों को 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड मुनाफे तथा विश्व में बेहतर बैंकिंग व्यवस्था के रूप में चित्रित किया गया है जो अपनी भारतीय नीतियों की सफलता का कहीं उद्घोष है। कुल मिलाकर सरकार ने अस्थिर सरकारों या दूसरे शब्दों में कहें तो गठबंधन सरकारों की आलोचना की है। यह नाम ना लेते हुए कांग्रेस या मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीएस सरकार की आलोचना है। यानी उसे सरकार ने कई प्रकार के दबाव में तथा संकीर्णता के कारण निर्णय करने से बचती रही, आवश्यक कदम नहीं उठाए और सुधार नहीं किए जिससे देश की आर्थिक दशा खराब हुई। बैंकिंग व्यवस्था चरमरा गई। दूसरी ओर जब हमने करना शुरू किया तो इन लोगों ने विरोध किया, गलतफहमी पैदा कर वातावरण को नकारात्मक बनाने की कोशिश की। अगर हमारी नीतियों, कदमों और निर्णयों के अच्छे परिणाम आए तो साफ है ये सब अपनी संकीर्ण मानसिकता और कुत्सित राजनीति के तहत ऐसा कर रहे थे। यह विपक्ष के वर्तमान रवैया पर भी कटाक्ष है।

युवा और शिक्षा नीति पर वक्तव्य

अभिभाषण में चौथा अहम पहलू है, युवा और शिक्षा नीति को लेकर दिया गया वक्तव्य। अभिभाषण के अनुसार सरकार देश के हर युवा को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए ज़रूरी माहौल बनाने में जुटी है। आगे देखिए, 'पहले जो विद्यार्थी सिर्फ भारतीय भाषाओं में पढ़ाई करते थे, उनके साथ अन्याय की स्थिति थी। मेरी सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर, इस अन्याय को दूर करने के लिए कदम उठाए हैं। युवाओं को अब भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई का विकल्प भी मिला है।' किसी भी देश के समग्र विकास का आधार शिक्षा नीति ही होती है। विपक्ष ने सरकार की नई शिक्षा नीति की आलोचना की, लेकिन देश ने इसे स्वीकार किया है। हालांकि इसकी गति धीमी रही है, पर इस दिशा में सरकार आगे बढ़ी है। अभिभाषण में घोषणा है कि सरकार एक डिजिटल विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। युवाओं ने इन कदमों का पूरा समर्थन किया है। उदाहरण के लिए इसमें अटल टिंकरिंग लैब्स, स्टार्ट अप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसे अभियानों को युवाओं का सामर्थ्य बढ़ाने वाला बताते हुए कहा गया है कि इन्हीं प्रयासों से आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम बन चुका है।

नीतियों में बदलाव नहीं

राष्ट्रपति के अभिभाषण में अगर शिक्षा नीति का स्पष्ट समर्थन किया गया है तो कम से कम तत्काल यह मानने का कोई कारण नहीं कि आने वाले समय में सरकार अपने पूर्व दिशा को बदलने जा रही है। मोदी सरकार की शिक्षा नीति को ही भगवाकरण और सेकुलर विरोधी तथा हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाला बताया जाता रहा है। इसमें जब बदलाव नहीं होगा तो शेष मामलों में इस तरह के वैचारिक विरोध का माहौल भी नहीं। इस तरह कुल मिलाकर मोदी सरकार ने स्पष्ट किया है कि जब हमारी नीतियों का लाभ देश को हर क्षेत्र में मिला है तो हम उसे बदलने वाले नहीं है। अभिभाषण में कहा भी गया है कि हम विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुके हैं और तीसरी अर्थव्यवस्था बनेंगे तथा हमारा लक्ष्य आगे विश्व की प्रथम श्रेणी का राष्ट्र बनना है। यानी प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने तथा इसी कार्यकाल में तीसरी अर्थव्यवस्था का जो संकल्प व्यक्त किया सरकार उस पर काम करती रहेगी। विदेश नीति में भारत की प्रखरता से लेकर आंतरिक सुरक्षा आदि की प्रशंसा और इस दिशा में बढ़ाने का संकल्प बताता है कि भले सरकार गठबंधन की हो लेकिन इसकी दिशा, गति और चरित्र में नैरंतर्य रखने की कोशिश होगी। विपक्ष क्या कहता है इसका लोकतांत्रिक दृष्टि से संज्ञान लेना सरकार का दायित्व है, किंतु सरकार का बने रहना या उसकी नीतियों का आगे बढ़ना विपक्ष पर नहीं, गठबंधन के साथियों पर निर्भर करता है। ऐसा लगता है कि सरकार के रणनीतिकार मुख्यतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह ने गठबंधन के साथियों से स्पष्ट किया है कि हम काम करने के लिए सरकार में आए हैं, भारत का व्यापक और दूरगामी लक्ष्य बनाकर हम जो कर रहे थे उसे आगे बढ़ाएंगे, क्योंकि उसी में देश का भला है। उनसे उनकी राय भी पूछी होगी। इस कारण सरकार अभी निश्चिंतता से आगे बढ़ेगी।

विकास को गति देने का संकल्प

अभिभाषण

नीलम महाजन सिंह

राजनीतिक विश्लेषक

18वीं लोकसभा के संयुक्त संसद सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राजग सरकार का विजन देश के सामने रखा। राहुल गांधी भी विपक्ष के नेता के रूप में इस बार मजबूत भूमिका में है। राष्ट्रपति के संबोधन में अनेक बातें हैं, जिसमें खास संदेश है। इसमें भारत की सभ्यता और संस्कृति की चेतना भी है। इसमें, हमारी लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं के सम्मान का प्रण भी है। यह आवश्यक है कि नीतियों पर सार्थक संवाद होना चाहिए।

देशवासियों का गौरव बढ़ाने वाले अनेक पल आए हैं। दुनिया में गंभीर संकटों के बीच भारत सबसे तेज़ी से विकसित होती हुई 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। अब तीसरी बनने का लक्ष्य है। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के संकल्प ने आज भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। सरकार ने सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों - विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हर पहलू पर बहुत जोर दिया गया है। गांवों में कृषि आधारित उद्योगों, डेयरी और फिशरीज़ आधारित उद्योगों का विस्तार किया जा रहा है। इसमें भी सहकारिता को प्राथमिकता दी गई है।

आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है। विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं। हमारे मोटे अनाज - श्री अन्न - की पहुंच सुपरफूड के तौर पर दुनिया के कोने-कोने में हो, इसके लिए भी अभियान चल रहा है। आने वाला समय हरित युग का है। इसके लिए सरकार हर ज़रूरी कदम उठा रही है। हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ रहे हैं, जिससे ग्रीन जॉब्स भी बढ़े हैं। ग्रीन एनर्जी हो या फिर ग्रीन मोबिलिटी, हर मोर्चे पर सरकार बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रही है। भारत ग्रीन एनर्जी कर बड़ा हब बनने जा रहा है। सरकार ग्रीन हाईड्रोजन में सरकारी व निजी निवेश को प्रोत्साहित कर रही है। पूर्वोत्तर के विकास के लिए 10 वर्षों में आबंटन में 4 गुना से अधिक की वृद्धि की है। नॉर्थ ईस्ट में हर तरह की कनेक्टिविटी को बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, रोजगार, हर क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है।

जुलाई की पहली तारीख से देश में भारतीय न्याय संहिता भी लागू हो जाएगी। अंग्रेज़ी राज में गुलामों को दंड देने की मानसिकता थी। दुर्भाग्य से आज़ादी के

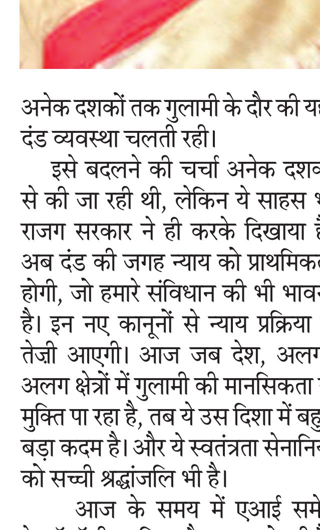

अनेक दशकों तक गुलामी के दौर की यही दंड व्यवस्था चलती रही।

इसे बदलने की चर्चा अनेक दशकों से की जा रही थी, लेकिन ये साहस भी राजग सरकार ने ही करके दिखाया है। अब दंड की जगह न्याय को प्राथमिकता होगी, जो हमारे संविधान की भी भावना है। इन नए कानूनों से न्याय प्रक्रिया में तेज़ी आएगी। आज जब देश, अलग-अलग क्षेत्रों में गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पा रहा है, तब ये उस दिशा में बहुत बड़ा कदम है। और ये स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

आज के समय में एआई समेत टेक्नॉलॉजी हर दिन और उन्नत हो रही है। ऐसे में मानवता के विरुद्ध इनका गलत उपयोग बहुत घातक है। भारत ने विश्व मंच पर भी इन चिंताओं को प्रकट किया है और एक ग्लोबल फ्रेमवर्क की वकालत की है। पिछले 10 वर्षों में जो सुधार हुए हैं, जो नया आत्मविश्वास देश में आया है, उससे हम विकसित भारत बनाने के लिए नई गति प्राप्त कर चुके हैं।

हम सभी को ये हमेशा ध्यान रखना है कि विकसित भारत का निर्माण देश के हर नागरिक की आकांक्षा है, संकल्प है। इस संकल्प की सिद्धि में अवरोध पैदा न हो, ये हम सभी का दायित्व है। नीतियों का विरोध और संसदीय कामकाज का विरोध, दो भिन्न बातें हैं। जब संसद सुचारू रूप से चलती है, जब यहां स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा होती है, जब दूरगामी निर्णय होते हैं, तब लोगों का विश्वास सिर्फ सरकार ही नहीं पूरी व्यवस्था पर बनता है। इसलिए भरोसा है कि संसद के पल-पल का सदुपयोग होगा, जनहित को प्राथमिकता मिलेगी। अभिभाषण में संसद में हंगामा पर चिंता व्यक्त की गई है।

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम' से डिजिटल स्पेस और अधिक सुरक्षित होने वाला है। जम्मू-कश्मीर आरक्षण कानून से, वहां भी जनजातीय समुदायों को प्रतिनिधित्व का अधिकार मिलेगा। परंतु अभी भी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में आर्मी व अन्य सशक्त पुलिस दल कार्यरत हैं। नीट परीक्षाओं की धांधली का क्या हुआ? नेशनल टेस्ट अथॉरिटी की निष्पक्षता पर अंकुश लग गया है। कोई भी राष्ट्र, तेज़ गति से तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह पुरानी चुनौतियों को परास्त करते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा भविष्य- निर्माण में लगाए। नीति आयोग के अनुसार, सरकार के एक दशक के कार्यकाल में, करीब 25 करोड़ देशवासी ग़रीबी रेखा से बाहर निकले हैं। मानव केंद्रित विकास पर बल देना चाहिए है। हर नागरिक की गरिमा सर्वोपरि है। यही सामाजिक न्याय की हमारी अवधारणा है। संविधान के हर अनुच्छेद का संदेश भी यही है।

हमारे वेदों में हमारे ऋषियों ने हमें 'समानो मंत्रः समितिः समानी' की प्रेरणा दी है। अर्थात, हम एक समान विचार और लक्ष्य लेकर एक साथ काम करें। यही इस संसद की मूल भावना है। हम जब 2047 में आज़ादी की शताब्दी का उत्सव विकसित भारत के रूप में मनाएंगे, तो इस पीढ़ी को भी श्रेय मिलेगा। आज हमारे युवाओं में जो सामर्थ्य है, संकल्पों में जो निष्ठा है, ये इस बात का प्रमाण हैं कि आने वाला दौर भारत का है। ये सदी भारत की सदी है और इसका प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार अभिभाषण के अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सबको साथ लेकर चलेगी।

समय पर पेमेंट | घर-पर इवैल्यूएशन | चिंता-मुक्त डॉक्यूमेंटेशन

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है

RAIPUR: MAHOBA BAZAR, G.E. ROAD: SKY AUTOMOBILE: 8889996586, 8889998611, 8889998605 | **AVANTI VIHAR**: SKY AUTOMOBILES: 9584465304, 9111107029 | **BHILAI: POWER HOUSE, G.E. ROAD:** SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332, 9179424485, 7089688410 | **DURG BYPASS:** CHOUHAN AUTOMOBILES: 7222910050, 7222910005, 7222910057 | **DURG: PULGAON CHOWK:** SPARSH AUTOMOBILES: 9179424485| **JAGDALPUR:** SKY AUTOMOBILES: 6260288613, 8889998641 | **BHATAGAON**: HDN MOTORS: 7909800009. **SARONA:** VISHWABHARTI AUTOMOBILES: 6262620109, 6262620093 | **DUMERTARAI, DHAMTARI ROAD:** SPARSH AUTOMOBILES: 8120001958, 9111011381.

बंगाल गवर्नर बोस ने ममता के खिलाफ किया मानहानि का मुकदमा

एजेंसी ⏭ कोलकाता

देश में पहली बार किसी राज्यपाल ने सीएम पर मानहानि का केस किया है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सीएम ममता बनर्जी और टीएमसी के कुछ नेताओं के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में यह केस किया। एक दिन पहले ममता ने कहा था कि महिलाओं ने उनसे शिकायत की है कि वे राजभवन की गतिविधियों की वजह से वहां जाने से डरती हैं। राज्यपाल-सीएम में लंबे समय से खींचतान चल रही है।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के बीच 2 मई को राजभवन की अस्थायी महिलाकर्मी ने राज्यपाल पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। ममता सरकार ने जांच पुलिस को सौंपी थी। वहीं, राज्यपाल ने राजभवन में पुलिस के प्रवेश पर रोक लगा दी। राज्यपाल ने याचिका में कहा है कि घटना राजनीति से प्रेरित थी। पुलिस ने महिला को भड़काया और वीडियो बनाने के लिए प्रेरित किया।

गवर्नर बोस के खिलाफ यौन उत्पीड़न के दो केस

पहला केस: राज्यपाल सीवी आनंद बोस पर राजभवन की महिला कर्मी ने 2 मई को यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। उसने मामले को लेकर हरे स्ट्रीट थाने में लिखित शिकायत दी। महिला का आरोप है कि जब वह स्थायी नौकरी का निवेदन लेकर राज्यपाल के पास गई थी। तब राज्यपाल ने बदसलूकी की।

■ कहा था- महिलाएं राजभवन जाने से डरती हैं

दूसरा केस: राज्यपाल बोस के खिलाफ एक ओडिसी क्लासिकल डांसर ने दिल्ली के एक 5 स्टार होटल में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। शिकायत अक्टूबर 2023 में दर्ज कराई गई थी। ओडिसी डांसर ने कहा कि वह विदेश यात्रा से जुड़ी दिक्कतों को लेकर राज्यपाल से मदद मांगने गई थी। हालांकि ओडिसी डांसर ने यह नहीं बताया कि उसने 10 महीने बीतने के बाद अक्टूबर में शिकायत क्यों दर्ज कराई।

जांच रिपोर्ट में क्या

जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सीसीटीवी फुटेज में राज्यपाल के होटल में एंट्री और एग्जिट का समय और महिला ने अपनी शिकायत में जो समय बताया है, वह एक है।

राज्यपाल बोले- मुझे बदनाम करने की साजिश

राज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महिला के आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा, 'ये मुझे बदनाम करने की साजिश है। मेरे ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं। सत्य की जीत होगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं बनावटी नरेटिव से डरने वाला नहीं। कोई मुझे बदनाम करके चुनावी फायदा चाहता है तो भगवान भला करे। मैं भ्रष्टाचार-हिंसा के खिलाफ लड़ाई नहीं रोक सकता।'

ममता बोलीं- राज्यपाल के पास बैठना भी पाप

बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने 11 मई को हावड़ा में एक रैली में कहा कि अगर अब राजभवन बुलाया जाएगा तो मैं नहीं जाऊंगी। अगर राज्यपाल मुझसे बात करना चाहते हैं तो वह मुझे सड़क पर बुला सकते हैं। मैं उनसे वहीं मिलूंगी। उनके पास बैठना भी अब पाप है।

पोर्ट ब्लेयर पर पहली बार 68 यात्रियों को लेकर रात में उतरा विमान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एयर इंडिया का एक विमान रात में पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डे पर सफलतापूर्वक उतरा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि एयर इंडिया का एयरबस ए321 विमान 68 यात्रियों के साथ शुक्रवार की शाम करीब 5.40 बजे कोलकाता से रवाना हुआ और शाम 7.34 बजे पोर्ट ब्लेयर में सफलतापूर्वक उतरा। आईएनएस उत्कर्ष अंडमान और निकोबार कमांड के अधीन है और पोर्ट ब्लेयर में वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में स्थित है। बयान में कहा गया कि इस ऐतिहासिक घटना के साथ ही पोर्ट ब्लेयर हवाई अड्डा अब दिन और रात दोनों समय परिचालन के लिए पूरी तरह सक्षम हो गया है।

पर्यटन को बढ़ावा देने एक महत्वपूर्ण कदम : बयान में कहा गया है, 'रात में यह सफल लैंडिंग अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए हवाई संपर्क बढ़ाने, द्वीपवासियों को लाभ पहुंचाने और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय नौसेना, अंडमान एवं निकोबार कमांड और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के निरंतर प्रयासों से यह ऐतिहासिक घटना संभव हो पाई है।

हवाई अड्डे पर महिला से 21 करोड़ की कोकीन बरामद : चेन्नई। चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर घाना से आई एक महिला हवाई यात्री के पास से 21 करोड़ रुपये मूल्य की दो किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की गई है। पश्चिमी अफ्रीकी देश की रहने वाली महिला 26 जून को चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंची थी।

कार्यालय अस्पताल अधीक्षक एवं संयुक्त संचालक
भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.)

क्र./अस्प.अधी./क्रय/ 2024 3810 राजनांदगांव दिनांक 25/06/2024

//निविदा आमंत्रण सूचना//

भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.) में लगने वाले रियजेंट्स, केमिकल्स, सर्जिकल सामग्री, टेस्ट किट, प्रोप्राइटरी सामग्री/ किट एवं अन्य कन्ज्यूमेबल सामग्रियों के क्रय हेतु निर्माता कंपनी अथवा उनके अधिकृत विक्रेता फर्म से मुहर बंद निविदायें पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से उल्लेखित तिथि अनुसार आमंत्रित किया जाता है। जिसका नियम शर्तो का अवलोकन कार्यालयीन दिवस पर सुबह 10.30 बजे से शाम 05.00 बजे तक भारत रत्न. स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव के मुख्य भंडार से किया जा सकता है ।

01. निविदा प्रपत्र मूल्य - 1000.00 रुपया (वापसी अयोग्य)
02. निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारंभिक तिथि - 01.07.2024 सुबह 10.30 बजे से
03. निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि - 19.07.2024 शाम 05.00 बजे तक
04. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 30.07.2024 शाम 03.00 बजे तक
05. निविदा खोले जाने की तिथि - 30/07/2024 शाम 04.00 बजे से

निविदा खोलने की तिथि एवं समय में अपरिहार्य कारणों से परिवर्तन किया जा सकता है, जिसकी सुचना कार्यालय के सूचना पटल में चस्पा किया जावेगा ।

अस्पताल अधीक्षक एवं संयुक्त संचालक
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध
चिकित्सालय राजनांदगांव (छ.ग.)

G-242500642/1

लोकसभा चुनाव के नतीजे मोदी की निजी, राजनीतिक और नैतिक हार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

■ सोनिया गांधी ने पीएम पर साधा निशाना

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस की दिग्गज नेता ने अंग्रेजी अखबार द हिंदू में पब्लिश एक आर्टिकल के जरिए नीट परीक्षा में धांधली का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा है कि परीक्षा पर बातचीत करने वाले पीएम मोदी पेपर लीक मामले में चुप क्यों हैं। नीट एग्जाम में हुई धांधली ने कई परिवार को बर्बाद कर दिया है।

सोनिया गांधी ने कहा कि चुनाव प्रचार के समय पीएम मोदी ने अपनी मर्यादा और जिम्मेदारी को किनारा कर सांप्रदायिक झूठी बातों का प्रचार किया। पीएम की टिप्पणी ने सामाजिक तानेबाने को काफी हानि पहुंचाई है।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	155294 प्रथम आमंत्रण 24.06.2024	1) जिला-जशपुर हर्राडांड चौक से गोरिया पहुंच मार्ग लंबाई 4.46 कि.मी. का निर्माण कार्य। (वर्क कोड- W27890) 2) जिला-जशपुर के फरसाकानी से ठेईटांगर (ठेठेटांगर) पहुंच मार्ग लंबाई 3.76 कि.मी. का निर्माण कार्य। (वर्क कोड- W27887)	688.69
2	155310 प्रथम आमंत्रण 24.06.2024	मनेन्द्रगढ़ में न्यायिक कर्मचारियों के लिए 11 नग 'जी' टाईप, 07 नग 'एच' टाईप एवं 07 नग 'आई' टाईप शासकीय आवासगृह का निर्माण कार्य।	282.30
3	155312 प्रथम आमंत्रण 24.06.2024	जिला बालोद में नवीन जिला न्यायालय भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, बाउण्ड्रीवाल, लैंड स्कैपिंग, सेप्टिक टैंक, विद्युतीकरण एवं पहुंच मार्ग सहित निर्माण का कार्य।	1436.00
4	155317 प्रथम आमंत्रण 24.06.2024	कोण्डागांव में जिला एवं सत्र न्यायालय भवन, विद्युतिकरण, वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं पहुंच मार्ग सहित निर्माण कार्य।	1170.00
5	155385 प्रथम आमंत्रण 25.06.2024	1) जिला जशपुर के एन.एच. 43 से महुआटोली-श्रीटोली - कमरटोली पहुंच मार्ग लंबाई 2.68 कि.मी. का निर्माण कार्य। 2) जिला जशपुर के एस.एच.-17 से पुटूकेला पहुंच मार्ग लंबाई 2.14 कि.मी. का निर्माण कार्य। 3) जिला जशपुर के एस.एच.-17 से सरंगडांड़ पहुंच मार्ग लंबाई 2.88 कि.मी. का निर्माण कार्य।	687.60
6	155387 प्रथम आमंत्रण 25.06.2024	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के लरंगसाय चौक से रिंग रोड एवं पावर हाऊस से जयस्तंभ चौक, भारत माता चौक से रेस्ट हाऊस एवं जयस्तंभ चौक तक मार्ग लंबाई 5.825 कि.मी. का मजबूतीकरण निर्माण कार्य।	369.83

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 01 सं.क्र. 05 दिनांक 16.07.2024 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 18.07.2024 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G-242500699/2

पेड़ से टकराए डंपर में लगी आग, एक की मौत, दो गंभीर

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में एक डंपर के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद उसमें आग लग गयी। पुलिस ने बताया कि डंपर में आग लगने से चालक की मौत हो गयी और परिचालक समेत दो अन्य लोग झुलस गये।

पुलिस ने बताया कि बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके डंपर के कुछ हिस्सों को गैस कटर से काटकर वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि इस घटना में डंपर चालक शैलेन्द्र (45) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। परिचालक समेत दो लोगों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

हूती विद्रोहियों ने दागी 5 मिसाइल अमेरिका के हटते ही बढ़ गए हमले

■ ड्रोन हमलों के जरिए अब तक 60 से अधिक पोत को निशाना बनाया

एजेंसी ⏭ अमीरात

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर शुक्रवार को मिसाइल हमले किए। ब्रिटेन की सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोही इस अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं।

'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन' (यूकेटीएमओ) केंद्र ने बताया कि यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं। यूकेटीएमओ ने बताया कि इन हमलों मे पोत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने शुक्रवार रात दावा किया था कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में पोतों पर दो हमले किए हैं लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है । कि यूकेटीएमओ ने किस पोत पर हुए हमले की जानकारी दी है। विद्रोहियों ने मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिए अब तक 60 से अधिक पोत को निशाना बनाया है और इन हमलों में चार नाविक मारे गए हैं। हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में जनवरी से कई हवाई हमले किए गए हैं।

युद्ध खत्म करने की मांग : विद्रोहियों अनुसार, 30 मई को हुए हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी और 42 अन्य घायल हुए थे। हूती विद्रोहियों का हालांकि कहना है कि वह इजराइल, अमेरिका या ब्रिटेन के पोतों को ही निशाना बनाता है, लेकिन ऐसे कई पोतों पर हमला किया गया है जिनका इजराइल-हमास युद्ध से कोई लेना-देना नहीं था।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, दन्तेवाड़ा

(फोन / फैक्स नं. -07856-252362,
ई - मेल -eedan-phe-cg@nic.in)

निविदा सू. क्रं./419 / त.शा./ का.अ./ लो.स्वा. यां. / 2024

दन्तेवाड़ा, दिनॉक : 26/06/2024

// निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन व्यवस्था प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "ए" प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु (Online) निविदा आमंत्रित की गयी है ।

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमॉक	कार्य का विवरण / ग्राम / विकासखण्ड	निविदा आमंत्रण	अनुमानित लागत (लाख में)
1	155412	विकासखण्ड कुआकोण्डा के ग्राम अरनपुर के कोंडापारा 111 बटालियन सी.आर.पी.एफ. कैम्प से कमलपोस्ट 231 बटालियन कैम्प में 5 एच. पी. सबमर्सिबल पम्प स्थापना व 63 मि.मी. व्यास के एच. डी. पी. पाईप लाईन विस्तार कार्य ।	प्रथम काल	22.56
		कुल योग		22.56

निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in पर दर्शित है।

टीप :- निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनॉक 15.07.2024 है ।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड दंतेवाड़ा

G -242500685/3

पेज एक के शेष

सांसदों ने कहा- मेयर और...

प्रदेश में मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव के साथ विशेष विमान से एक दिन पहले शाम को दिल्ली गए थे। वहां पर रात को उनकी भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं और प्रदेश के सांसदों के साथ एक बैठक वरिष्ठ सांसद संतोष पांडेय के निवास पर हुई। संसदीय बोर्ड की इस बैठक में लोकसभा के दस सांसद केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, संतोष पांडेय, विजय बघेल, बृजमोहन अग्रवाल, चिंतामणि महाराज, रूपकुमारी चौधरी, कमलेश जांगड़े, राधेश्याम राठिया, भोजराज नाग, महेश कश्यप और राज्य सभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह के साथ क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय भी शामिल थे। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली बैठक में लोकसभा के आठ नए सांसदों और राज्य सभा के एक सांसद को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मार्गदर्शन मिला कि किस तरह से लोकसभा के सदन में अपनी बात रखनी है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव पर लंबा मंथन किया गया। इसमें पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा महापौर और अध्यक्ष का चुनाव अप्रत्यक्ष कराने के नियम को बदलकर वापस प्रत्यक्ष चुनाव कराने पर एक राय बनी।

32 लाख की दवा...

प्रबंधन से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इन दवाओं का उपयोग कम मात्रा में होता है, इसलिए एक्सपायरी होने की मात्रा अधिक हो गई।

प्रदीप मिश्रा ने दंडवत...

माफी मांगी। इसके बाद वह राधा रानी के मंदिर में दंडवत हो गए। पंडित प्रदीप मिश्रा को मिल रही लगातार धमकियों के कारण राधारानी मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। माफी मांगने के बाद उन्होंने कहा कि मैं ब्रजवासियों के प्रेम के कारण यहां पहुंचा हूं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा- मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है, तो उसके लिए माफी मांगता हूं। मैं ब्रजवासियों के चरणों में दंडवत माफी मांगता हूं। मैं लाडली जी और बरसाना सरकार से क्षमा चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा सभा से निवेदन है कि कोई किसी को अपशब्द नहीं कहे केवल राधे-राधे और महादेव कहें।

प्रेमानंद ने भी लगाई थी लताड़ : राधारानी पर की गई टिप्पणी पर प्रेमानंद महाराज ने भी पंडित प्रदीप मिश्रा को फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा था कि शास्त्रों का ज्ञान नहीं है। हालांकि बाद में यह कहा गया कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रदीप मिश्रा और प्रेमानंद महाराज के बीच सुलह कराई थी।

अरुणदेव-हिमांशु होंगे डीजी...

प्रमोशन को हरी झंडी दे दी गई। डीपीसी के बाद गृहमंत्री से यह नस्ती मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पास पहुंच गई है। मुख्यमंत्री का अनुमोदन होते ही दोनों अफसरों के प्रमोशन का आदेश जारी हो जाएगा। छत्तीसगढ़ में डीजी के दो कैडर पद हैं, इसके विरुद्ध राज्य सरकार दो एक्स कैडर पोस्ट बना सकती है, इसे मिलाकर डीजी के कुल चार पद होते हैं। अभी चार में से तीन पद खाली हैं। एक पद में अशोक जुनेजा डीजी पुलिस हैं। राजेश मिश्रा डीजी थे, उनके जनवरी में सेवानिवृत्ति के बाद यह पद खाली है। डीजी के तीन पदों के लिए मंत्रालय में डीपीसी हुई। 92 बैच के दो आईपीएस पवनदेव और अरुणदेव गौतम हैं। उनके बाद 94 बैच में सबसे ऊपर हिमांशु गुप्ता हैं।

अगस्त में तय होगा नए डीजी का नाम : डीजीपी अशोक जुनेजा अगस्त के पहले सप्ताह में रिटायर हो जाएंगे। उल्लेखनीय है कि उनको पूर्णकालिक डीजीपी बनाने का आदेश 5 अगस्त 2022 को जारी हुआ था। दो साल का उनका टेन्योर 4 अगस्त को पूरा हो जाएगा। उनके रिटायर होने के बाद अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता डीजी के पद पर रहेंगे। वरिष्ठता के हिसाब से डीजी पद पर अरुण देव गौतम का दावा बनता है। राज्य सरकार इस पर निर्णय ले सकती है।

गृह सचिव के पद पर पदस्थ हैं गौतम : आईपीएस अरुण देव गौतम छत्तीसगढ़ कैडर के 1992 बैच के आईपीएस हैं। वे मूलतः उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं। छत्तीसगढ़ में कई महत्वपूर्ण पोस्टिंग में रहने वाले अरुण देव वर्तमान में गृह जेल एवं परिवहन विभाग के सचिव हैं। अच्छे कामों के कारण संयुक्त राष्ट्र पदक व राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित हो चुके हैं।

एडीजी प्रशासन का काम देख रहे गुप्ता : आईपीएस हिमांशु गुप्ता छत्तीसगढ़ कैडर के आईपीएस हैं। वे मूलतः राजस्थान के जयपुर के रहने वाले हैं। वर्तमान में एडीजी स्तर के आईपीएस अफसर हैं। दुर्ग आईजी रहते उनका एडीजी के पद पर प्रमोशन हुआ था। एडीजी बन जाने के बाद भी सरकार ने उन्हें चार माह तक दुर्ग रेंज का आईजी बनाकर रखा था। वर्तमान में एडीजी प्रशासन हैं।

पवनदेव का लिफाफा...

पवनदेव के लिए डीपीसी ने उनका पद सुरक्षित रखा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि डीपीसी को अधिकार है कि जांच लंबी खिंचेगी और इसमें उनके बचने की कोई संभावना नहीं है, तो उस पद के खिलाफ नीचे वाले को मौका दे सकते हैं। यहां पर पवनदेव का प्रमोशन नहीं हुआ, मगर उनके लिए तीसरा पद रिजर्व माना जाएगा।

श्रीलंका में 60 भारतीय साइबर अपराधी गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंका के आपराधिक जांच विभाग ने ऑनलाइन वित्तीय घोटाले में शामिल एक समूह के कम से कम 60 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इन लोगों को बृहस्पतिवार को कोलंबो के उपनगरीय इलाकों मडीवेला और बट्टारामुल्ला तथा पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो से गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता एसएसपी निहाल थलदुवा ने बताया कि अपराध जांच विभाग ने इन इलाकों में एक साथ छापेमारी की और इस दौरान 135 मोबाइल फोन और 57 लैपटॉप जब्त किए। यह कार्रवाई एक पीड़ित की शिकायत के आधार पर की गई।

छत्तीसगढ़ शासन वनविभाग
कोंडागांव वनमंडल के काष्ठागार के नीलाम का संक्षिप्त विवरण

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कोंडागांव वनमंडल के अंतर्गत कोंडागांव काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ/ जलाऊ काष्ठ का घोष विक्रय द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा । इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि घोष विक्रय में भाग लेवें । घोष विक्रय की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस एवं समय पर संबंधित वनमंडल से प्राप्त की जा सकती है।

वनमंडल का नाम	काष्ठागार का नाम	नीलाम दिनांक व समय
कोंडागांव वनमंडल कोण्डागांव	कोंडागांव काष्ठागार	05/07/2024, प्रातः 9:00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज			अविक्रित वनोपज			योग		
	ई. काष्ठ (घ. मी.)	बल्ली / डेंगरी (नग में)		ई. काष्ठ (घ. मी.)	बल्ली / डेंगरी (नग में)		ई. काष्ठ (घ. मी.)	बल्ली / डेंगरी (नग में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सागौन	0.477	744	4	5.195	1607	3151	5.672	2351	3155
साल	1680.416	237	249	2741.424	1679	931	4421.840	1916	1180
बीजा	41.884	4	6	72.421	6	33	114.305	10	39
साजा	32.833	4	15	23.561	15	37	56.394	19	52
हल्दू	9.992	2	0	21.060	13	12	31.052	15	12
अन्य	81.777	7	12	59.717	9	10	141.494	16	22
जलाऊ	Fuel Stack Mixed 393						Fuel Stack Mixed 393		
औ. बांस	8060 नग	4.559 N.T.		27000 Nog.	11.258 N.T.		35060 नग		15.817 N.T.
व्या. बांस	20139 नग	40.050 N.T.		0	0		20139 नग		40.050 N. T.
योगः-	1847.379	998	286	2923.378	3329	4174	4770.757	4327	4460
जलाऊ	Fuel Stack Mixed 393						Fuel Stack Mixed 393		
औ. बांस	8060 नग	4.559 N.T.		27000 Nog.	11.258 N.T.		35060 नग		15.817 N.T.
व्या. बांस	20139 नग	40.050 N.T.		0	0		20139 नग		40.050 N.T.

दूरभाष क्रमांक- दक्षिण कोंडागांव वनमंडल (07786-242303)

(1) प्रत्येक क्रेता को नीलाम में बोली लगाने के पूर्व प्रत्येक लॉट के संबंध में जिस सीमा तक वह बोली लगाना चाहता है, उसके 10 प्रतिशत के बराबर राशि या 1,000/- रूपये इसमें जो भी अधिक हो, जमा करना अनिवार्य है। (2) क्रेता द्वारा नीलाम में बोली लगाने के पूर्व वर्ष 2024 का पंजीयन प्रमाण पत्र, GST प्रमाण पत्र एवं आयकर पेन कार्ड की छायाप्रति ई. एम. डी. कक्ष में जमा करना अनिवार्य है। (3) विनिर्माता/उपभोक्ता / व्यापारी लायसेंस, GST कर एवं आयकर पेन नंबर की छायाप्रति अनिवार्य रूप से जमा करने पर ही वर्क आर्डर जारी किया जावेगा। (4) नीलाम में क्रय किये गये लॉटों का विक्रय मूल्य सहित विवरण ई. एम. डी. जमा पर्ची के पीछे अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। (5) GST की राशि का भुगतान पृथक से "कोण्डागांव वनमंडल कोण्डागांव" के नाम से बैंक ड्राफ्ट जो कोंडागांव में देय हो, तैयार कर प्रस्तुत करना होगा।

वनमंडलाधिकारी
कोंडागांव वनमंडल कोंडागांव

G-242500654/2

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु — आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर — क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

शब्द पहेली - 5557

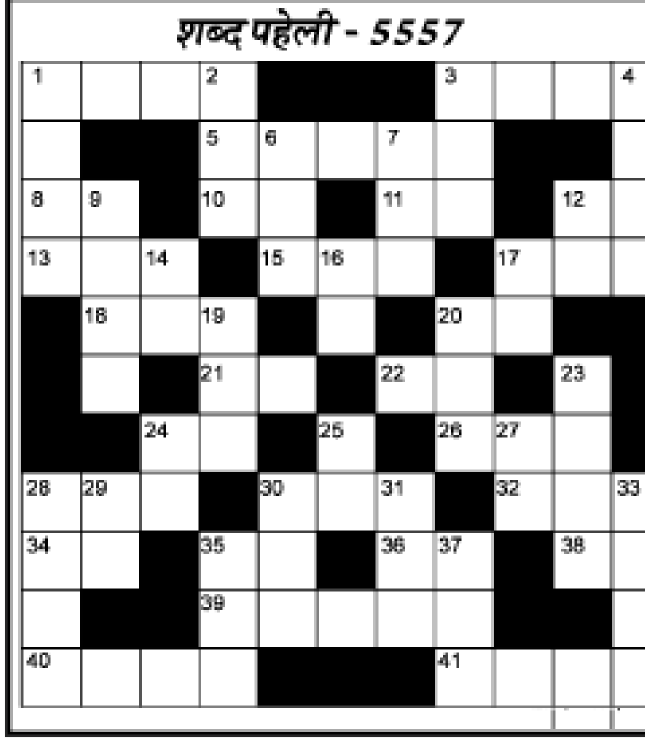

बाएँ से दाएं-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होना-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लौन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. ढौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अद्भुत, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5556 का हल

सुडोकु बवाल - 5568

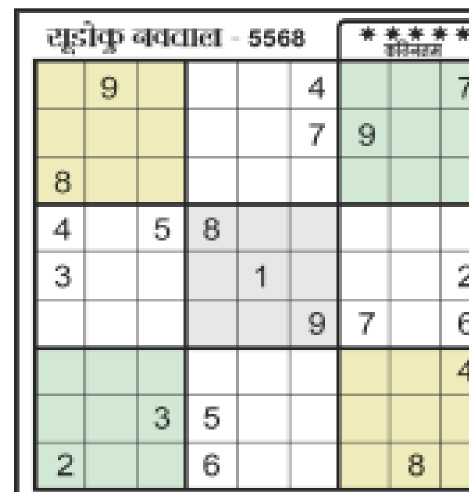

तरकश

-संजय के. दीक्षित

पाण्डेयजी का डिनर

सियासत में चाय और डिनर के अपने निहितार्थ होते हैं...भारत में तो चाय पर चर्चा के बाद लोगों ने सरकार गिरते भी देखा है। तमिलनाडू की मुख्यमंत्री जयललीता सोनिया गांधी के यहां चाय पीने गई और अटलजी की सरकार गिर गई थी। बहरहाल, बात यहां छत्तीसगढ़ के सांसद के डिनर की। दरअसल, राजनांदगांव के सांसद संतोष पाण्डेय ने 28 जून को दिल्ली के अपने सरकारी निवास में हाई प्रोफाइल दावत रखी थी। जाहिर है, पाण्डेय जी को मोदी कैबिनेट 3.0 में मंत्री बनाए जाने की बड़ी चर्चाएं थी। अटकलों में पंख लगाने वालों के तर्क नाहक नहीं थे। संतोष के साथ संघ का टैग लगा ही है, राजनांदगांव सीट से दूसरी बार निर्वाचित हुए और वो भी भूपेश बघेल जैसे कांग्रेस के दिग्गज नेता को पराजित कर। खैर...बात डिनर की। संतोष पाण्डेय के डिनर में शामिल होने रायपुर से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और संगठन मंत्री पवन साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ही नहीं पहुंचे बल्कि दिल्ली से शीर्ष नेता बीएल संतोष, शिवप्रकाश और अजय जामवाल ने भी शिरकत की। संतोष पाण्डेय का नार्थ एवेन्यू के 173 नंबर के घर में शाम से हाई प्रोफाइल डिनर की तैयारियां हो रहीं थीं...बड़ी शख्सियतों को आना था, सो गहमागहमी भी थी। शाम होते ही छत्तीसगढ़ के सांसदों का जमावड़ा लगने लगा। करीब दो घंटे तक डिनर चला। जाहिर है, इतने बड़े लोग जिस डिनर में शिरकत कर रहे हो, उसमें दाल, सब्जी और पाताल के झोझो के रेसिपी पर तो चर्चा नहीं हुई होगी। इस खास डिनर से सांसद संतोष पाण्डेय का कद बढ़ गया है। रेगुलर फ्लाइट केंसिल हो जाने पर सीएम विष्णुदेव साय चार्टर प्लेन से दिल्ली पहुंचे। उपर से बीएल संतोष, शिवप्रकाश और अजय जामवाल जैसे नेता उनके घर आए...सूबे के सारे सांसदों को जुटा लिया...कवर्धा वाले पाण्डेय जी ने वाकई कमाल कर दिया।

दलित कोटे से मंत्री?

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव कैबिनेट में मंत्रियों के दो पद खाली है और किसी भी दिन शपथ के लिए राजभवन में समारोह आयोजित किया जा सकता है। 12 मंत्रियों के कोटे में एक पद पहले से खाली था और दूसरा बृजमोहन अग्रवाल के सांसद निर्वाचित होने से खाली हुआ है। इसमें सामान्य वर्ग के साथ ही दलित याने सतनामी समुदाय के भी अपने दावे और सियासी दलील हैं। दावे इसलिए क्योंकि कांग्रेस सरकार में सतनामी समुदाय से दो मंत्री रहे...शिव डहरिया और रुद्र गुरू। बीजेपी की चार सरकारों में रमन कैबिनेट 3.0 को छोड़ दें तो तीनों में एक-एक दलित नेता को मंत्री बनाने का मौका मिला। रमन कैबिनेट 3.0 में पुन्नूराम मोहले और दयाल दास बघेल मंत्री रहे। उससे पहले रमन कैबिनेट 1.0 में डॉ0 कृष्णमूर्ति बांधी और 2.0 में पुन्नूराम मोहले मंत्री रहे। फिलवक्त विष्णुदेव साय कैबिनेट में दयालदास बघेल इस समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अब सियासी दलील...। राजनीतिक नफे-नुकसान के हिसाब से देखें तो मंत्रिमंडल में दावेदारी को लेकर दलितों का पलड़ा भारी दिखाई पड़ रहा है। जाहिर है, यूपी, बिहार जैसे दीगर राज्यों के साथ छत्तीसगढ़ में भी बीजेपी का दलित समाज से दुरियां बढ़ी है। एक समय था, जब अनुसूचित जाति का आरक्षण कम होने के बाद भी 2013 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी 10 में से नौ विधानसभा सीटें जीतने में कामयाब हो गई थी। मगर विशुद्ध तौर पर वह मैनेजमेंट का कमाल था। इसके बाद 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को धक्का लगा ही, 2023 के एसेम्बली इलेक्शन में पार्टी चार सीटें जीत पाई। बसपा का गढ़ कहे जाने वाली जांजगीर में बीजेपी को हमेशा तीन-से-चार सीटें मिल जाती थी। इस चुनाव में सभी छह सीटें कांग्रेस ले उड़ी। बलौदा बाजार की घटना के बाद बीजेपी दलित वोट बैंक के छिटकने की आशंका और बढ़ गई होगी। क्योंकि, इसमें आपसी सियासत भी तेज है। सरकार ने गिरौदपुरी की समिति से विजय गुरू को हटाकर गुरू बालदास को नियुक्त कर किया। जानकारों का कहना है कि बलौदा बाजार घटना का बीजारोपण इसी दिन हो गया था। सो, बीजेपी भी चाहेगी कि सतनामी समाज में उसकी पकड़ और मजबूत हो...गुरू बालदास को भी मजबूत किया जाए। ऐसे में, दलित समाज से एक और मंत्री बनाने की अटकलों और दावों को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

रिटायर आईएएस का टोटा

राज्यों में कुछ आयोग ऐसे होते हैं, जिनमें आमतौर पर चीफ सिकरेट्री या इसके समकक्ष पदों से रिटायर आईएएस अधिकारियों को ही बिठाया जाता है। इनमें राज्य निर्वाचन आयुक्त भी शामिल है, जिसमें विष्णुदेव साय सरकार ने रिटायर चीफ सिकरेट्री अजय सिंह को पोस्ट किया है। इसके अलावे शीर्ष पदों से रिटायर होने वाले आईएएस अफसरों से भरे जाने वाले पदों में राजस्व बोर्ड, मुख्य सूचना आयुक्त, राज्य नीति आयोग शामिल हैं। हालांकि, नीति आयोग के उपाध्यक्ष का चार्ज सरकार ने मुख्य सचिव अमिताभ जैन को दिया है। मगर यह टेम्पोरेरी व्यवस्था ही होगी। क्योंकि, चीफ सिकरेट्री के पास वर्क लोड इतना ज्यादा होता है कि उन्हें ज्यादा दिनों के लिए अतिरिक्त प्रभार नहीं दिया जा सकता। राजस्व बोर्ड में उमेश अग्रवाल के रिटायर होने के बाद से चेयरमैन का पद खाली है। रीता शांडिल्य अभी राजस्व बोर्ड का प्रभार देख रही हैं। सरकार के सामने दिक्कत यह है कि सीनियर लेवल के ऐसे अफसर नहीं, जो हाल में रिटायर हुए हो या रिटायर होने वाले हो। यही वजह है कि अधिकांश पद पिछली सरकार के समय से खाली हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त का पद पिछले साल नवंबर में खाली था। राजस्व बोर्ड चेयरमैन, मुख्य सूचना आयुक्त, पीएससी चेयरमैन के पद पिछली सरकार के दौरान ही खाली हुई थी। ये तीनों प्रभार में चल रहा है। यदि यहां अफसर उपलब्ध नहीं हुए तो सरकार को दूसरे राज्यों से आयात करना पड़ेगा।

नीति आयोग में तीसरे सीएस

नीति आयोग में अभी तक तीन चीफ सिकरेट्री उपाध्यक्ष बन चुके हैं। इसमें पहला नाम सुनील कुमार का आता है। 2014 में सीएस से रिटायर होने के बाद रमन सरकार ने उन्हें 2015 में इस आयोग का उपाध्यक्ष बनाया था। सुनील 2015 से लेकर 2018 के विधानसभा चुनाव तक इस पद पर रहे। बीजेपी की पराजय के बाद सुनील ने इस्तीफा दे दिया था। फिर भूपेश बघेल सरकार ने मार्च 2019 में अजय सिंह की जगह सुनील कुजूर को चीफ सिकरेट्री बनाया और अजय को नीति आयोग में पोस्टिंग दी गई। वे 2020 में नीति आयोग से ही आईएएस से रिटायर हुए मगर उपाध्यक्ष का पद उनका बरकरार रहा। पिछले हफ्ते उन्हें राज्य निर्वाचन में शिफ्थ किया गया और अब नीति आयोग का प्रभार चीफ सिकरेट्री को दिया गया है।

डीजी की एक और डीपीसी

डीपीसी ने एडीजी अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता को डीजी बनाने के लिए हरी झंडी दे दिया है। गृह मंत्रालय से फाइल अनुमोदन के लिए सीएम हाउस पहुंच गई है। फाइल गृह मंत्रालय में 15 दिन पड़ी रही और सीएम हाउस से खासतौर से बुलवाया गया है, इसलिए अब नहीं लगता कि इसमें विलंब होगा। दोनों अफसरों को डीजी बनाए जाने का आदेश कभी भी जारी हो सकता है। जांच की वजह से पवनदेव का लिफाफा बंद हो गया किन्तु उनका पद समाप्त नहीं किया गया है। याने उनके डीजी बनने की उम्मीदें खतम नहीं हुई है। बहरहाल, कोई व्यवधान नहीं आया तो अगस्त में डीजी के एक पद की डीपीसी और होगी। असल में, डीजीपी अशोक जुनेजा महीने भर बाद 4 अगस्त की शाम रिटायर हो जाएंगे। उसके बाद डीजी का एक पद वैकेंट हो जाएगा। इसके लिए 94 बैच के आईपीएस एसआरपी कल्लूरी दावेदार होंगे। इस बैच में तीन आईपीएस हैं। चूकि हिमांशु गुप्ता का रास्ता क्लियर हो गया है। हिमांशु के बाद जीपी सिंह आते हैं। जीपी की सेवा फिर से बहाल करने फाइल भारत सरकार गई है। उनके बाद कल्लूरी का नंबर है। अगर डीपीसी हुई तो फिर कल्लूरी को परिस्थितियों का लाभ मिल सकता है। मगर जीपी सिंह की सभी फाइले वंदे भारत के स्पीड से दौड़ गईं तो फिर कंपीटिशिन टफ हो जाएगा।

सांप गुजरने के बाद लकीर पीटना

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार पर मंथन करने पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोईली को छत्तीसगढ़ भेजा है। चार दिन के दौरे में वे रायपुर के बाद आज बिलासपुर में हैं...फिर बस्तर जाएंगे। उनके दौरे पर कांग्रेस नेता ही तंज कस रहे हैं...काश पार्टी ने विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ की सुध ले लिया होता, तो ये दिन नहीं देखने पड़ते। दरअसल, सूबे के सारे नेता आपस में ही एक-दूसरे को निबटाने में लगे रहे। पहले अपनो को टिकिट दिलाने और टिकिट न मिलने पर सामने वाले को हराने में ताकत झोंक दिया। रायपुर में डॉ0 राकेश गुप्ता का टिकिट काटने से बड़ा प्रमाण क्या होगा। उन्होंने चुनाव प्रचार शुरू कर दिया था। मगर पार्टी नेताओं ने किसी फर्जी एजेंसी के सर्वे के बहाने उनका टिकिट काट दिया। दर्जन भर से अधिक मामले ऐसे हुए, जिसे पार्टी संज्ञान लेकर उपयुक्त प्रत्याशियों को मैदान में उतार चुनाव का सीन बदल सकती थी। मगर पार्टी के जिम्मेदार लोग खुद ही गुटबाजी के दलदल में फंसे रहे। ऐसे में, सूबे के कांग्रेस नेताओं का यह कहना गलत नहीं है कि सांप गुजरने के बाद पार्टी अब दिखावे के लिए लकीर पीट रही है।

विलपावर बरकरार

मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बृजमोहन अग्रवाल का पावर निश्चित तौर पर घट गया है मगर उनका विल पावर और सियासत में अपनी जगह बनाने का माद्दा कायम है। दिल्ली में पहली बार बीजेपी के सांसद नेशनल मीडिया पर नारे लगाते दिखे। दरअसल, स्पीकर के चुनाव के बाद लोकसभा में आपातकाल के खिलाफ संकल्प आया और इसके बाद इमरजेंसी का जिन्न एक बार फिर से जाग उठा। कुछ देर बाद बृजमोहन अग्रवाल टॉप के टीवी चैनलों पर आपातकाल के खिलाफ नारेबाजी करते नजर आए। उनके साथ में केंद्रीय राज्यमंत्री समेत पार्टी के सभी सांसद थे। दरअसल, स्टूडेंट पॉलिटिक्स से सियासत में आए बृजमोहन को पता है कि मीडिया में क्या बिकता है और कैसे अवसरों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या एसीएस सुब्रत साहू का प्रशासन अकादमी का वनवास खतम होगा...सरकार उन्हें कुछ कामकाज वाला विभाग देने जा रही है?

2. छत्तीसगढ़ के एक डीजी पुलिस का नाम बताइये, जिन्हें रिटायरमेंट के बाद एक केस में सस्पेंड होना पड़ा।

ऐसे पांच नवनिर्वाचित सांसद जिनके शपथ लेने में लगे हैं अड़ंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत नवनिर्वाचित सांसदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाने से हुई। इस दौरान अमूमन अधिकांश सांसदों ने शपथ ली लेकिन सात सांसद ऐसे रह गए थे जो शपथ नहीं ले पाए थे।

हालांकि स्पीकर पद के चुनाव के लिए वोट विभाजन नहीं हुआ, अगर ऐसा होता तो नियमों के मुताबिक़, ये सांसद इसमें भाग नहीं ले पाते। हालांकि इनमें से पश्चिम बंगाल की घाटल सीट से जीते दीपक अधिकारी और केरल की तिरुअनंतपुरम से निर्वाचित होकर सांसद बने शशि थरूर ने पद और गोपनीयता की शपथ ली।

निर्वाचन के 60 दिन बाद सीट खाली मानी जाती है

संविधान के अनुसार, अगर कोई सांसद 60 दिन तक संसद में उपस्थिति दर्ज नहीं करता है तो उसकी सीट को खाली मान लिया जाएगा। अतीत में यही आधार बनाकर कोर्ट ने जेल में रहते हुए सांसद को शपथ ग्रहण की इजाज़त दी है। हालांकि चुनाव आयोग के नतीजे आने के साथ ही सांसदों को सैलरी और अन्य सुविधाएं मिलनी शुरू हो जाती हैं लेकिन जब तक वो ससंद में शपथ नहीं लेते वे कार्यवाही में भाग नहीं सकते।

अमृतपाल सिंह

कथित ख़ालिस्तानी समर्थक और 'वारिस पंजाब दे' प्रमुख वर्तमान में एनएसए के तहत जेल में बंद अमृतपाल सिंह पंजाब की खडूर साहिब सीट से निर्दलीय निर्वाचित हुए हैं। इसी साल उनपर एक साल के लिए एनएसए बढ़ा दिया गया है। हालांकि शपथ ग्रहण के लिए अंतरिम ज़मानत पाने के वो हक़दार हैं लेकिन एनएसए के चलते उन्हें ज़मानत के लिए विशेष अपील करनी होगी।

शेख़ नुरुल इस्लाम

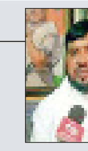

शेख़ नुरुल इस्लाम ने पश्चिम बंगाल की बशीरहाट सीट से जीत दर्ज की है। टीएमसी के एक नेता ने बताया कि 'व्यक्तिगत व्यस्तता के चलते वो शपथ ग्रहण में नहीं पहुंचे और जल्द ही शपथ लेंगे। बशीरहाट सीट के अंतर्गत ही संदेशखाली इलाक़ा आता है जहां महिलाओं के उत्पीड़न का मामला चर्चा में आया था।

अफ़ज़ाल अंसारी

उत्तर प्रदेश की ग़ाज़ीपुर से दोबारा जीत कर सांसद बनने वाले अफ़ज़ाल अंसारी को पिछले साल गैंगेस्टर एक्ट के एक मामले में चार साल की सज़ा हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने ये शर्त तय की है कि वो हाईकोर्ट में फ़ैसला न होने तक संसद की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। अगले माह सुनवाई के बाद अगर राहत मिलती है तभी शपथ ले पाएंगे।

इंजीनियर रशीद

'आतंकवाद की फ़ंडिंग' के आरोप में यूएपीए के तहत साल 2019 में गिरफ़्तार होकर वर्तमान में तिहाड़ जेल में निरुद्ध अब्दुल रशीद शेख़ उर्फ़ इंजीनियर रशीद ने जेल से चुनाव लड़कर कश्मीर की बारामुला सीट से चुनाव जीता है। शपथ ग्रहण के लिए इंजीनयर रशीद की ओर से अंतरिम ज़मानत की अर्ज़ी दिल्ली की एक अदालत में दी गई। अगली सुनवाई एक जुलाई को तय की गई है।

शत्रुघ्न सिन्हा

पश्चिम बंगाल की असनसोल सीट से टीएमसी उम्मीदवार के रूप में निर्वाचित हुए शत्रुघ्न सिन्हा अपने बेटी सोनाक्षी सिन्हा के विवाह में व्यस्तता के चलते शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हो सके। टीएमसी नेता के अनुसार, वो जल्द ही संसद की कार्यवाही में भाग लेने पहुंचेंगे और शपथ ग्रहण करेंगे।

ये नेता जेल में रहकर ले चुके हैं शपथ

बीते मार्च में आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह तिहाड़ जेल में बंद थे। राज्यसभा के सांसद के तौर पर शपथ ग्रहण के लिए उन्हें विशेष ज़मानत दी गई थी। पिछली लोकसभा में यूपी के घोसी से निर्वाचित हुए बसपा सांसद अतुल कुमार सिंह रेप के आरोप में जेल में बंद थे उन्हें जनवरी 2020 में कोर्ट से मिली विशेष जमानत मिली और उन्होंने संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में जांच एजेंसी की ताबड़तोड़ कार्रवाई

गुजरात में 7 ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी; पत्रकार गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो का एक्शन जारी है। शनिवार को टीम ने झारखंड में एक पत्रकार को गिरफ्तार किया है। एक दिन पहले ही हजारीबाग से ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल की गिरफ्तारी हुई थी। उनकी कॉल डिटेल में पत्रकार का नाम सामने आया है, जिसके बाद उसे भी पकड़ लिया गया।

उधर, गुजरात के अहमदाबाद और गोधरा समेत चार जिलों में सीबीआई टीम ताबड़तोड़ छापेमारी और तलाशी अभियान चला रही है।

पेपर लीक में पत्रकार की भूमिका संदिग्ध

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हजारीबाग से दबोचे गए पत्रकार का नाम जमालुद्दीन है और वह एक हिंदी अखबार के लिए काम करता है। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल प्रिंसिपल एहसानुल हक और वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम को कथित पेपर लीक में उनकी संदिग्ध भूमिका के लिए पकड़ा गया है। इन दोनों आरोपियों की शुक्रवार को गिरफ्तारी हुई थी।

ओएसिस स्कूल को मिली थी जिले की जिम्मेदारी

सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, वाइस प्रिंसिपल आलम को एनटीए के पर्यवेक्षक और ओएसिस स्कूल सेंटर को-ऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके अलावा पेपर लीक से जुड़े हजारीबाग के पांच और संदिग्धों से भी पूछताछ हो रही है। प्रिंसिपल एहसानुल हक 5 मई को एनटीए द्वारा आयोजित नीट परीक्षा के लिए हजारीबाग के डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर थे।

गुजरात में 7 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को टीम ने 7 अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी ली। जांच एजेंसी नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के सिलसिले में गोधरा, अहमदाबाद, खेड़ा और आणंद जिले में कार्रवाई कर रही है। बता दें कि गोधरा पुलिस ने पेपर लीक को लेकर पहले जांच कर एफआईआर दर्ज की है। बता दें कि देश के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित कोर्स में दाखिले के लिए एनटीए नीट-यूजी परीक्षा कराता है। यूपी के पेपर लीक के बाद केंद्र सरकार ने एहतियाती उपाय के तौर पर नीट-पीजी परीक्षा को भी आगे बढ़ा दिया है। सीबीआई टीम नीट-यूजी पेपर लीक मामले में कुछ संदिग्धों को लेकर गुजरात में व्यापक तलाशी अभियान चला रही है।

पहले पटना से हुई थी 2 आरोपियों की गिरफ्तारी

नीट पेपर लीक मामले में जांच एजेंसी ने अब तक बिहार के पटना और झारखंड के हजारीबाग से दो आरोपियों आशुतोष कुमार और मनीष कुमार को दबोचा गया। दोनों पर परीक्षा देने वाले कुछ लोगों को लीक हुए पेपर और आंसर की से उत्तर रटवाने का आरोप है। नीट पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में हंगामा हुआ

सीबीआई ने 23 जून से मामला लिया हाथ में

सीबीआई ने 23 जून को एफआईआर दर्ज करने के बाद सभी राज्यों में पेपर लीक को लेकर दर्ज एफआईआर को टेकओवर किया था। उधर, नीट मुद्दे पर 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। विपक्ष ने पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं को रद्द करने पर तत्काल चर्चा की मांग की है।

मंसूबे पर फिरा पानी, प्यार के चक्कर में सीएचओ और इंजीनियर पहुंचे जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सक्ती

सक्ती के चौपाटी से महिला स्वास्थ्य अधिकारी के अपहरण और 15 लाख फिरौती के मामले में पुलिस ने जहां चंद घंटों के भीतर अपहता को उसके प्रेमी के साथ सकुशल बरामद किया है तो वहीं पूछताछ में पूरी घटना सुनियोजित साजिश साबित हुई। दरअसल महिला स्वास्थ्य अधिकारी अपने प्रेमी को घर वालों की नजर में हीरो साबित करना चाहती थी। इसके लिए उसने प्रेमी के साथ मिलकर खुद के अपहरण और 15 लाख रुपए फिरौती मांगने की साजिश रची थी। वे अपने मंसूबों पर कामयाब होते कि इसके पहले पुलिस उन तक पहुंच गई और पूरे मामले का पर्दाफाश हो गया। दोनों को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

■ प्रेमी को हीरो साबित करने महिला स्वास्थ्य अधिकारी ने रची थी खुद के अपहरण की साजिश

***रात में घरवालों को कराया फिरौती का फोन** : रात्रि करीब 9:38 बजे अनुपमा द्वारा अपने मोबाईल नम्बर से महेन्द्र जांगडे के माध्यम से अपने भाई डेगम्बर को फोन कर 15 लाख की फिरौती की मांग की गई। उन्होंने 28 जून की सुबह 11 बजे तक का समय दिया था। नहीं देने पर अनुपमा को मार देने की धमकी भी दी थी। पुलिस के मुताबिक महिला स्वास्थ्य अधिकारी को मालूम था, कि घरवाले 15 लाख रुपए का इंतजाम नहीं कर पाएंगे और दो दिन के बाद वह अपने प्रेमी महेन्द्र जांगड़े के साथ घर पहुंच जाएगी, तब घरवालों को यह बताएगी कि महेन्द्र ने 15 लाख रुपए देकर उसे अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ाया है, जिससे की घरवालों को यह लगे कि अनुपमा के लिए यही उपयुक्त वर है।*

***भाई को भेजा पानी लाने और हो गई लापता** : पुलिस ने बताया कि अपहृता अनुपमा जलतारे को उसके साथी महेद्र जांगड़े के साथ होटल स्वर्णभूमि देवनंदन नगर सरकंडा बिलासपुर से बरामद किया गया। विवेचना के दौरान पाया गया कि अपहृता अनुपमा जलतारे अपने साथी महेन्द्र जांगडे जो कि एनटीपीसी में ठेका इंजीनियर है के साथ मिलकर खुद के अपहरण की साजिश रची थी। पुलिस ने बताया कि अनुपमा ने 27 जून को लगातार मोबाईल से बात करके षडयंत्र पूर्वक महेन्द्र जांगडे को कोरबा से चौपाटी सक्ती के पास बुलाया। इसके बाद अपने छोटे भाई कालेश्वर को ठण्डा पानी लाने के बहाने भेज दी। जब भाई वापस आया तो वह नहीं थी। उसके भाई द्वारा फोन लगाने पर फोन को फ्लाइट मोड में करके महेन्द्र जांगडे के साथ उसकी बाइक टीवीएस अपाचे में बैठकर बाराद्वार होते हुये बिलासपुर चली गई।*

कोर्ट को मंदिर और जजों को भगवान कहना बेहद खतरनाक, वे जनता के सेवक

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने जजों की तुलना भगवान से करने पर बड़ी बात कही है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा है कि कोर्ट की मंदिर से और जजों की तुलना भगवान से करना बेहद खतरनाक है। जजों का काम लोगों के हितों की रक्षा करना है। सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका के कामकाज में तकनीक का इस्तेमाल होना चाहिए। आम लोगों में कोर्ट के आदेशों को समझने में भाषा सबसे बड़ी बाधा है। तकनीक हमें इस बात का समाधान दे सकता है।

कोर्ट के ज्यादातर आदेश अंग्रेजी में लिखे होते हैं। तकनीक ने हमें कोर्ट ऑर्डर को ट्रांसलेट करने में मदद की है। हम करीब 51, 000 हजार ऑर्डर को दूसरी भाषाओं में ट्रांसलेट कर रहे हैं। सीजेआई ने कोलकाता में नेशनल ज्युडिशियल एकेडमी के रिजनल कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही।

■ सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ बोले

खुद को मंदिर का देवता समझना गंभीर जोखिम

सीजेआई ने कहा कि अक्सर हमें, योर ऑनर, लॉर्डशिप, लेडीशिप कहकर बुलाया जाता है। लोगों का कोर्ट को इंसाफ का मंदिर बताना बेहद खतरनाक है। अगर हम खुद को मंदिर के देवताओं को समझने लगे तो यह यह एक बेहद गंभीर जोखिम होगा। सीजेआई ने कहा कि जब भी कोर्ट रूप को न्याय का मंदिर कहा जाता है तो मैं संकोच महसूस करता हूं। क्योंकि इससे ऐसा लगता है कि जज कोर्ट के भगवान हैं। सीजेआई ने कहा कि संविधान में कहीं भी 'संवैधानिक नैतिकता' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया। संविधान में सिर्फ इसके लिए नैतिकता शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए संजय झा

नई दिल्ली। सांसद संजय झा जनता दल (यू) के कार्यकारी अध्यक्ष बनाये गये हैं। बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की पार्टी ने यह बडा फैसला लिया है। राज्यसभा सांसद और जदयू संसदीय दल के नेता संजय झा को यह अहम पद देकर पार्टी ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर काम के दबाव को कम करने का कदम उठाया है।

नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में हुई जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव खुद सीएम नीतीश कुमार ने पेश किया।

कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संजय झा को बधाई दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के सभी शीर्ष नेता मौजूद रहे। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए।

मणिपुर में सियासी हलचल 7 विधायक दिल्ली पहुंचे

■ मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के इस्तीफे की अटकलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मणिपुर में बीते कई महीनों से जारी हिंसा के बीच अब सियासी हलचल भी होने लगी है। राज्य के कम से कम 7 विधायकों ने दिल्ली में डेरा डाल लिया है, जिसके बाद अटकलें हैं कि राज्य की कमान मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की जगह किसी दूसरे शख्स को दी जा सकती है। हालांकि, सिंह ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा है कि कुछ लोग स्वार्थों के चलते ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं।

हिंसा के समाधान के लिए बनाया दबाव- रिपोर्ट

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा और उसकी सहयोगी नागा पीपुल्स फ्रंट के 7 विधायक दिल्ली पहुंचे हैं। इन लोगों ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व पर हिंसा के समाधान के लिए दबाव बनाया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा कि कई विधायकों ने मणिपुर हिंसा से निपटने के तरीके पर असंतोष व्यक्त किया और जनता से महसूस किए जा रहे दबाव से केंद्रीय नेतृत्व को अवगत कराया।

मामले पर मुख्यमंत्री ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री सिंह ने सियासी बदलाव की अटकलों को खारिज किया। उन्होंने कहा, ऐसी अफवाह फैलाई जा रही है कि विधायक केंद्रीय नेतृत्व से मेरा इस्तीफा मांगने गए हैं। इन बातों में कोई सच्चाई नहीं है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री किसी भी चुनौती से निपटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। 'सद सत्र चल रहा है, इस कारण हम सभी नहीं जा सकते। बाद में हम दिल्ली जाएंगे और राज्य में शांति के लिए दबाव बनाएंगे।

27 जून को हुई थी विधायकों की बैठक

बता दें कि 27 जून को मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी एनडीए विधायकों के साथ बैठक की थी। बैठक में मौजूद एक भाजपा विधायक ने कहा, 14 महीनों से कोई सामान्य स्थिति नहीं रही है और लोगों के दिलों में जो है, वह लोकसभा चुनाव के नतीजों में झलक रहा है। लोग हमसे खुश नहीं हैं। सभी विधायक इसे महसूस कर रहे हैं। दिल्ली की पिछली यात्राओं में केंद्र से उचित प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

***विधायकों ने क्या कहा?:** दिल्ली पहुंचे भाजपा विधायक के इबोमचा सिंह ने कहा कि विधायक केंद्रीय नेतृत्व से शिष्टाचार भेंट के लिए आए हैं। उन्होंने कहा, हमने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एनडीए विधायकों की बैठक की थी, जिसमें प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और अन्य वरिष्ठ नेताओं से मिलकर राज्य में समस्या का सम्मानजनक समाधान के लिए अनुरोध करने का निर्णय लिया।*

बेटे की शादी के पहले गरीब जोड़ों की शादी कराएगा अंबानी परिवार

एजेंसी ▶▶| मुंबई

देश के सबसे अमीर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी की तैयारियां शुरू हो गई हैं। अनंत और राधिका मर्चेंट की शादी 12 जुलाई को मुंबई में होने वाली है। इस शादी में देश-विदेश से नामचीन लोग शिरकत करने वाले हैं। इसी बीच अंबानी परिवार ने एक नेक काम करने का फैसला किया है।

गरीबों की शादी कराएगा अंबानी परिवार

अनंत और राधिका की शादी से 10 दिन पहले अंबानी परिवार गरीब व निचले तबके के लोगों का सामूहिक विवाह कराएगा। वंचितों के लिए सामूहिक शादी समारोह का ये कार्यक्रम महाराष्ट्र के पालघर में आयोजित होने वाला है। इस आयोजन को लेकर अंबानी परिवार की ओर से एक कार्ड भी जारी किया गया है।

1 से 5 लाख तक की दी जाएंगी साड़ियां

उधर अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के लिए काशी में बुनकरों को बनारसी साड़ियों के लगातार ऑर्डर दिए जा रहे हैं। शादी में बनारस की खास साड़ियों को मंगाया गया है। इन साड़ियों को सोने और चांदी की जरी से तैयार किया जा रहा है। इन साड़ियों की कीमत 1 लाख रुपए से 5 लाख रुपए तक है। खबर है कि इन साड़ियों का ऑर्डर 2 जुलाई को होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए दिया गया है।

जारी किया कार्ड

अंबानी परिवार द्वारा शेयर किए गए इस कार्ड में लिखा है- अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग समारोह के हिस्से के रूप में, 2 जुलाई को शाम 4:30 बजे पालघर के स्वामी विवेकानंद विद्यामंदिर में गरीब व वंचितों के सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। कार्ड में ये भी बताया गया है कि इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी शामिल होंगे। इसके अलावा अंबानी परिवार के अन्य सदस्य भी समारोह का हिस्सा बनेंगे और दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देंगे।

दो बाइक में भिड़ंत, छात्र की दर्दनाक मौत, दो घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मोहला

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में लगातार सड़क हादसे में जा रही युवाओं के जान के बीच राजनांदगांव-चंद्रपुर हाईवे में शुक्रवार देर शाम मोहला थाना क्षेत्र के जबकसा मोड़ मे दो बाइक सवारों का आपस में भिड़ंत हो गया। इस हादसे में एक नाबालिग स्कूली छात्र की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक नाबालिग सहित दूसरा मोटर साइकिल सावर युवक जिंदगी और मौत के बीच में है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक छात्र समीर कुमार सलामे पिता टीकेंद्र सलामे 17 वर्ष ग्राम ढोकला निवासी तथा सहपाठी दोस्त जीवन बोगा पिता रामसिंग बोगा 17 वर्ष निवासी पाटनख्वास तहसील मोहला एक साथ मोटर साइकिल में सवार थे। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ओमप्रकाश लेड़िया पिता लोमन लेड़िया 23 वर्ष निवासी चापाटोला तहसील मोहला निवासी युवक तेज रफ्तार में हाईवे में सफर कर रहे थे। अचानक जबकसा मोड़ में दोनों बाइक सवारों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस घटना में घटनास्थल पर ही समीर कुमार की मौत हो गई। वहीं दोनों गंभीर रूप से घायल युवकों को आनन-फानन में सड़क से उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला लाया गया, जहां स्थिति नाजुक होने पर दोनों को मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रेफर किया गया है। दोनों क्षतिग्रस्त बाइक को पुलिस ने जब्त करते मर्ग कायम किया है।

मामले की जांच की जा रही

एक छात्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दो युवकों को मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव में भर्ती कराया गया है। मर्ग कायम कर आगे की जांच की जा रही है।
- दिलीप कुमार धुर्वे, एएसआई

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
- लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
- जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
- जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
- ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
- गायनेकोलॉजी

अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
मो. 9039050422
मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc.	2 Years

Paramedical Course
Lab tech, OT tech,X-Ray tech & Ortho tech-30 Seats Each Course

Pharmacy Course	Duration
D Pharmacy	2 Years

Eligibility- B.Sc. Nursing-Biology (PBCE), P.B.B.Sc. Nursing-GNM Pass
M.Sc. Nursing-BSc.,P.B.B.Sc. Pass,
Paramedical Course - 12th pass (Bio)
Pharmarcy - 12th pass , Maths, Bio
HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS
क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल एवं 150 सीटो का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु : 7694016816, 6266631615
पैरामेडिकल एंड फार्मसी प्रवेश हेतु 9691825978, 8435018884

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- रायपुर लिमिटेड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहना,खाना,फ्री,वेतन 10000 से 15000 MO. **8109070600, 7869230888.**(RO-6278)

टीचर

आवश्यकता है- अश्वनी नगर स्कूल में- हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम 11वीं-12वीं भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान, एकाउंट, 6वीं-10वीं विज्ञान और सत्तीबाजार स्कूल में लेडी प्रिंसीपल, एसएसटी, इंग्लिश, मैथ्स, कम्प्यूटर, 5वीं सभी विषय शिक्षक/ शिक्षिकाओं, चपरासी की आवश्यकता। **साक्षात्कार 02.07.2024, प्रातः 10बजे- 1बजे तक,रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, अश्वनी नगर, 07712241548.**(RO-7494)

आवश्यकता है- इंग्लिश मीडियम स्कूल तेलीबांधा रायपुर में कक्षा पहली से आठवी तक के लिए महिला शिक्षिकाओ की आवश्यकता है । **गणित, विज्ञानं, अंगेजी विषय पढ़ाने वालो को प्राथमिकता संपर्क- 9522223395** ईमेल- abhisheksingh982@gmail.com (RO-A)

क्लासीफाईड

कारीगर

आवश्यकता है- बैग कारखाना में सिलाई करने वाले कारीगरों की आवश्यकता है। **पता - सुन्दर नगर,** VLM **स्कूल के पास मो. 9300854343, 7999455989.** (RO-6300)

सेल्स कार्य

आवश्यकता है- सिम्फनी कूलर मे टेक्नीकल लड़को की सर्विस एवं सेल्स कार्य हेतु एवं 1 युवती की आवश्यकता है जीनको कंप्यूटर का अनुभव हो वेतन 20000 /- **श्री साई इंटरप्राइजेज रायपुर 9300006401, 8319443353.** (RO-3997)

बाईंडर

आवश्यकता है- रायपुर, गुढ़यारी प्रिंटिंग प्रेस में कार्य करने हेतु कुशल बाईंडर की आवश्यकता है। जो बहारी कार्य भी कर सके । प्रिंटिंग प्रेस में कार्य अनुभव को प्राथमिकता **सम्पर्क मों 9425209840, 7999572160, 9425515540.** (RO-4375)

टेक्नीशियन

आवश्यकता है- फील्ड वर्क के लिए (साउंड सिस्टम वीडियो स्क्रीन) टेक्नीशियन 12वीं पास ITI पास फ्रेशर/ अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। रहने की व्यवस्था दी जाएगी सैलरी पांच अंक में। **संपर्क यश एल.ई.डी. टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड कचना रायपुर मों. - 7773009704.**(RO-6003)

सेल्स मैनेजर

आवश्यकता है- प्लास्टिक पैकेजिंग फैक्ट्री में निम्न पदों हेतु RSM रीजनल सेल्स मैनेजर 1, ASM एरिया सेल्स मैनेजर 2, RS सेल्स रिप्रेजेंटेटिव 2, **संपर्क, ख्याति पेट इंडस्ट्रीज प्राईवेट, लिमिटेड 9A, भानपुरी इंडसट्रियल एरिया रायपुर 9301777359 (WHATSAPP)** Mail id- petkhyati@gmail.com(RO-4432)

आवश्यकता

आवश्यकता है- दवा कंपनी में कार्य करने हेतु 8वीं/10वी, पढ़े लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार मिलने का समय शाम 6से 7 **संपर्क- डॉ.एच.सी.अग्रवाल स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राईट फनिर्चर के पीछे स्टेशन रोड दुर्ग मो.-94255-55659.**(आरो न.-6350)

आवश्यकता है- हेल्थ सेक्टर में करियर बनाएं , 8/10/12 वी फेल लड़के / लड़कियां ना हो निराश मेडिहब्स होम हेल्थ केयर से जुड़ कर कमाएं 8000 से 25000 प्रतिमाह + रहना फ्री रजिस्ट्रेशन हेतु **संपर्क करें ऑफिस रायपुर : 7772011223.** (RO-3919)

पेट्रोल कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल भरने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें मों.- 9755511100.**(RO-7357)

ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- ऑफिस बॉय- ऑफिस व फील्ड के कार्य करने में सक्षम व्यक्ति की आवश्यकता है। रायपुर निवासी व स्वयं का वाहन होना अनिवार्य उम्र 30 वर्ष से कम **संपर्क- 88398-12454.**(RO-1221)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्रायवर चाहिए अनुभवी नशा मुक्त, रहने खाने की सुविधा। **संपर्क करें:- जैन गर्ल्स हास्टल, पचपेड़ी नाका, रायपुर- 9425206595.**(RO-7356)

गोडाऊन/ड्रायवर

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन एवं कम्पुटर पर कार्य करने हेतु लडके एवम टाटा एस चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है । **सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढियारी, रायपुर फोन 07714092158.** (RO-137)

छोटा विज्ञापन

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- टैक्टर शोरूम में (सम्पूर्ण छत्तीसगढ़) ग्रामीण क्षेत्र हेतु मार्केटिंग हेतु सेल्समैन/ सेल्सगर्ल की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 20,000/- से 25,000/- तक। **सम्पर्कः- समय सुबह 9 से शाम 6 बजे तक। महालक्ष्मी ट्रैक्टर्स, मैग्नेटो मॉल, 3rd फ्लोर, शॉप नं- SO-12, रायपुर- 7389669576, 7067812108, 8770395645.** (RO-832)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- गिफ्ट दुकान में काम करने लड़को की आवश्यकता है। वेतन-9000/- महीना । **संपर्कः-सम्राट ट्रेडर्स इंदिरा चौक रामनगर सुपेला भिलाई मो.- 94241-08246, 93024-19220.** (आरो न.-517)

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़को की आवश्कता हैं,आकर्षक वेतन । **संपर्क - समय 12 से 7 बजे । पूजा साड़ी,महालक्ष्मी क्लॉथ मार्केट,पंडरी,रायपुर ।** (RO-134)

टेलीकॉलर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- श्री राम मोटर्स गुढ़ियारी रायपुर टेलीकॉलर 3- पद, सेल्स एग्जीक्यूटिव 5- पद, कंप्यूटर ऑपरेटर 2- पद अनुभव ही **संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 7748992655.**(RO-2852)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक क्लीनिक में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़िकया/ पुरूष/महिला जरूरत **संपर्कः- डॉ.अग्रवाल गुरूद्वारा स्टेशन रोड दुर्ग मोहन नगर थाना के सामने मो.-98271-99213** (आरो न.-522)

मैनेजर/एकाउंटेंट

आवश्यकता है- सेल्स मैनेजर सिनियर- 4, ऑटोमोबाइल अनुभवी सेल्स एक्जीक्यूटिव- 4, एकाउंटेंट अनुभवी– 2, ड्राइवर (आटोमेटिक -2 गाड़ी हेतू, घरेलू) प्यून (सुपरवाइजर) - 2, गार्ड (चौकीदार) 3, कुक घरेलू महिला -2 घर सफाई महिला -2 अच्छे लोगों को रहने रूम दी जायेगी सभी **कागजात लेकर मिलें हीरापुर टाटीबंध रायपुर** W / a **6266919200.**(RO-2848)

हरिभूमि क्लासीफाईड

वेल्डर

आवश्यकता है- सपना इंडस्ट्रीज में ट्रैक्टर ट्राली बनाने हेतु वेल्डर की जरूरत है अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी पद-2, **रिंग रोड नं. 1 भाटागांव चौक के पास रायपुर संपर्क करें- 94252-08090.** (RO-6297)

टेक्निकल आपरेटर

आवश्यकता है- कम्प्यूटर में डिजिटल मार्केटिंग का कार्य करने के लिए कम्प्यूटर टेक्निकल आपरेटर की, कार्य का अनुभव रखने वाले युवक युवती संपर्क करें। **मो. नं:- 99779-99171, 96179-11711**(आरो न.-521)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- श्रृंगारिका सेक्टर-6,A मार्केट भिलाई में सेल्सगर्ल/सेल्समेन की शीध्र आवश्यकता है। चुड़ी बेचने के अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क करें मो.-99813-82359, 78060-33078.**(आरो न.-523)

वाडर्न

आवश्यकता है- गर्ल्स हॉस्टल मे कार्य करने हेतु 2 से 3वर्ष अनुभवी महिला वार्डन की जिसे अंग्रेजी व कंप्यूटर का बेसिक ज्ञान हो **संपर्कः- आशीर्वाद गर्ल्स हॉस्टल (समय- सुबह 9 से 7) 9171369000, 9827999244.** (RO-2857)

घरेलु/कुक कार्य

आवश्यकता है- बैरन बाजार में घरेलु कार्य हेतु महिला/युवती पार्ट टाइम / फुल टाइम आकर्षक वेतन **सम्पर्क 7354354446.**(RO-A)

आवश्यकता है- देवेंद्र नगर सेक्टर- 5 E/176 में खाना बनाने हेतु अनुभवी तलाकशुदा महिला कुक चाहिए रहने खाने की व्यवस्था है। **मोबाइल- 9826136230.**(RO-6295)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य, खाना बनाना ऑफिस में टेली कॉलिंग हेतु लड़की /महिला चाहिए खाना रहना फ्री पार्ट /फुल टाइम **पता:- गोकुल टावर गुढ़ियारी रायपुर 9039321951.** (RO-2855)

आवश्यकता है- सेक्टर-3 (जनता) देवेन्द्र नगर, रायपुर में दिन में सुबह 10 से शाम 7 बजे तक घरेलू काम करने के लिये एक लड़की/ महिला की जरूरत है **सम्पर्क करें 7327097200** (RO-34602)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

मैकेनिकल इंजीनियर

आवश्यकता है- तिरुपति ट्रेडविंग प्रा. लि. B-05, सेक्टर- 05, नियर राम जानकी मंदिर देवेंद्र नगर रायपुर हेतु पशु आहार फिश फीड मशीन कार्य हेतु मैकेनिकल इंजीनियर की आवश्यकता है । **संपर्क- सजी पिल्लई 9098168530.** (RO-1709)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- अहिरवारा रोड ढाबा गांव के पास स्थित फैक्ट्री के लिए वेल्डर एवं हेल्पर की आवश्यकता है. **संपर्क 9977454909.** (RO-12768)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के, लड़कियों , गृहणियां कमाए (18000-55000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Name, Address, Qualification Call/ SMS/ WhatsApp/ **करें - 07903284986.**(RO-275)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग बायपास टोल प्लाजा से लगा हुआ सर्वसुविधायुक्त प्लॉट, जहां पर 30फीट 40फीट रोड उपलब्ध है, आप यहां पर तुरंत घर बना सकते हैं यहां पर 90%बैंक फाइनेंस की भी सुविधा उपलब्ध है। **संपर्क - 72470-06610, 72470-06609.** (आरो न.-6352)

क्लासीफाईड

प्लॉट बेचना है - 5610 वर्गफीट रेसिडेंशियल प्लाट लोकेशन प्रोफेसर कालोनी रायपुर शीघ्र बेचना हैं **संपर्क करें** Mob. **9689061200, 9970384457.**(RO-A)

मकान

मकान बेचना है - मकान बेचना है बिरगांव वार्ड क्र. 36 में 1320 वर्गफीट निर्मित सर्वसुविधायुक्त मकान बेचना है। तथा हीरापुर RDA कालोनी ग्राउंड फ्लोर में 1 BHIK मकान बेचना है। **सम्पर्क मोबाइल :- 8889909998, 7725800885.**(RO-2858)

मकान बेचना है- साकेत विहार, चंगोराभाटा में 700 स्क्वायरफीट जमीन पर बना नवनिर्मित नक्शा पास 2BHK डुप्लेक्स मकान बेचना है फायनेंस सुविधा उपलब्ध **संपर्क 9827213045.** (RO-6002)

मकान बेचना है - रायपुर महादेवघाट के पास, अम्लेश्वर, ग्रीन अर्थ कॉलोनी में तुलिप 01, फ्लैट न.102, ग्राउन्ड फ्लूर में 3 बी एच के मकान बेचना है **संपर्क करें:- मो. 6261717578.**(आरो नं.-6353)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - लोन ही लोन Bajaaja finance द्वारा पर्सनल लोन, प्रॉपर्टी लोन, आधार लोन, घर बैठे आसान किस्तों में प्राप्त करे 2% ब्याज 30% छूट धोखेबाजों से सावधान किसानों को विशेष छूट **हेल्पलाइन नंबर:- 09821683601, 09319112391.**(RO-2854)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Healthcare

सोरियासिस (Psoriasis)
सोरायसिस रोग एक लाईलाज बीमारी को किसी तरह अपनी मर्जी से कोई चुटकुले दवा या मोबाइल देखकर खुद ईलाज ना करे। क्योकि यह वात, पित्त, कफ, किसी एक विकृति के कारण यह रोग होता है। आप कैसे जानेंगे कि किस विकृति से रोग हुआ हैं। परंतु कारण को जाने बिना स्टेराइड इत्यादि दवा से इसे दबाने की कोशिश करते हैं जो रोग बाद में जिद्दी एवं पुराना हो जाता है। यह आटो इम्यून डिसआर्डर रोग है। सोरियासिस लाईलाज एक जटिल रोग है इसकी चिकित्सा केवल आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूसरी चिकित्सा हैं ही नहीं। इसमे वायरस बैक्टीरिया दोनों नहीं होते । इसलिये यह छूत की बीमारी भी नहीं है। सिर मे रुंसी का भ्रम, शरीर में तांबे रंग के पपड़ीयुक्त छिलकेनुमा छाले, दाग, नाखूनो का सड़ना उंगलियों का टेढ़ा होना, जोड़ो में सूजन-दर्द, अकड़न होकर रोगी अपंग हो जाता है। यह सोरियासिस के गंभीर लक्षण है। इसमे कोई चमड़ी रोग नाशक दवा या इस्टेराईड एवं पंचकर्म क्रिया से रोग नहीं जाता दब जाता है इससे कईयों के लीवर एवं किडनी खराब हो गये यदि समस्त लाईलाज चमड़ी रोगों से परेशान हो तो मिलें।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लीनिक
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
भारत चिकित्सा रत्न व राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मान पुरुस्कार, नेशनल एवार्ड से सम्मानित
9425555659, 9617789223
डॉ. वी. के. अग्रवाल (बीएएमएस) (आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ) रजि. 00255) 9303948500
निशांत अग्रवाल(फार्मासाईटिस्ट) 9303242200
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग (छत्तीसगढ़)समय - शाम 4 से 7 बजे।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

सब कुछ है यहां
पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
या आपको तलाश है... एक अच्छी बहु की...
तो हमसे जुड़िए...
हरिभूमि वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
बंगाली साहा, नवम्बर 1993, 5 फीट 3इंच, बीकॉम पास शुद्ध शाकाहारी गृह कार्य में दक्ष कन्या हेतु वर चाहिए मध्यमवर्गीय परिवार हेतु। (मैरिज ब्यरो क्षमा करें)
संपर्क करें- 7240885970

वर चाहिए

वर चाहिए
अनमैरिड अकेली सुन्दर महिला हेतु 01/03/1978 हाईट 5'-2" एमए, बीए/ हार्डवेयर बिजनेस/ अच्छी इनकम सभी जरूरतमंद मान्य है जाति बंधन नहीं।
अतिशीघ्र संपर्क करें
7440917990
7440917990

वधु चाहिए

वधु चाहिए
28 वर्ष, 5'-7" BE (Civil) MA (English), B.Ed. स्वयं का मकान, 5 एकड़ कृषि भूमि तथा स्वयं का व्यवसाय बंगाली ब्राह्मण वर हेतु शिक्षित कन्या चाहिए, जाति बंधन नहीं कोरबा, बिलासपुर वाले को प्राथमिकता कृपया ब्यूरो वाले क्षमा करें।
संपर्क करें- 7805909181 7999567623

वधु चाहिए

वधु चाहिए
28 वर्ष, 6 फीट इंजीनियर एमबीए एनएमसी पुणे में कार्यरत 150000 प्रतिमाह वेतन प्राप्त सोनी युवक हेतु एम.सी.ए इंजीनियर एमबीए सोनी वधु चाहिए
संपर्क करें- 9893727585

कतर से मिराज 2000 लेने के लिए भारत कर रहा बात

तुर्की और ताइवान के एफ-16 को मात दे चुका है मिराज फाइटर जेट

भारत ने कतर से 12 मिराज लड़ाकू विमानों की पेशकश की, अगर सौदा होता है तो भारत के पास मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी

एजेंसी ▶▶ दोहा

हाल ही में कतर ने भारत को एक दर्जन मिराज 2000 फाइटर जेट देने की पेशकश की है। मिराज लड़ाकू विमानों ने कारगिल युद्ध और बालाकोट एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। कतर की पेशकश ऐसे समय में आई है, जब भारतीय वायु सेना विमानों की कमी को भरने के लिए प्रयासरत है। बीते 21 जून को कतर के एक प्रतिनिधिमंडल ने विमानों की बिक्री को लेकर दिल्ली में भारतीय रक्षा अधिकारियों के साथ चर्चा की। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, कतर ने 5000 करोड़ रुपए (600 मिलियन डॉलर) में 12 मिराज 2000 विमानों की पेशकश कर रहा है, जबकि भारत उन्हें अधिक उचित मूल्य पर प्राप्त करने के लिए इच्छुक है।

अभ्यास में भारी पड़ा था मिराज-2000

ताइवान मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2023 में फ्रांसीसी और ताइवानी वायु सेनाओं के बीच ताइवान के हुआलिएन में चियाशान वायु सेना बेस पर संयुक्त अभ्यास हुआ था। इस अभ्यास का उद्देश्य ताइवानी मिराज 2000 और एफ-16 व्ही लड़ाकू पायलटों की हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना था। इस अभ्यास के आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए क्योंकि चार मिराज-2000 ने 5वें टीएफडब्ल्यू के चार एफ-16व्ही को अभ्यास में काल्पनिक रूप से मार गिराया।

मिराज के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स

साल 2021 में एक फ्रांसीसी फर्म के साथ हुए सौदे की बदौलत भारतीय वायुसेना के पास अपने विमानों के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स और उपकरण हैं। ऐसे में अगर कतर से सौदा हो जाता है, तो आईएएफ के बेड़े में मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी। मिराज को चार दशक पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था और यह आज भी मुख्य विमानों में से एक है। राफेल के शामिल होने से पहले तक मिराज-2000 दुश्मन के इलाके में हमला करने के लिए सबसे पसंदीदा और शक्तिशाली भारतीय जेट था। 1985 में शामिल होने के बाद से यह भारत के लिए भरोसेमंद विमान रहा है।

तुर्की के विमान को मिराज ने मार गिराया

8 नवंबर, 1996 को एक ग्रीक मिराज-2000 ने आर 550 मैजिक-2 मिसाइल दागी जिसने चियोस द्वीप के पास विवादित एजियन सागर के ऊपर एक तुर्की एफ-16डी को मार गिराया। तुर्की के दो एफ-16 और चार एफ-4 एजियन सागर के ऊपर शत्रु वायु रक्षा (समुद्र) प्रशिक्षण मिशन पर थे। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर चियोस द्वीप के उत्तर में ग्रीक हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। तुर्की जेट को रोकने के लिए दो ग्रीक मिराज 2000 भेजे गए। आखिरकार, एक ग्रीक मिराज और एक तुर्की एफ-16 के बीच हवाई लड़ाई हुई जिसमें ग्रीक जेट ने कथित तौर पर आर.550 मैजिक-2 मिसाइल से तुर्की के विमान पर हमला किया।

कतर में मिराज ने शानदार प्रदर्शन किया है

भारतीय वायु सेना अपने इस भरोसेमंद लड़ाकू विमान की तारीफ करती रही है। एयर मार्शल आर नांबियार (रिटायर्ड) ने कारगिल युद्ध के दौरान मिराज 2000 से उड़ानें भरी थीं। उन्होंने 2019 में कहा था कि विमान का शामिल होना सटीकता और मारक क्षमता के मामले में भारतीय वायु सेना के लिए एक गेम चेंजर था। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध हो या बालाकोट एयर स्ट्राइक, मिराज 2000 ने देश को हमेशा निर्णायक जीत दिलाई है। भारत ही नहीं, मिराज-2000 के साथ फ्रांस को भी सफलता मिली है। इस विमान ने मिस्र, ग्रीस, ताइवान, पेरू, संयुक्त अरब अमीरात, ब्राजील और कतर में शानदार प्रदर्शन किया है।

मंत्री जयशंकर आज जाएंगे कतर

भारत और कतर के रिश्ते काफी अच्छे हैं

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर आज (30 जून) को कतर की अधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान एस जयशंकर कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासीम अल थानी से मुलाकात करेंगे। बता दें कि भारत और कतर के रिश्ते काफी अच्छे हैं। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने 14-15 फरवरी 2024 को कतर की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने कतर के अमीर एचएच शेख तामीम बिन हमाद अल थानी से मुलाकात की थी। विदेश मंत्री की इस यात्रा में दोनों देशों को हितों को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक, व्यापार, निवेश, उर्जा, सुरक्षा, संस्कृति समेत तमाम मुद्दों पर बात होगी। विदेश मंत्रालय द्वारा इसे लेकर अधिकारिक जानकारी साझा कर दी गई है।

खबर संक्षेप

मानहानि केस में राहुल को कोर्ट में होना होगा पेश

रांची। मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राहुल पर आरोप तय किया जाएगा। रांची के एमपी/ एमएलए कोर्ट ने आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई के लिए 6 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट में बयान दर्ज कराने के लिए राहुल को रांची के एमपी/ एमएलए कोर्ट आना होगा।

शत्रुघन सिन्हा की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा पिछले दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चा में रहीं। उन्होंने जहीर इकबाल के साथ रजिस्टर मैरिज की। बधाइयों और सेलिब्रेशन के बीच बुरी खबर है कि शत्रुघन सिन्हा की तबीयत बिगड़ गई है। वे अस्पताल में एडमिट हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को भी अस्पताल के बाहर स्पॉट किया गया, जिसका वीडियो भी सामने आया था।

लद्दाख के न्योमा-चुशुल इलाके में अभ्यास के दौरान बड़ा हादसा

अचानक आई बाढ़ और नदी में फंसा टैंक, जेसीओ समेत 5 जवान शहीद

एजेंसी ▶▶ लेह

लद्दाख के न्योमा-चुशुल क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास श्योक नदी में शुक्रवार देर रात अचानक आई बाढ़ के कारण टी-72 टैंक पर सवार एक जूनियर कमिशंड ऑफिसर (जेसीओ) समेत पांच सैन्यकर्मी डूब गए।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना यहां से 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास देर रात करीब एक बजे अभ्यास के दौरान हुई। लेह में सेना के पीआरओ ने एक बयान में कहा, 28 जून, 2024 की रात एक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के बाद, पूर्वी लद्दाख के सासेर ब्रांगसा के पास श्योक नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने के कारण सेना का एक टैंक फंस गया। बयान में कहा गया, बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तेज बहाव और अधिक जल स्तर के कारण बचाव अभियान सफल नहीं हो सका और टैंक के चालक दल के सदस्यों की जान चली गई। भारतीय सेना पूर्वी लद्दाख में अभियानगत तैनाती के दौरान पांच बहादुर जवानों की मौत की घटना पर खेद व्यक्त करती है। बचाव अभियान जारी है।

मानसून ने देश के कई इलाकों में दस्तक दे दी। पहली बारिश ने लोगों को राहत दी है, वहीं कहीं-कहीं आफत भी बरस रही है। शनिवार तड़के लद्दाख के न्योमा-चुशुल इलाके में एलएसी के पास अचानक आई बाढ़ के कारण टैंक के डूबने से पांच सैन्यकर्मी शहीद हो गए। उत्तराखंड के हरिद्वार में गंगा उफान पर है, यहां भारी बारिश से खरखरी की सूखी नदी पर खड़ी गाड़ियां गंगा नदी में बह गईं।

गंगा नदी में बह गईं कई गाड़ियां

मानसून के आगमन के साथ ही उत्तराखंड में बारिश शुरू हो गई है। शनिवार दोपहर हरिद्वार में हुई बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इसके कारण दर्जनों गाड़ियां नदी में बह गए। गंगा नदी में बह रहे गाड़ियों को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हालांकि, नदी में गाड़ियों के बहने से किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। देहरादून आईएमडी के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि मानसून 27 जून को उत्तराखंड में प्रवेश कर चुका है और पूरे प्रदेश को कवर कर चुका है। 4 जुलाई तक तेज बारिश होने की संभावना है। पिथौरागढ़ बागेश्वर में 4 जुलाई तक भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि सप्ताह के दौरान उत्तराखंड के अन्य अलग-अलग क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

तीन दिन में तीसरे एयरपोर्ट की छत का हिस्सा गिरा

गुरुवार को मप्र के जबलपुर एयरपोर्ट का, शुक्रवार को भारी बारिश के वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट का और शनिवार को गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया है। इन तीनों घटनाओं ने विकास के दावों की पोल खोलकर रख दी है। ज्ञात हो कि दिल्ली एयरपोर्ट का एक हिस्सा टूटकर गिर जाने के कारण एक कैब ड्राइवर की मौत हो गई। वहीं, राजकोट एयरपोर्ट के पैसेंजर पिकअप और ड्रॉप एरिया की कैनोपी का एक हिस्सा भरभरा कर गिरने से ये हादसा हुआ।

स्ट्रक्चरल ऑडिट का आदेश

एयरपोर्ट पर लगातार होने वाले हादसों के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय एक्शन में आया है। मंत्रालय ने दिल्ली एयरपोर्ट हादसे के बाद सभी एयरपोर्ट के स्ट्रक्चरल ऑडिट का आदेश दिया है। अगले पांच दिन में निरीक्षण पूरा करके रिपोर्ट देनी होगी।

जदयू चाहता है भाजपा से ज्यादा सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में बिहार में 12 सीटें जीतने के बाद से उत्साहित जदयू की निगाह अब अगले साल होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव पर टिकी है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू के लिए नतीजे कोई खास उत्साहजनक नहीं रहे थे। एनडीए में शामिल रही नीतीश की पार्टी 115 सीटों पर चुनाव लड़कर मात्र 43 सीटें ही जीत पायी थी। भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और 74 सीटों पर सफलता हासिल की थी। विकासशील इंसान पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़ा और 4 जीती। हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा 7 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी और 4 पर विजय प्राप्त की। एनडीए की इन चार पार्टियों के मुकाबले महागठबंधन में शामिल राजद 144 सीटों पर लड़ी और 75 पर जीत दर्ज की। कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी और महज 19 ही जीत पायी। भाकपा माले लिबरेशन को 19 सीटें मिली और 12 पर सफल रही। भाकपा 6 पर लड़ी और 2 पर कामयाब रही। भाकपा मार्क्सवादी ने 4 सीटों पर चुनाव फाइट किया और 2 अपने खाते में ले पायी। जाहिर है अबकी बार भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में अपने स्कोर के बलबूते जदयू से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा करेगी। ऐसे में नीतीश कुमार की जदयू के सामने भाजपा के बराबर सीटें पाने की चुनौती गठबंधन के भीतर रहेगी। जदयू सूत्रों का कहना है कि हमने लोकसभा चुनाव में 12 सीटें जीतकर अपनी ताकत साबित की है, हम पिछले विधानसभा चुनाव की तर्ज पर कम से कम 115 सीटों पर चुनाव लड़ने का हक रखते हैं। दूसरी तरफ भाजपा हाईकमान इस कोशिश में रहेगा कि 115 में से मात्र 43 सीटें जीत पाने के स्ट्राइक रेट को जदयू के सामने रखकर 2025 के विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे पर बात हो। भाजपा की कोशिश रहेगी की नीतीश कुमार की पार्टी जदयू को अगले साल होने वाले चुनाव में 90 सीटों के आसपास देकर मनाया जाए।

■ एनडीए के भीतर रोचक रहेगा सीटों का बंटवारा, अनबन होते ही पाला बदल लेते हैं नीतीश

तीन नए कानून कल से होंगे लागू

90 दिन में चार्जशीट और मॉब लिंचिंग की सजा मौत

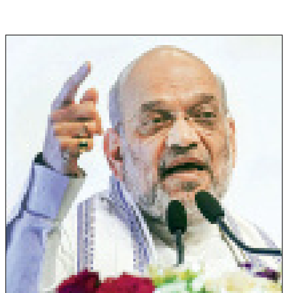

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम 1 जुलाई से प्रभावी हो जाएंगे। इस दिन से दशकों पुराने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनयम बदल जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त 2023 में इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में पेश किया था। आजादी के पहले बने ये कानून अब तक चल रहे हैं। इसे पीएम मोदी ने पहले ही हटाने का वादा कर चुके थे।

ये होंगे बदलाव

एक जुलाई से लागू होने वाले तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम हैं। ये कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और पुराने भारतीय साक्ष्य अधिनयम की जगह लेंगे। 12 दिसंबर, 2023 को इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद 20 दिसंबर, 2023 को लोकसभा और 21 दिसंबर, 2023 को राज्यसभा से ये पारित हुए। 25 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को अपनी मंजूरी दी। इस साल 24 फरवरी को केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि तीन नए आपराधिक कानून इस साल 1 जुलाई से लागू होंगे।

गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करेंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 2022 को लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन के दौरान देश के सामने पांच प्रण रखे थे। उनमें से एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। शाह ने संसद में बताया था कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, भारत की सुप्रीम कोर्ट, 22 हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सांसद और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं। चार साल तक इस पर काफी चर्चा हुई है। सरकार ने इस पर 158 बैठकें की हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की भारत के पंचशील की तारीफ

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वर्तमान समय के संघर्षों के अंत के लिए पंचशील के सिद्धांतों की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए पश्चिमी देशों के साथ चीन के संघर्षों के बीच 'ग्लोबल साउथ' में अपने देश का प्रभाव बढ़ाने पर जोर दिया। शी ने पंचशील के सिद्धांतों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर यहां एक सम्मेलन में यह टिप्पणियां कीं। पहली बार औपचारिक रूप से 29 अप्रैल, 1954 को तिब्बत क्षेत्र के बीच व्यापार व संबंध को लेकर चीन और भारत के बीच हुए समझौते में शामिल किया गया था। चीन में इसे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत जबकि भारत में पंचशील का सिद्धांत कहा जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एनलाई जब सीमा मुद्दे का समाधान खोजने में विफल रहे थे। तब उन्होंने पंचशील के सिद्धांतों पर सहमति जताई थी। शी जिनपिंग ने कहा, 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों ने समय की मांग को पूरा किया और इनकी शुरुआत एक अपरिहार्य ऐतिहासिक घटनाक्रम था। अतीत में चीनी नेतृत्व ने पहली बार पांच सिद्धांतों यानी 'एक-दूसरे की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान', 'गैर-आक्रामकता', 'एक दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना', 'समानता और पारस्परिक लाभ', तथा 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' को संपूर्णता के साथ निर्दिष्ट किया था।

पर्ल हार्बर में शुरू हुआ सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास 'रिमपैक'

वॉशिंगटन। दक्षिण चीन सागर और उत्तरी प्रशांत महासागर में तैनात भारतीय बहु-भूमिका वाला स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस शिवालिक अमेरिका के पर्ल हार्बर में चल रहे रिम ऑफ द पैसिफिक (रिमपैक) एक्सरसाइज में भाग ले रहा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास है। भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय अभ्यास 'जिमेक्स' में भाग लेने के बाद आईएनएस शिवालिक अमेरिका के इस प्रसिद्ध बंदरगाह पर पहुंच चुका है।

7 जुलाई तक चलेगा 'रिमपैक' अभ्यास : पर्ल बंदरगाह या पर्ल हार्बर हवाई द्वीप में होनोलूलू से दस किमी उत्तर-पश्चिम, संयुक्त राज्य अमरीका का प्रसिद्ध बंदरगाह एवं गहरे जल का नौसैनिक अड्डा है। यह अमेरिकी प्रशांत बेड़े का मुख्यालय भी है। यहां 27 जून से शुरू हुआ अभ्यास 07 जुलाई तक चलेगा।

बदमाशों ने 2 बच्चों को अगवा कर मांगे 50 लाख

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में विकास मार्ग, हीरा स्वीट्स के बाहर माता-पिता अपने बच्चों को कार में छोड़कर मिटाई लेने गए। पिता ने कार में एसी चलाकर अपनी 11 साल की बेटी और तीन साल के बेटे को वहीं छोड़ दिया। बदमाशों ने कार समेत दोनों बच्चों को अगवा कर लिया। बच्चों को मुक्त करने के बदले 50 लाख की फिरौती मांगी।

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार राधाकृष्ण टंडन पिता श्री जे. एस. टंडन निवासी - वार्ड नं. 10 उपरपारा तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. ने चंद्रहास साहू पिता श्री जगत राम साहू निवासी वार्ड नं. 02 ग्राम बकली तहसील राजिम जिला गरियाबंद छ.ग. से उसके स्वामित्व की ग्राम बकली प.ह.नं.- 23 रा.नि.म. बासीन तहसील राजिम जिला गरियाबंद छ.ग. में स्थित खसरा नं. 265 272, 273, 312 रकबा 0.1300, 0.2900, 0.0600, 0.6300 को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर विक्रय इकरारनामा निष्पादित कर लिया है तथा विक्रय विलेख पंजीयन कराना शेष है।

अतः उक्त भूमि के संव्यवहार बाबत किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैक या किसी भी अन्य को कोई उजर, दावा हो तो मय सुसंगत दस्तावेज सहित 07 दिवस के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर लिखित में आपत्ति पेश करे। मियाद बाद मेरा पक्षकार उक्त भूमि का विक्रय विलेख पंजीयन अपने पक्ष में करा लेगा। उसके बाद की गई कोई भी आपत्ति या दावा अवैध एवं शून्य माना जावेगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा।

सो सूचना ताकीद जाने।

स्थान - अभनपुर
दिनांक -28/06/2024

नागेन्द्र सिन्हा (अधिवक्ता)
अधिवक्तकील - अभनपुर
तहसील कार्यालय परिसर अभनपुर
जिला रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. 9893906809

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: CPMGSUWAT ENGG2024035, दिनांक 21.06.2024

NMDC ... KM 277.030 ... KK ... P.WAY ...

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,31,48,405.12, EMD: रु. 2,15,800.00, समापन अवधि: 04 (चार) महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 16.07.2024 को 1500 बजे।

... www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य अभियंता (GSU), वाल्टेयर

PR-259/P/24-25

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. WAT-TRD-03C-23-24 DT260624

... PSI ... 36 महीने के लिए 1 ... 207 DI EX ...

निविदा का मूल्य: रु. 19,03,052.25, EMD: रु. 38,700.00, निविदा प्रपत्र की कीमत: रु. 3,540.00, कार्य के समापन की अवधि: स्वीकृति पत्र (LOA) की तारीख से 36 महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 18.07.2024 को 1500 बजे।

... www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/TRD, वाल्टेयर

PR-258/P/24-25

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

रख-रखाव कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सूचना क. ... दिनांक : 21.06.2024.

कार्य का नाम : दो साल की अवधि के लिये ... निविदा मूल्य : ₹ 1,17,57,876/-, अमानत राशि : ₹ 2,08,000/-, निविदा बंद होने की तिथि व समय: 15.05.2024 के 16:00 बजे। ... www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। ...

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिका परिषद बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.)

क्रं./228/न.पा./लो.नि.वि./2024 बेमेतरा दिनांक 27.06.2024

//चतुर्थ ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

एतद् द्वारा नगर पालिका परिषद क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य करने हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा फार्म "अ" में सीलबंद द्वि लिफाफा पद्धति में पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा दर आमंत्रित किया जाता है। जिसकी अंतिम तिथि 14.07.2024 होगी

टेंडर क्र.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
155523	बस स्टैण्ड में ग्रुप क्र. 04 का शॉपिंग काम्पलेक्स (भूतल एवं प्रथमतल) को रिस्क एण्ड कास्ट आधार पर शेष निर्माण कार्य ।	59.05

टीपः- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल www.eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in पर। डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बेमेतरा

STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
Bhilai Steel Plant
Bhilai - Dist. Durg, Chhattisgarh, India, 490001

EXTENSION OF DATE
Ref. Advt. No. BSP-04/24-25, Dt. 25/05/2024
NIT No:-NIT No. CCNW/PR1130023555/EP 2024300007
Name of the Work: TENDER/ AUCTION OF SHOPS/ PLOTS IN BSP TOWNSHIP FOR ALLOTMENT ON LICENSE BASIS
Bid Document Download Start date & time : 22.05.2024, 16:00:00
Bid Document Download End date & time : 06.07.2024 11:00:00
Bid submission Closing Date & Time : 06.07.2024, 13:00:00
Bids Opening Date & Time : 08.07.2024, after 11:00:00
All other things in the Notice Inviting Tender remain the same. Tender Documents can be downloaded through SAIL Website www.sailtenders.co.in and Bidder can also contact Tender Opening Cell Department, Ground Floor, Ispat Bhawan, Bhilai Steel Plant, Bhilai between 3:00 PM to 5:00 PM (Except Sunday & Holiday) for soft copy of Tender Document. - GM I/c (Contract Cell- Non Works)
Advt. No. BSP-04 (Extn.-1)/24-25, Dt. 29/06/2024
Registered Office: Ispat Bhawan, Lodi Road, New Delhi 110 003
Corporate Identity Number: L27109DL1973GOI006454, Website: www.sail.co.in
There's a little bit of SAIL in everybody's life

स्पेशल
वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे

यह सही है कि सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को आपस में कनेक्ट करने में रिवॉल्यूशनरी रोल निभाया है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि आज देश-दुनिया में करोड़ों लोग सोशल मीडिया एडिक्शन से ग्रस्त हैं, इन्होंने अपनी लाइफ को अनहेल्दी और स्ट्रेसफुल बना लिया है। ऐसे में इस एडिक्शन से बचने के तरीकों और इससे होने वाले बेनिफिट्स के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए। आज वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे के अवसर पर इन तमाम पहलुओं पर हम यहां डिटेल में बता रहे हैं।

लाइफ को बना रहा बीमार सोशल मीडिया एडिक्शन

कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा

आज के दौर में सोशल मीडिया, हम में से अधिकतर की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। चाहे किसी तरह की जानकारी लेनी हो, अपने प्रोडक्ट की पब्लिसिटी करनी हो, अवेयर करना हो, हर फील्ड का प्लेटफॉर्म बनाने का काम सोशल मीडिया कर रहा है। सोशल मीडिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स, हमारे शरीर के मस्तिष्क के उसी हिस्से को सक्रिय करते हैं, जिस हिस्से को अन्य हैबिट्स एक्टिव करती हैं। सोशल मीडिया पर लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से शरीर में डोपामाइन केमिकल का लेवल बढ़ जाता है और व्यक्ति को खुशी महसूस होने लगती है। इसके उलट अगर आपकी पोस्ट पर नेगेटिव कमेंट्स आते हैं या ट्रोलिंग होती है तो आप परेशान हो जाते हैं और नेगेटिविटी का शिकार भी होने लगते हैं। वास्तव में सोशल मीडिया एक वर्चुअल या आभासी दुनिया है, जो वास्तविकता या रियलिटी से अलग है। यहां सिर्फ वही दिखता है, जो हम लोगों को दिखाना चाहते हैं। रील और रियल लाइफ बहुत अलग-अलग होती हैं।

तेजी से बढ़ रहा लोगों में एडिक्शन

आज के बदलते लाइफस्टाइल में सोशल मीडिया, हमारी हेल्थ और सक्सेस का सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स (व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, स्नैप चैट) का एडिक्शन लोगों को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इस वजह से अपने दिन का एक बड़ा हिस्सा लोग इसमें बर्बाद कर रहे हैं। शुरू में चाहे वो नॉलेज पाने के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं, धीरे-धीरे सोशल मीडिया में चैटिंग करना, स्टेटस लगाना, सेल्फी लगाने में उलझने लगते हैं। कई लोग तो इस कदर इसमें रम जाते हैं कि हर पांच मिनट में अपना स्टेटस अपडेट करने लगते हैं और उस पर आने वाले लाइक्स का बड़ी शिद्दत से इंतजार करते हैं। ऐसा ना करने पर उन्हें एंजाइटी होने लगती है। उनके दिमाग में एडिक्शन पैटर्न बनना शुरू हो जाता है, जो हेल्थ और नॉर्मल लाइफ के लिए काफी हार्मफुल हो सकता है।

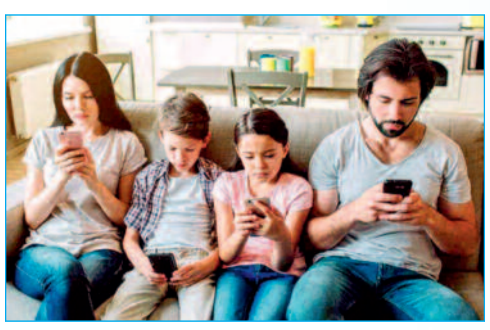

क्या कहते हैं आंकड़े

भारत में एंड्रॉयड मोबाइल फोन के तेजी से बढ़ते चलन के कारण, आज तकरीबन 35 करोड़ सोशल मीडिया यूजर हो गए हैं। आने वाले कुछ वर्षों में इनकी संख्या और बढ़ने की संभावना है। स्मार्टफोन यूजर, औसतन ढाई से तीन घंटे रोजाना सोशल मीडिया पर बिताते हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हिसाब से बड़े शहरों में 18 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया की लत का शिकार हो रहे हैं। 10-12 साल के करीब 43 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर एक्टिव हैं। 8 में से एक बच्चा रात को भी सोशल मीडिया चैटिंग करता है।

तब हो जाएं एलर्ट

इसमें कोई शक नहीं है कि अगर सोशल मीडिया का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो इससे आप अपनी नॉलेज और करियर को बेहतर बना सकते हैं। लेकिन गलत इस्तेमाल आपको शारीरिक-मानसिक रूप से बीमार बना सकता है। अगर आपको अपना सोशल मीडिया एकाउंट चेक करते हुए या करने के बाद मूड में नेगेटिविटी या कुछ एब्नॉर्मल लक्षण नजर आने लगें जैसे-साइकोलॉजिकल डिपेंडेंसी बहुत बढ़ना, ईर्ष्या या असुरक्षा जैसे भाव महसूस होने लगें, आपको अकसर गुस्सा आने लगे, स्वभाव में चिड़चिड़ापन आए, बिना वजह दुखी रहें, स्ट्रेस, एंजाइटी बढ़ जाए, आपके ईटिंग और स्लीपिंग पैटर्न में बदलाव हो यानी रात में नींद कम आने लगे या भूख कम लगे, रोजमर्रा की एक्टिविटीज और काम-काज में मन ना लगे, बार-बार फोन चेक करने का मन करे, अपने पियर ग्रुप या दोस्तों के साथ कंपैरिजन करने लगें, उनसे मिलने-बातचीत करने के बजाय सोशल मीडिया पर ही संपर्क में रहते हों तो ये सब सोशल मीडिया एडिक्शन के लक्षण हो सकते हैं। यह खतरे की घंटी है। ऐसे में सोशल मीडिया से दूरी बना लेना ही उचित है। *

सोशल मीडिया डिटॉक्स के फायदे

अनुसंधानों से साबित हुआ है कि सोशल मीडिया से ब्रेक लेने यानी इसके एडिक्शन से मुक्त होने के बाद लोगों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य में काफी सुधार आता है। अगर आप सोशल मीडिया एडिक्शन से ग्रस्त हैं तो इन फायदों के बारे में जानकर आप जरूर इससे मुक्त होना चाहेंगे।

मूड में सुधार: रिसर्च से साबित हुआ है कि सोशल मीडिया से दूरी बना लेने पर मूड में पॉजिटिव बदलाव आता है। इससे आप अपनी तुलना दूसरों से करना बंद कर देते हैं। अपनी जिंदगी सुकून से जीने लगते हैं। आपका मूड अच्छा रहता है, आप प्रोडक्टिव वर्क अधिक करने लगते हैं।

कम होती है शो-ऑफ की हैबिट: सोशल मीडिया पर लोग ज्यादातर दिखावा करते हैं, अपने को बहुत खुश दिखाते हैं। जिन्हें देखकर आप भी शो-ऑफ भरे पोस्ट्स डालना चाहते हैं और ऐसा ना कर पाने पर दुःखी रहने लगते हैं। सोशल मीडिया की लत छोड़ने पर आप शो-ऑफ की हैबिट से दूर रहकर सहज जीवन जीने लगते हैं।

फेक न्यूज से होगा बचाव: सोशल मीडिया झूठी खबरों का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। कई बार तो इनके जरिए व्यक्ति को इस तरह ट्रैप किया जाता है कि वह किसी कंपनी या प्रोडक्ट के बारे में दी गई गलत जानकारी पर आंख मूंद कर विश्वास कर लेता है। जिसकी वजह से कभी-कभार वित्तीय नुकसान तो होता ही है, सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। सोशल मीडिया की लत से निकलने पर निश्चय ही इससे बचा जा सकता है।

एंजाइटी होती है कम: एडिक्शन से दूर होने के बाद, रोज-रोज लाइमलाइट में आने के लिए 'क्या पोस्ट डालें' यह नहीं सोचना पड़ेगा। ना ही इस बात की फिक्र रहेगी कि आपकी तस्वीरों या चीजों पर कितने लाइक्स मिले, कितने कमेंट आए, कितने लोगों ने वीडियो देखी, फ्रेंड लिस्ट या फॉलोअर्स लिस्ट में कितना इजाफा हुआ? यानी, सोशल मीडिया की लत से मुक्त होने उससे उपजी टेंशन, एंजाइटी और डिप्रेशन से दूर रहेंगे।

डेली प्लानिंग होती है बेहतर: एडिक्शन से मुक्त होने पर सुबह उठने के साथ मोबाइल पर नोटिफिकेशन, एप्स पर दूसरों की स्टोरीज चेक करना बंद हो जाता है। बचे समय में आप कहीं बेहतर तरीके से अपने दिन की प्लानिंग कर सकते हैं।

क्रिएटिविटी होगी बूस्ट: जाने-अनजाने सोशल मीडिया की लत आपका बहुत सारा टाइम बर्बाद कर देती है, जिसका इस्तेमाल अपने तरीके से कर सकते हैं। खाली समय में आप अपनी हेल्थ-फिटनेस पर ध्यान दे सकते हैं। आप क्रिएटिव काम कर सकते हैं। अपनी हॉबीज को टाइम दे सकते हैं। सोशल मीडिया से ब्रेक लेने पर दूसरे कामों को करने में आपका मन लगता है, कंसंट्रेशन बढ़ता है, इससे आपका खुद पर कंट्रोल बढ़ेगा और आप बेहतर डिसीजन ले पाएंगे।

बढ़ेगा सोशल कनेक्शन: सोशल मीडिया डिटॉक्स करके आप व्यावहारिक रूप से लोगों के करीब आ सकते हैं। सोशल मीडिया में ज्यादातर लोगों से डिजिटल संबंध ही बन पाते हैं। इससे दूर होने पर असल जिंदगी के लोगों के साथ समय बिताने का मौका मिलता है और आपकी बॉन्डिंग मजबूत होती है। *

ऐसे दूर करें सोशल मीडिया एडिक्शन

अगर आपको लग रहा है कि सोशल मीडिया की लत आपके दिलो-दिमाग को ही नहीं जीवन को भी प्रभावित कर रही है तो सोशल मीडिया डिटॉक्स करना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ उपाय अपनाने होंगे।

- वैसे तो सोशल मीडिया से आप कितनी देर ब्रेक लेना चाहते हैं इसके लिए कोई निश्चित टाइम नहीं है, फिर भी आप अपने हिसाब से एक दिन, एक सप्ताह या एक महीना चुन सकते हैं।
- सबसे जरूरी है, मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। खुद के लिए समय निकालें।
- अपने फोन को दो हिस्से में बांटें कॉलिंग और डाटा। कम्युनिकेशन के लिए बेसिक फोन रखें या स्मार्टफोन भी ऐसा हो, जिसकी इंटरनल मेमोरी या रैम काफी कम हो और वह सोशल मीडिया के विभिन्न एप्स को सपोर्ट ना कर पाए।
- अपने काम करने, नॉलेज लेने या पढ़ाई करने के लिए महंगे स्मार्टफोन की जगह टैबलेट या वाई-फाई इंटरनेट से चलने वाला स्मार्टफोन ही रखें। इनमें कोई भी सोशल मीडिया एप इंस्टाल ही न करें।
- कोशिश करें कि चैट ग्रुप्स में शामिल होने के बजाय एजुकेशनल नॉलेज वाली चीजों पर ध्यान दें।
- नोटिफिकेशन अलर्ट बंद करें। नोटिफिकेशन ना मिलने पर आप बार-बार अपना फोन चेक नहीं करेंगे।
- रात में सोने के कुछ घंटे पहले मोबाइन फोन को अपनी पहुंच से दूर रखें। जब तक बहुत जरूरी न हो, अपना फोन चेक न करें।
- खुशियों के लिए समय निकालें, अपनी हॉबीज, एक्सरसाइज, दोस्तों से मिलने-जुलने के लिए खुद को तैयार करें। दूसरों से स्क्रीन पर बात ना कर आमने-सामने बात करें ताकि अंतर्मुखी बनने के बजाय दूसरों से आपकी बॉन्डिंग मजबूत हो। *

(डॉ. रोहित शर्मा, मनोचिकित्सक, आरोग्य अस्पताल, दिल्ली और डॉ. पूजा आनंद शर्मा, साइकोथेरेपिस्ट, विश्वास हीलिंग सेंटर, दिल्ली से बातचीत पर आधारित)

साइबर क्राइम्स पर पैनी नजर आई 4 सी

हर एरिया में बढ़ते डिजिटलाइजेशन का साइड इफेक्ट साइबर क्राइम्स के रूप में भी बढ़ रहा है। इस पर नजर रखने और रोकने के लिए सरकारी पोर्टल आई 4 सी बहुत तेज और सटीकता से अपना रोल निभा रही है।

टेक्नो-सिक्योरिटी
नरेंद्र शर्मा

इसी माह 18 जून 2024 को देश के 317 शहरों के 1205 केंद्रों में नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी नेट की परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें 9 लाख से ज्यादा छात्रों ने हिस्सा लिया था। हालांकि स्थानीय स्तर पर कई जगहों पर कुछ सुगबुगाहट तो थी कि शायद नीट की तरह इस परीक्षा का भी पेपर लीक हुआ है। लेकिन एक दिन बाद ही केंद्र सरकार ने इस परीक्षा को रद्द कर दिया। वजह थी एक ऐसी आंख, जिसने वह सब कुछ देख लिया था, जिसकी कुछ लोगों को आशंका थी। वह आंख थी आई 4 सी की।

क्या है यह पोर्टल: आई 4 सी (नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक यूनिट) यानी, गृह मंत्रालय का भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र। इसे ही संक्षेप में आई 4 सी कहते हैं। इसकी स्थापना 30 अगस्त 2019 को एक प्रैक्टिकल पोर्टल के रूप में हुई थी। आज यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय की एक ऐसी गिद्ध आंख है, जो साइबर अपराधों से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखती है, लेकिन उसे कोई और देख नहीं पाता है।

साइबर क्राइम जांच में सहायक: वास्तव में आई 4 सी, भारत के आम नागरिकों के विरुद्ध होने वाले सभी तरह के साइबर अपराधों पर अपना ध्यान केंद्रित करती है और यह देश की विभिन्न जांच एजेंसियों को इन अपराधों से निपटने में अपनी विशेषज्ञता से लाभ पहुंचाती है। आई 4 सी देश की सभी जांच एजेंसियों को साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर मदद करती है। इसका उद्देश्य देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए एक नोडल प्वाइंट के रूप में काम करना है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले साइबर अपराध के खिलाफ आज मजबूती और तीव्रता से कार्यवाही की जाती है तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण इसी आई 4 सी की गिद्ध दृष्टि, अपराध को पहचानने और चिन्हित करने में इसकी एक्यूरेसी है।

कम समय में सिद्ध की सार्थकता: वास्तव में साल 2019 में जब एक प्रायोगिक पोर्टल के रूप में यह वेबसाइट लांच की गई थी तो किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि यह साइबर संबंधित जांचों में इस कदर मददगार होगी। लेकिन आज यह आंख सब कुछ देखती है। चाहे परीक्षाओं में पर्चा लीक होने का मामला हो, संगठित अपराधियों के गुपचुप तरीके से बड़े अपराधों के लिए की जा रही प्लानिंग हो या राजनेताओं की सुरक्षा के गंभीर खतरों से जुड़े मसले हों। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र इन सब तरह के खतरों पर बड़ी मुस्तैदी से नजर रखता है, जिससे सभी जांच एजेंसियों को भरपूर मदद मिलती है।

निभाता है कई तरह के रोल: हालांकि आई 4 सी, मूलतः साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर ही ध्यान केंद्रित करता है। लेकिन सरकार के दूसरे क्षेत्र जहां धड़ल्ले से धोखाधड़ी हो रही होती है, वहां पर भी इसकी मदद ली जाती है। वैसे यह पोर्टल मूलतः साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को आसानी से दर्ज करने और साइबर अपराध के रुझान और पैटर्न की पहचान की सुविधा भी प्रदान करता है। साथ ही यह साइबर अपराध रोक-थाम और अपराध पता लगाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में भी काम करता है। हाल के सालों में इसने जो सबसे महत्वपूर्ण काम किया है, वह यह है कि देश के युवावर्ग को इस आई 4 सी ने साइबर अपराधों के विरुद्ध सजग बनाया है।

साइबर फोरेंसिक जांच, साइबर स्वच्छता, साइबर अपराध विज्ञान जैसे क्षेत्र में यह पुलिस और न्यायिक अधिकारियों की क्षमता में बढ़ोत्तरी करती है। यह आम नागरिकों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी बदौलत आम नागरिकों को साइबर अपराध की ऑनलाइन शिकायत करना बेहद आसान हो गया है। आई 4 सी बच्चों, बाल पोर्नोग्राफी, बाल यौन शोषण जैसे मसलों पर ऑनलाइन सामग्री के विरुद्ध मुहिम तो छेड़ता ही है, लोगों को लिखित में शिकायत करने की सुविधा भी देता है।

यह पोर्टल वित्तीय अपराध और सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। जिस तरह से इसने हाल में हुए पेपर लीक का पता लगाया, वह काबिले तारीफ है और सरकार ने भी इस समन्वय केंद्र पर पूरा भरोसा जताते हुए, यूजीसी नेट की परीक्षा को रद्द कर दिया। इसकी इसी तेज रफ्तारी और साइबर अपराधियों तक जल्द पहुंच के कारण अपराध जगत इस आंख से ओझल रहने की कोशिश करता है, क्योंकि अब यह बात करीब-करीब हर शख्स के दिलोदिमाग में बैठ गई है, जो इस डिजिटल पुलसिंग के युग में चीजों पर नजर रखते हैं, कि भले किसी और से छूट जाए, लेकिन आई 4 सी से कुछ भी देखना नहीं छूटता। यह सब कुछ बहुत बारीक निगाहों से देख लेती है। *

कविता / पूनम पांडे

चित्र उकेरती कूची

कूची से चित्र उकेरती
यही सोचती हूं
कि इस गुप्त मंजिल का
अगर पता न लगता
तो, जीवन रहता कितना अधूरा।
पूरा होता है इक चित्र,
और मन तृप्त।
ऐसा लगता,
ज्यों हो रहा
आत्मा का,
शुद्धिकरण।
ये कूची और
ये अंगुलियां
इनको इक-दूजे
की ऊर्जा पर है
कितना भरोसा
कि थकते नहीं
दोनों इक-दूजे के संग।

कहानी / कल्पना मनोरमा

यह जानते हुए भी कि जैसा व्यवहार हम दूसरों के साथ करेंगे, वैसा ही हमें कभी ना कभी बदले में मिलेगा, हम अपनी तल्खी से बाज नहीं आते, दूसरों को तकलीफ देते रहते हैं। मधुर मजूमदार इन्हीं लोगों में से एक थीं। बुढ़ापे में उन्हें जब पति ने उनके तल्ख व्यवहार का अहसास दिलाया तो उनके पास पीड़ा सहने के अलावा कोई चारा नहीं था। इंसानी फितरत पर केंद्रित कहानी।

कुएं की आवाज

मानसिंह का हाता, अपनी विराट बनावट और जर्जर हालत के लिए नहीं, दूसरी मंजिल पर रहने वाली मधुर मजूमदार के गुस्से के लिए जाना जाता था। कितने सब्जी वालों के ऊपर ना जाने क्या-क्या फेंक कर हमले हुए। जिनमें कुछ बच गए, कुछ घायल भी हुए। जिन्हें मिस्टर मजूमदार ने अस्पताल भेजकर अपना पीछा छुड़ाया था। अब तो फेरीवाले वहां से निकलने से पहले जांच-परख लेते हैं कि कहीं मधुर मजूमदार बालकनी में खड़ी तो नहीं हैं, जो उनके गुस्से का शिकार होना पड़े।

मधुर मजूमदार बूढ़ी हो चली हैं। अपने बेटे को जहां बैठाया वहीं बैठा। बहू भी आज्ञाकारी मिली। मधुर के गुस्सैल स्वभाव में कोई परिवर्तन नहीं आया। उन्हें आराम और पूजा के समय गहरी शांति की हमेशा जरूरत रही, जो अभी तक कायम थी।

मिस्टर मजूमदार को छोड़कर सब मधुर के आगे सिर झुकाए खड़े रहते हैं। नाती चीकू भी अपनी दादी का खासा ख्याल रखता था। चीकू की शादी हो चुकी थी। नई बहू को अपने घर के तौर-तरीके मधुर ने ही बताए-सिखाए थे। गुस्सैल दादी की बातें सुनकर चीकू की बहू बहुत घबरा गई थी। चीकू की मां ने जब बहू को परेशान देखा तो हिम्मत बंधाई, 'घबराओ मत बहू, जल्दी ही तुम सबके साथ घुल-मिल जाओगी।'

एक दिन सुबह से मधुर परेशान थीं। उनकी आंख देर से खुली थीं। दोष सपनों का था, जिन्होंने उन्हें उठने नहीं दिया था, उन्हें पूजा के लिए देर हो चुकी थी। खुली छत पर बैठना तो दूर, पांव भी झुलस रहे थे। मधुर ने पहले धूप को कोसा फिर सूरज को खरी-खोटी सुनाई। उसके बाद झांककर घर में देखा। सब नाश्ता करने के बाद अपने कमरों में थे। उन्हें गुस्सा चढ़ गया। तुलसी के गमले में जल चढ़ा कर वे अंदर आईं और बिजली बोर्ड पर लगी एमसीवी गिरा दी। बिजली से चलने वाले सारे उपकरण बंद हो गए। सभी बाहर दौड़कर आए।

सास को आगबबूला देखकर,बहू ने सहमकर पूछा, 'मुझे क्या करना चाहिए?' ताव खाते हुए मधुर ने तुलसी वाला गमला चीकू के कमरे के आगे छज्जे में रखने के लिए कहा। सुनकर मधुर के बेटे ने वहां गमला रखने के लिए मना किया। कारण चीकू पंद्रह दिन की छुट्टी आया था। बेटा अपनी तरह समझाता रहा, लेकिन मधुर ने जो ठान लिया, वही हुआ। शाम को दीपक जलाकर मधुर ध्यान करने बैठी थीं। घर के अन्य जन शांत थे। चीकू भूल गया। टीवी चलाकर वह हंसने-बोलने लगा। मधुर की त्योरियां चढ़ गईं। दो मिनट गहरी सांस लेकर टीवी बंद करने के लिए बोला। चीकू ने माफी मांगते हुए टीवी के साथ दरवाजा भी बंद कर लिया।

दो ही दिन बीत पाए थे, फिर वही वाकया हुआ। इस बार मधुर ने चीकू से न कहते हुए अपने बेटे से कहा, 'अपने बेटे-बहू को समझा लो।' बेटे ने मां को अपनी बात याद दिलाई कि चीकू बस कुछ दिनों के लिए आया है, थोड़ा धैर्य रखें। मां-बेटे झगड़ पड़े। घर में तनाव का माहौल देखकर नई बहू डर गई।

दिन गुजरते रहे, दो-चार दिन छोड़कर मधुर का चीखना-चिल्लाना, बहू का सुबकना चलता रहा। एक सुबह मधुर मजूमदार ध्यान में डूबी थीं।

'दरवाजा ठीक से बंद करो विमल! पीली बर्र कई दिन से मंडरा रही है यहां। ठंडक देख छत्ता बना लेगी अपने कमरे में।' नई बहू की आवाज मधुर के कानों में पड़ी। वे कंठी-माला छोड़कर खड़ी हो गईं, 'चीकू की बहू ने पीली बर्र किसे बोला?'

पास में बरांडे में मिस्टर मजूमदार बैठे अखबार पढ़ रहे थे। बोले, 'तुम समझ तो गई हो।'

'मतलब, तुम कहना क्या चाहते हो?' मधुर गुस्से से लाल हो गईं। घर में आपातकालीन बैठक बुला ली गई। चीकू की बहू से सवाल-जवाब हुए। नई बहू तो नहीं बोल सकी। चीकू की मां ने बताया, 'चीकू के कमरे में पीली बर्र का छत्ता है। दो दिन पहले पलीता दिखा कर उसे हटाया गया था। एक बर्र वहां लगातार चक्कर काट रही है। बहू ने चीकू को इसलिए कहा होगा।'

मामला सबको समझ में आ गया। बहू के ऊपर उठने वाली अंगुलियां नीचे हो गईं। लेकिन मधुर मजूमदार को संतुष्टि नहीं हो पा रही थी। उन्हें बार-बार लग रहा था कि हो न हो चीकू की बहू ने पीली बर्र उन्हीं को ही बोला है। भरे और भारी मन से रात में मधुर अपने कमरे में पहुंचीं। मिस्टर मजूमदार उनका ही इंतजार कर रहे थे, बोले, 'मधुर, तुमने खाना क्यों नहीं खाया? बेटा बता रहा था। ऐसे तो तुम बीमार पड़ जाओगी।'

'चिंता किसे है। आज मेरी अपनी बहू ने चीकू की बहू का साथ दिया।' लगा मधुर रो देंगी।

'नहीं ऐसा नहीं। उसने सही बात बोली बस।' मिस्टर मजूमदार ने समझाया।

'मैं नहीं मानती।' मधुर यकीन करने के लिए तैयार नहीं थीं।

'मधुर, हमारा जीवन कुएं की आवाज है। तुम याद करो, जब मेरी नई-नई शादी हुई थी। थोड़ा-सा भी काम ज्यादा बढ़ जाने पर या तुम्हारे मन का कुछ न होने पर तुम मेरी मां को बिलौटी और बड़ी दीदी को छिपकली बोल देती थीं। वो भी मेरे ही सामने। मैं कैसे घुट कर रह जाता था।' मिस्टर मजूमदार की दबी पुरानी टीस उबरी। 'मतलब?' मधुर आंखें तरेर कर बोलीं।

'मतलब तो बहुत छोटा और साफ है। करता सो भोगता।' मिस्टर मजूमदार ने साफ-साफ कह दिया। पहली बार मधुर को कोई जवाब नहीं सूझा। बत्ती बुझाकर उन्होंने करवट फेर ली। *

अगर सिर्फ डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें, तो मल्टी-कैप फंड को इस मामले में बेहतर माना जा सकता है, क्योंकि इसके पोर्टफोलियो में हर वक्त लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉल कैप सेगमेंट के शेयर शामिल रहते हैं। इसकी वजह से इसे रिस्क-रिटर्न ट्रेड-ऑफ के लिहाज से बेहतर माना जा सकता है, लेकिन अगर आप फंड मैनेजर की समझदारी पर ज्यादा भरोसा करते हैं और निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल एप्रोच यानी लचीलेपन को पसंद करते हैं, तो फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करना बेहतर रहेगा। आप फैसला कुछ भी करें, यह बात जरूर याद रखें कि इन दोनों ही कैटेगरी के फंड मुख्य तौर पर इक्विटी में निवेश करते हैं, जिसकी वजह से बाजार से जुड़ा रिस्क बना रहता है। इसलिए इनमें निवेश तभी करें जब आप यह रिस्क उठाने को तैयार हों। साथ ही इसलिए आपका इनवेस्टमेंट होराइजन काफी लंबा होना चाहिए। क्योंकि किसी भी इक्विटी फंड में पैसे लगाने का पूरा फायदा तभी मिलता है, जब आप लंबे समय तक नियमित निवेश करें।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को पहले कर लेना चाहिए तय

निवेश मंत्रा

निवेश के लिए क्या बेहतर फ्लेक्सीकैप या मल्टीकैप

बिजनेस डेस्क

निवेश हर कोई करना चाहता है, लेकिन बाजार के उतार चढ़ाव से कई बार डर जाता है। ऐसे में निवेशक को पहले अपनी रिस्क क्षमता को देख लेना चाहिए। इसके बाद ही निवेश की दुनिया में कदम रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को कई बार यह तय करने में उलझन होती है कि अपने पैसे फ्लेक्सी कैप फंड में लगाएं या मल्टी-कैप फंड में। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि दोनों ही तरह के फंड पहली नजर में एक जैसे ही लगते हैं, क्योंकि दोनों फंड्स के जरिए पूरे बाजार के अलग-अलग सेगमेंट के शेयरों में निवेश किया जाता है। इसलिए डायवर्सिफाइड फंड की तलाश कर रहे निवेशकों को इन दोनों ही तरह के फंड्स में से किसी एक का चुनाव करने में थोड़ा कनफ्यूजन होना आम बात है, लेकिन दोनों फंड एक जैसे लगने के बावजूद असल में पूरी तरह एक जैसे नहीं हैं। किस निवेशक को इनमें से किस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, यह जानने के लिए दोनों फंड्स के अंतर को समझना जरूरी है। इसके बाद ही इन फंडों में निवेश करना चाहिए। दोनों फंडों की क्षमता, रिस्क और रिटर्न कई मायनों में काफी अलग होते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कौन से फंड निवेश के लिए बेहतर माने जाते हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड में फंड मैनेजर को किसी पाबंदी के बिना लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में आने वाले किसी भी स्टॉक में निवेश करने की पूरी छूट होती है। यह लचीलापन मैनेजर को बाजार की परिस्थितियों के आधार पर अपने हिसाब से अलग-अलग सेगमेंट और सेक्टर के शेयरों में फंड अलोकेट करने की इजाजत देता है। अगर फंड मैनेजर को लगता है कि लार्ज कैप अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, तो वे फंड का एक बड़ा हिस्सा लार्ज-कैप स्टॉक में अलोकेट कर सकते हैं। इसी तरह, जरूरत पड़ने पर मिड-कैप या स्मॉल-कैप स्टॉक में भी फंड अलोकेशन कम या ज्यादा कर सकते हैं।

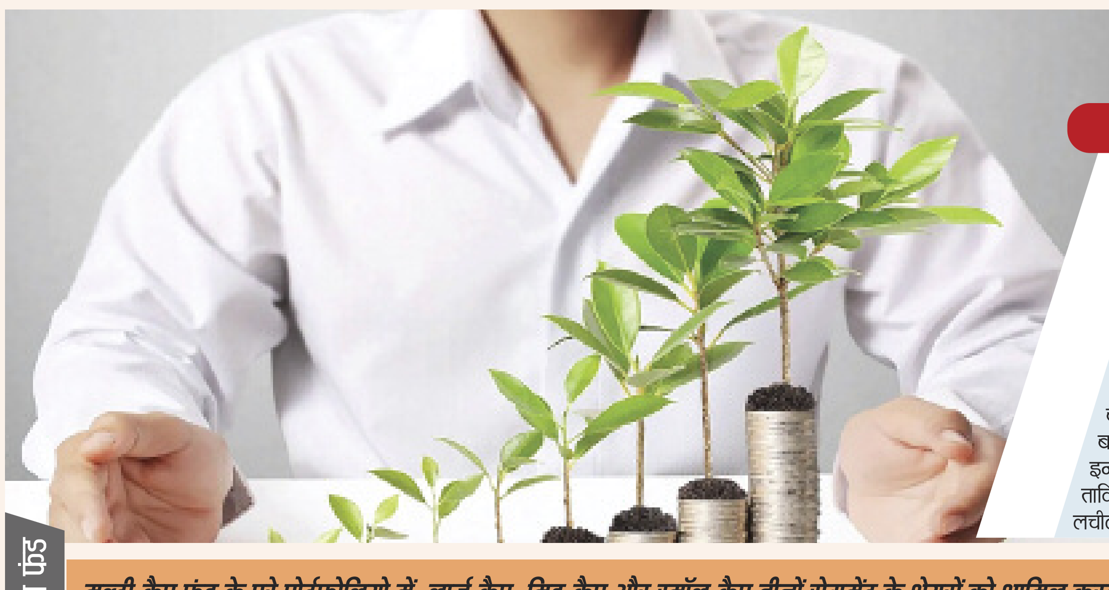

यह भी जान लीजिये

फ्लेक्सी कैप फंड्स की तुलना में मल्टी कैप फंड्स की संख्या काफी कम है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कुछ साल पहले सेबी ने मल्टी कैप फंड की परिभाषा में बदलाव करके फंड एलोकेशन को लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉल कैप में बांटना जरूरी कर दिया, तो बहुत सारे फंड्स कैटेगरी बदलकर फ्लेक्सीकैप में चले गए। इन फंड्स ने ऐसा इसलिए किया, ताकि अपनी निवेश रणनीति में लचीलापन बनाए रखा जा सके।

मल्टी-कैप फंड

मल्टी-कैप फंड के पूरे पोर्टफोलियो में, लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप तीनों सेगमेंट के शेयरों को शामिल करना जरूरी है। फंड मैनेजर को इनमें से हर सेगमेंट में हर वक्त कम से कम 25 फीसदी अलोकेशन बनाए रखना पड़ता है। यानी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक में से हरेक में 25-25 फीसदी निवेश रखना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि मल्टी-कैप फंड में डायवर्सिफिकेशन का लेवल हमेशा बना रहे।

क्या दोनों फंडों में फर्क

मल्टीकैप फंड के पोर्टफोलियो में 25-25 फीसदी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक बनाए रखने की वजह से जो अनिवार्य डायवर्सिफिकेशन होता है, वही इसे फ्लेक्सी कैप फंड से अलग करने वाला सबसे बड़ा फर्क है। इस अनिवार्यता की वजह से मल्टीकैप फंड में लार्ज कैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप की मौजूदगी भी हमेशा ही बनी रहती है, जबकि फ्लेक्सीकैप फंड के लिए ऐसा करना जरूरी नहीं है। फ्लेक्सीकैप फंड का मैनेजर चाहे तो पूरा इक्विटी निवेश सिर्फ लार्जकैप में भी कर सकता है या उसे लार्ज और मिडकैप में बांटकर स्मॉलकैप से दूर रहने का फैसला भी कर सकता है, लेकिन मल्टीकैप फंड के मैनेजर के लिए ऐसा करना मुमकिन नहीं है।

डायवर्सिफिकेशन भी जरूरी

डायवर्सिफिकेशन किसी भी निवेश पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सही तरीके से किया गया डायवर्सिफिकेशन आपके पोर्टफोलियो के परफॉरमेंस को काफी बेहतर बना सकता है। म्यूचुअल फंड के मामले में मल्टी-कैप और फ्लेक्सी कैप दोनों फंड आपके निवेश को डायवर्सिफाई करने यानी उसमें विविधता लाने में मददगार साबित हो सकते हैं। हमने ऊपर यह भी देखा कि डायवर्सिफिकेशन के लिहाज से दोनों फंड्स में क्या फर्क है। इसे देखते हुए ही आपको एक निवेशक के रूप में तय करना होगा कि आपके लिए कौन सा फंड बेहतर रहेगा।

पिछला प्रदर्शन

मल्टी-कैप फंड और फ्लेक्सी कैप फंड के पिछले प्रदर्शन की तुलना करें तो पता चलता है कि दोनों कैटेगरी के फंड्स के औसत सालाना रिटर्न में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट के मुताबिक टॉप 10 फ्लेक्सी कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में 16.11 फीसदी से 21.88 फीसदी के बीच सालाना रिटर्न दिया है। पिछले 5 साल में इस कैटेगरी के टॉप 10 फंड्स का रिटर्न 19.96 फीसदी से 34.22 फीसदी के बीच रहा है। एएमएफआई की वेबसाइट के मुताबिक इस वक्त मल्टी कैप कैटेगरी में सिर्फ 6 ऐसे फंड हैं, जिनका पिछले 10 साल का रिकॉर्ड उपलब्ध है और इस दौरान इन फंड्स ने 16.46 फीसदी से 22.79 फीसदी के बीच औसत सालाना रिटर्न दिया है। वहीं, जिन 8 मल्टी कैप फंड्स के पिछले 5 साल के प्रदर्शन का रिकॉर्ड एएमएफआई की वेबसाइट पर मौजूद है।

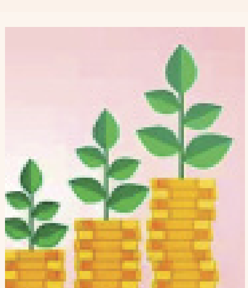

कब डबल होंगे पैसे: आपकी बचत के पैसे दोगुने कब होंगे इसकी गणना का एक आम नियम काफी प्रचलित है। ये नियम रूल 72 है। फाइनेंस में इसका खूब इस्तेमाल होता है। रूल 72 के जरिए आप यह जान सकते हैं कि आपके निवेश के पैसे कितने समय में दोगुने हो जाएंगे।

इस फॉर्मूले से करेंगे निवेश तो 7 साल 2 माह में डबल होगा पैसा

- पैसा बढ़ाने का सबसे सटीक नियम, करें अप्लाई
- यह नियम आपको जल्द बना सकता है करोड़पति
- रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल करके आप भी जान सकते हैं कि कैसे 7 साल 2 महीने में कैसे डबल होंगे

बिजनेस डेस्क। अगर आप भी कम समय में करोड़पति बनना चाहते हैं या अपना पैसा बढ़ाना चाहते हैं तो आपको भी यह नियम अपना लेना चाहिए। इससे आप आसानी से पैसा बटोर सकेंगे और कम समय में ही अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। ज्यादातर जानकारों का कहना है कि अगर वजन कम करना है तो कम खाइए और ज्यादा व्यायाम कीजिए, पैसों का मामला भी कुछ ऐसे ही है। खर्च कम कीजिए और ज्यादा बचत कीजिए तो आपका पास अच्छा खासा बैंक बैलेंस होगा। रिटायरमेंट या दूसरे फाइनेंशियल टारगेट के लिए आप जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे। लक्ष्य के करीब आने तक आप उतने ही धनवान होंगे। इसके लिए सबसे सटीक फॉर्मूला है। रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल करके आप भी जान सकते हैं कि कैसे 7 साल 2 महीने में आपका पैसा डबल हो जाएगा। यही नहीं अगर पैसे को इन्वेस्ट रखा जाए तो तीन गुना या फिर चार गुना भी बढ़ाया जा सकता है।

कम्पाउंड इंट्रस्ट करेगा हेल्प

आपको सिर्फ अपनी बचत की निरंतरता बनाए रखनी है और बाकी का काम चक्रवृद्धि ब्याज (कम्पाउंड इंट्रस्ट) समय के साथ करता रहेगा। चक्रवृद्धि का फायदा लॉन्ग टर्म में देखते ही बनता है और यह लंबी अवधि में आपको करोड़पति बनाने में भरपूर काम करता है। इसलिए जब भी निवेश की गाड़ी स्टार्ट करें, निवेश का लंबा लक्ष्य रखें, मसलन बच्चों की शादी, शिक्षा या फिर रिटायरमेंट प्लानिंग। ऐसे लक्ष्य लेकश्लंबी अवधि के लिए निवेश शुरू करेंगे तो आप आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे और अच्छा खासा रिटर्न प्राप्त कर लेंगे और देखते ही देखते अपने सभी गोल पूरे कर सकेंगे।

कम्पाउंड इंट्रस्ट कैसे करता है काम

अब जानकारी लेते हैं कि आखिर यह कम्पाउंड इंट्रस्ट काम कैसे करता है। यानी यह आपको अमीर बनाने की क्षमता कैसे रखता है। मान लीजिए आप 100 रुपये कहीं जमा करते हैं और उस पर सालाना 10% का ब्याज मिलता है। एक साल बाद आपके पास 110 रुपये होंगे। अगले वर्ष चक्रवृद्धि के कारण आपको 110 रुपये पर 10% का ब्याज मिलेगा और आपके पैसे बढ़ कर 121 रुपये हो जाएंगे। फिर अगले वर्ष 121 रुपये पर 10% ब्याज प्राप्त होगा।

अगर आपके पास 20 साल का वक्त है तो आपको एक करोड़ जुटाने के लिए हर महीने केवल 10,880 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह अगर आप 25 साल के लिए निवेश करते हैं, तो मासिक निवेश राशि घटकर 5,880 रुपये हो जाती है। जैसे-जैसे आपकी निवेश अवधि बढ़ती है, आपको कम रकम निवेश करनी पड़ती है। अगर आपको ज्यादा रिटर्न मिलता है तो एक करोड़ रुपये तक पहुंचने में कम समय लगेगा।

कैसे बनेंगे करोड़पति

हर महीने कितना करना होगा निवेश

क्या कहते हैं आंकड़े

वार्षिक रिटर्न	अवधि (वर्ष)	एसआईपी राशि (रु.)
12%	10	44,640
12%	15	21,020
12%	20	10,880
12%	25	5,880

बिजनेस डेस्क

करोड़पति बनना हर किसी का सपना होता है। लेकिन, इस सपने को हकीकत में बदलने के लिए सही निवेश करना बहुत जरूरी है। इक्विटी म्यूचुअल फंड एक ऐसा निवेश विकल्प है जो आपको एक करोड़ रुपये के सपने को पूरा करने में मदद कर सकता है। अगला सवाल यह उठता है कि आपको कितना निवेश कितने समय के लिए करना होगा। यह ध्यान रखें कि आप कहीं भी निवेश करें, रातोंरात करोड़पति नहीं बन जाएंगे। इसमें समय लगेगा। इसके लिए आपको अनुशासन की जरूरत होगी। आपको नियमित रूप से निवेश करना होगा। नियमित रूप से अनुशासित निवेश करने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को चुनना। यह न केवल एकमुश्त बड़ी रकम बनाने में मदद करता है, बल्कि आपको छोटी शुरुआत करने और धीरे-धीरे इसे बढ़ाने की इजाजत भी देता है। यहां तक कि अगर आप 1,000 रुपये के मासिक निवेश के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी शुरू करते हैं तो आप 10 सालों में 2.2 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। यह मानते हुए कि आपको 12% का वार्षिक रिटर्न मिलता है। जैसा कि आप देख सकते हैं, एसआईपी में एक छोटा सा निवेश भी लंबी अवधि में आपके धन को जबर्दस्त तरीके से बढ़ा सकता है।

- नेशनल पेंशन सिस्टम बुढ़ापे के लिए बढ़िया विकल्प
- 18 साल से 70 साल की उम्र का नागरिक खुलवा सकता है खाता

एनपीएस को 5 साल कर दें एक्सटेंड 50% से ज्यादा बढ़ेगी मंथली पेंशन

बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) केंद्र सरकार की एक पेंशन योजना है, जिसमें रिटायरमेंट को ध्यान में रखकर निवेश किया जा सकता है। यह बुढ़ापे लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। नेशनल पेंशन सिस्टम में कोई भी 18 साल से 70 साल की उम्र का भारतीय नागरिक (सरकारी कर्मचारी या निजी सेक्टर का कर्मचारी) अकाउंट खुलवा सकता है। एनआरआई भी इसके लिए योग्य हैं। अकाउंट खुलने के बाद 60 साल की उम्र तक या मैच्योरिटी तक यानी 70 साल तक इसमें कंट्रीब्यूट करना होता है। अगर एनपीएस की रिटर्न हिस्ट्री देखें तो अब तक इसने 8% से 12% सालाना रिटर्न दिया है। आमतौर पर एनपीएस में 60 की उम्र होने तक लक्ष्य बनाकर निवेश करने का ट्रेंड है, लेकिन अगर इसे 5 साल के लिए और एक्सटेंड कर दें तो मंथली पेंशन में 50 फीसदी से ज्यादा इजाफा हो सकता है। वहीं, अगर अकाउंट को 10 साल के लिए एक्सटेंड कर दिया जाए तो मंथली पेंशन में 130 फीसदी का इजाफा होगा. वहीं दोनों ही केस में रिटायरमेंट पर मिलने वाली लम्प सम रकम भी बढ़ जाएगी। हालांकि यह ध्यान रखना होगा कि 60 साल की उम्र के बाद कुछ इनकम का जरिया हो, जिससे आपको इस योजना को एक्सटेंड करने की सुविधा मिल जाए।

सेवानिवृत्ति के बाद ठाठ से कटेगा बुढ़ापा, नहीं होगी परेशानी

10 साल एक्सटेंड कराने पर पेंशन 130% बढ़ी

कैलकुलेशन से पता चलता है कि नेशनल पेंशन सिस्टम में अगर 60 साल की बजाए 70 साल की उम्र तक निवेश जारी रखें तो मंथली पेंशन में करीब 130 फीसदी का इजाफा (76,973 रुपये से बढ़कर 1,76,990 रुपये) हो रहा है।

एनपीएस पर टैक्स बेनेफिट

एनपीएस में निवेश पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तीन अलग-अलग सेक्शंस के तहत टैक्स बेनेफिट मिलता है। सेक्शन 80सीसीडी 1) के तहत एक फाइनेंशियल ईयर में इसमें 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर डिडक्शन बेनेफिट मिलता है। यह डिडक्शन, सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की ओवरऑल लिमिट में आता है। एनपीएस पर सेक्शन 80सी डिडक्शन के ऊपर भी अतिरिक्त टैक्स छूट का फायदा मिलता है। यह एडिशनल डिडक्शन सेक्शन 80सीसीडी (1बी) के तहत

50,000 रुपये तक मिलता है। कोई भी टैक्सपेयर एनपीएस के टियर-1 अकाउंट्स में निवेश करके 50,000 रुपये तक एडिशनल डिडक्शन का फायदा ले सकता है। इस तरह कोई भी टैक्सपेयर एनपीएस में इनवेस्ट करके एक फाइनेंशियल ईयर में 2 लाख रुपये के ओवरऑल टैक्स बेनेफिट को क्लेम कर सकता है। 2 लाख रुपये की लिमिट के ऊपर एंप्लॉयर की तरफ से किए गए किसी कंट्रीब्यूशन पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80सीसीडी(2) के तहत डिडक्शन का फायदा मिलेगा।

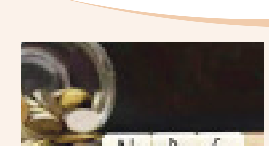

60 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 35 साल
- 35 साल में कुल निवेश: 42 लाख
- निवेश पर अनुमानित रिटर्न: 8% सालाना
- 35 साल पर कुल कॉर्पस: 2,30,91,751 रुपये (2.31 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेश: 50%
- लम्प सम वैल्यू: 1,15,45,875 रुपये (1.15 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थ: 1,15,45,875 रुपये (1.15 करोड़)
- एन्युटी रिटर्न: 8 फीसदी
- मंथली पेंशन: 76,973 रुपये (करीब 77 हजार रुपये)

65 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 35 साल
- 40 साल में कुल निवेश: 48 लाख रुपये
- निवेश पर अनुमानित रिटर्न: 8% सालाना
- 40 साल पर कुल कॉर्पस: 3,03,42,813 रुपये (3 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेश: 50%
- लम्प सम वैल्यू: 1,75,71,407 रुपये (1.75 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थ: 1,75,71,407 रुपये (1.75 करोड़)
- एन्युटी रिटर्न: 8 फीसदी
- मंथली पेंशन: 1,17,143 रुपये (करीब 1.17 लाख रुपये)

70 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 45 साल
- 45 साल में कुल निवेश: 54 लाख रुपए
- निवेश पर अनुमानित रिटर्न: 8% सालाना
- 45 साल पर कुल कॉर्पस: 5,30,97,035 रुपये (5.30 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेश: 50%
- लम्प सम वैल्यू: 2,65,48,518 रुपये (1.75 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थ: 2,65,48,518 रुपये (1.75 करोड़)
- एन्युटी रिटर्न: 8 फीसदी
- मंथली पेंशन: 1,76,990 रुपये (1.77 लाख रुपये)

बिजनेस साइट

लाइफस्टाइल ने की सीजन की सबसे बड़ी सेल की घोषणा

मुंबई। भारत के प्रमुख फैशन संगमों में से एक 'लाइफस्टाइल' बहुप्रतीक्षित बिक्री लाइफस्टाइल सेल की घोषणा करते हुए उत्साहित है। इस बहुप्रतीक्षित बिक्री लाइफस्टाइल सेल में खरीदार नवीनतम स्टाइल पर 50 प्रतिशत की छूट पा सकते हैं। जिसमें शीर्ष फैशन ब्रांड अग्रणी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड से नवीनतम रुझानों और फैशन विकल्पों के व्यापक चयन के साथ लाइफस्टाइल सेल फैशन के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। वार्डरोब लाइफस्टाइल कलेक्शन वसंत-ग्रीष्मकालीन अनुभूति का सबसे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिसमें पुष्प प्रिंट और हल्के रंग, स्टाइलिश वर्गीकरण में ट्रेंडिंग शिफ़ली और क्रॉशिया ड्रेस, विंटेज ब्लूम्स प्रमुखता से शामिल है। महिलाओं के लिए स्टाइलिश डेनिम ट्रेंड और मुद्रित शर्ट की एक विस्तृत श्रृंखला, पुरुषों के लिए फिट पैंट और अनोखी टीज रोमांचक छूट पर उपलब्ध हैं। बता दें कि लाइफस्टाइल अपने नवीनतम रुझानों के लिए भारत का अग्रणी फैशन कंपनी के रूप में जानी जाती है। जिसमें एक ही जगह पर सुविधा के साथ पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के परिधान, जूते, हैंडबैग, फैशन सहायक उपकरण एवं सौंदर्य शामिल हैं।

lifestyle®
YOUR STYLE. YOUR STORE.

जश्न में डूबा देश... आधी रात खुशियों से सराबोर हुआ भारत

कहीं फूटे पटाखे तो कहीं मनी दिवाली

भारत की इस ऐतिहासिक जीत से हर भारतीय गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक हर कहीं इस जीत का जश्न मनाया जा रहा है।

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

भारत ने 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीत लिया। पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में अधूरा रहा सपना आखिरकार वेस्टइंडीज में पूरा हुआ तो रोहित शर्मा की टीम के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाए बैठे भारतीय क्रिकेटप्रेमियों की आंखें भी छलछला गई। इस आईसीसी खिताब के लिए 11 साल लंबा इंतजार जो था और जीत के नायक रहे विराट कोहली जिन्होंने जीत के साथ ही टी20 क्रिकेट को अलविदा भी कह दिया।

भारत ने 2007 में पहला टी20 विश्व कप जीता था और आखिरी आईसीसी खिताब 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी । पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप फाइनल में टीम आस्ट्रेलिया से हार गई थी । पावरप्ले में मिले शुरूआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को में सात विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद अक्षर (31 गेंद में 47 रन) और कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला।

हार से निराश अफ्रीकी

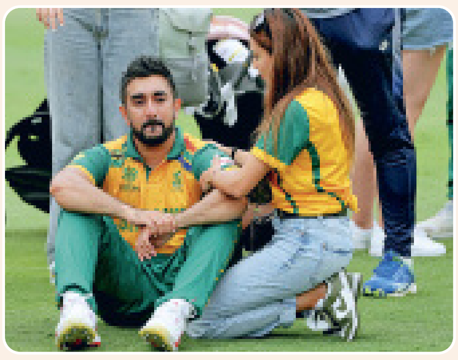

17 साल के इतिहास में पहली बार अजेय रही टीम बनी चैंपियन

टी20 विश्व कप की शुरुआत 2007 में हुई थी और भारतीय टीम पहले ही संस्करण में चैंपियन बनी थी। तब से लेकर अब तक 17 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही टीम चैंपियन बनी है। यह टी20 विश्व कप का नौवां संस्करण था और पिछले आठ संस्करण में कभी ऐसा नहीं हुआ कि कोई टीम एक भी मैच न गंवाते हुए चैंपियन बनी हो।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित का क्लासेन बो महाराज	09	05	2	0
कोहली का रबाडा बो जेनसन	76	59	6	2
पंत का डिकॉक बो महाराज	00	02	0	0
सूर्यकुमार का क्लासेन बो रबाडा	03	04	0	0
अक्षर पटेल रन आउट	47	31	1	4
दुबे का मिलर बो नॉर्किया	27	16	3	1
हार्दिक पंड्या नाबाद	05	02	1	0
जडेजा का महाराज बो नॉर्किया	02	02	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 176/7
गेंदबाजी : जेनसन 4-0-49-1, महाराज 3-0-23-2, रबाडा 4-0-36-1, मार्क्रम 2-0-16-0, नॉर्किया 4-0-26-2, शम्सी 3-0-26-0.

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
रीजा हेंडरिक्स बो बुमराह	04	05	1	0
डिकॉक का कुलदीप बो अर्शदीप	39	31	4	1
मार्क्रम का पंत बो अर्शदीप	04	05	1	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो पटेल	31	21	3	1
क्लासेन का पंत बो पंड्या	52	27	2	5
मिलर का यादव बो पंड्या	21	17	1	1
मार्को जेनसन बो बुमराह	02	04	0	0
केशव महाराज नाबाद	02	07	0	0
रबाडा का यादव बो पंड्या	04	03	1	0
एनरिच नॉर्किया नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 169/8
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-20-2, बुमराह 4-0-18-2, पटेल 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-45-0, पंड्या 3-0-20-3, जडेजा 1-0-12-0.

बाउंड्री मीटर

517 : छक्के
961 : चौके

टॉप स्कोरर

रन	खिलाड़ी	देश
281	गुरबाज	अफगानिस्तान
257	रोहित शर्मा	भारत
255	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया

टॉप विकेटटेकर

रन	खिलाड़ी	देश
17	फारूकी	अफगानिस्तान
17	अर्शदीप सिंह	भारत
15	जसप्रीत बुमराह	भारत

टी20 वर्ल्ड कप स्टैट्स

55 मैच खेले गए
12997 कुल बने रन
1478 कुल बाउंड्री
678 कुल विकेट

हाईएस्ट टीम स्कोर

218/5	वेस्टइंडीज
205/5	भारत
201/7	ऑस्ट्रेलिया
201/6	श्रीलंका
197/3	अमेरिका

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार 16 टीमें 100 या 100 रन के अंदर आउट

100 रन के अंदर ऑलआउट टीम

टीम	स्कोर	ओवर
श्रीलंका	77/10	19.1
युगांडा	58/10	16
आयरलैंड	96/10	16
पापुआ न्यू गिनी	77/10	19.2
न्यूजीलैंड	75/10	15.2
युगांडा	39/10	12
नामीबिया	72/10	17
नामीबिया	84/3	10
ओमान	47/10	13.2
पापुआ न्यू गिनी	95/10	19.5
युगांडा	48/10	18.4
नेपाल	85/10	19.2
पापुआ न्यू गिनी	78/10	19.4
न्यूजीलैंड	79/3	12.2
अफगानिस्तान	56/10	11.5
द.अफ्रीका	60/1	8.5

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का रोमांच शनिवार को अपने चरम पर पहुंच गया। दिन प्रतिदिन कुछ नए रिकॉर्ड बो रहे हैं और कुछ टूटे भी। टूर्नामेंट का 55वां मुकाबला 29 जून को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया। फाइनल मुकाबले के खत्म होते ही इस साल एक बड़ा रिकॉर्ड बन गया है। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब 16 बार टीमें 100 या 100 रन के अंदर आउट हुई हैं। जारी सीजन से पहले ऐसा ही कुछ वाक्या साल 2014 और 2021 में भी देखा गया था। उस दौरान टीमें क्रमशः 8-8 बार 100 या 100 रन के अंदर ऑल आउट हो गईं थी।

100 रन के अंदर सिमटी टीमें

वर्ष	टीमें
2024	16
2014, 2021	08
2010	04
2007, 2009, 2012	03
2016	02
2022	01

एक भी शतक नहीं

रन	खिलाड़ी
98	निकोलस पूरन
94*	आरोन जोन्स
92	रोहित शर्मा
87*	फिल साल्ट
83*	जोस बटलर

रोहित सबसे सफल कप्तान

भारत ने टी20 विश्व कप 2024 के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल का टिकट कटाया था। इस जीत के साथ रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में जीत के मामले में सबसे सफल कप्तान बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के टी20 कप्तान बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़ा । बाबर आजम ने टी20 इंटरनेशनल में 85 मैचों में 48 जीत हासिल की है। दूसरी तरफ रोहित शर्मा ने सिर्फ 62 मैचों में 50 जीत दर्ज की है।

टी20 विश्व कप सबसे महत्वपूर्ण आयोजन बनने की ओर अग्रसर

ब्रिजटाउन। टी20 विश्व कप दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की 'सबसे महत्वपूर्ण' आयोजन बनने की ओर अग्रसर है। खिलाड़ियों के बीच किए गए एक सर्वे में वनडे विश्व कप के मुकाबले टी20 विश्व कप को आईसीसी का सबसे अहम आयोजन करार देने वाले खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा हुआ। 'वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन' द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार 85 प्रतिशत खिलाड़ियों ने 2019 में 50 ओवर के विश्व कप को सबसे महत्वपूर्ण माना, जबकि 15 प्रतिशत ने टी20 विश्व कप को सबसे महत्वपूर्ण माना था। इस साल हालांकि इन आंकड़ों में बड़ा बदलाव हुआ है और सिर्फ 50 प्रतिशत खिलाड़ियों ने ही वनडे विश्व कप को सबसे महत्वपूर्ण माना जबकि टी20 विश्व कप को पसंद करने वालों की संख्या 35 प्रतिशत तक पहुंच गई। 'री-ब्रांडेड' संस्था द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 26 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों के लिए टी20 विश्व कप के प्रति झुकाव काफी बढ़ गया। सर्वे में भाग लेने वाले 49 प्रतिशत ऐसे खिलाड़ियों ने टी20 विश्व कप को सबसे महत्वपूर्ण आयोजन माना। कुल मिलाकर टी20 प्रारूप की लोकप्रियता में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस सर्वे में लगभग 30 प्रतिशत खिलाड़ियों ने टी20 को सबसे महत्वपूर्ण प्रारूप के रूप में चुना।

जीत से कोहली, रोहित के छलक पड़े आंसू

जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और हार्दिक पांड्या समेत भारतीय खिलाड़ी खुशी के मारे अपने आंसू नहीं रोक सके। सोशल मीडिया पर भारतीय खिलाड़ियों की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं, जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी रो रहे हैं। सोशल मीडिया पर भारतीय खिलाड़ियों की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं, जिसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी रो रहे हैं। खासकर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या का चेहरा देखने लायक था। इसके अलावा भारतीय कोच राहुल द्रविड़ और सपोर्ट स्टाफ के तमाम लोग खुशी के मारे उछल पड़े।

सुनहरे 'अक्षरों' में भारत की 'विराट' जीत

टीम इंडिया की इस जीत का हीरो वो खिलाड़ी रहा जिसका बल्ला फाइनल से पहले पूरी तरह से शांत था। उनको टीम से बाहर करने की बातें भी हो रही थीं, लेकिन विराट कोहली क्यों महान हैं उन्होंने इस मैच में बताया। फाइनल में कोहली ने 76 रनों की पारी खेली। अक्षर पटेल ने कोहली के साथ मिलकर 72 रनों की साझेदारी की। अक्षर पटेल अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके। उन्होंने 31 गेंदों पर 47 रन बनाए। अपनी पारी में अक्षर ने चार छक्के और एक चौका मारा।

तीन दिग्गजों की विदाई...

'किंग' कोहली और 'हिटमैन' रोहित शर्मा ने लिया संन्यास

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने भारत को दूसरा टी20 विश्व कप दिलाने में सूत्रधार की भूमिका निभाने के बाद यह कहकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया कि अब नई पीढ़ी के बागडोर संभालने का समय है। कोहली ने 59 गेंद में दो छक्कों और छह चौकों की मदद से 76 रन बनाए और दक्षिण अफ्रीका पर फाइनल में सात रन से मिली जीत में प्लेयर आफ द मैच रहे। रोहित फाइनल में 9 रन बनाकर आउट हो गए। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ का भी यह अंतिम टी20 मैच था।

यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप

पुरस्कार लेने के बाद कोहली ने कहा, 'यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप है। हम इसे जीतना चाहते थे। यह अद्भुत खेल हैं। जब हम बल्लेबाजी करने उतरे तो मैं रोहित से कह रहा था कि एक दिन आपको ऐसा लगता है कि आप रन नहीं बना पा रहे और ऐसा होता है। ईश्वर महान है। मैं कृतज्ञता से सिर झुकाता हूं। मैं शुक्रगुजार हूं कि जिस दिन सबसे ज्यादा जरूरी था, मैं टीम के लिए योगदान दे सका।' भारत के लिए 125 टी20 मैचों में कोहली ने 48.69 की औसत से 4188 रन बनाए हैं। उन्होंने एकमात्र शतक अफगानिस्तान के खिलाफ सितंबर 2022 में लगाया था। कोहली ने कहा, 'यह अभी नहीं तो कभी नहीं वाली स्थिति थी । यह भारत के लिये मेरा आखिरी टी20 मैच था। आखिरी टी20 विश्व कप भी।'

यह संन्यास का सही समय

रोहित ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'यह मेरा भी आखिरी मैच था। विदा लेने का यह एकदम सही समय है। मैं हर हालत में खिताब जीतना चाहता था। इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मैं यही चाहता था और यह हो गया। मैं अपने जीवन में इसके लिए बहुत बेताब था। खुशी है कि इस बार हम जीत सके।' रोहित 2022 टी20 विश्व कप में भी कप्तान थे जब भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने हराया था। इसके एक साल बाद 50 ओवरों के विश्व कप में रोहित की कप्तानी वाली भारतीय टीम फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार गई। रोहित ने टी20 क्रिकेट में 159 मैच खेलकर 4231 रन बनाए जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल है। वह टेस्ट और वनडे खेलते रहेंगे।

गुरु द्रविड़ ने भारतीय टीम से ली विदाई

टी20 विश्व कप जीतने के साथ ही मुख्य कोच के तौर पर भारतीय टीम के साथ राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी खत्म हो गया जिन्होंने आधुनिक क्रिकेट कोचिंग के भारी दबाव के बीच भी गरिमा और शालीनता से कामयाबी तक के सफर की बानगी दी। वैसे 11 साल बाद आईसीसी खिताब जीतने के बाद 'द वॉल' को भी जज्बाती होते देखा गया। जैसे ही फाइनल के 'प्लेयर आफ द मैच' विराट कोहली ने उन्हें ट्रॉफी सौंपी, उन्होंने इतनी जोर से आवाज निकाली मानो आखिर में अपने भीतर की तमाम भावनाओं की अभिव्यक्ति कर रहे हों। द्रविड़ को ऐसा करते देखने की कोई शायद कल्पना भी नहीं कर सकता।

अमिताभ की तारीफों के बांधे पुल ...

एजेंसी ▶▶ मुंबई

‘कल्कि 2898 एडी’ फिल्म हाल में ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर हुई फिल्म की कमाई बताती है कि फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म को दर्शकों के अलावा फिल्मी हस्तियों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में अमिताभ बच्चन के अभिनय और उनके किरदार पर दर्शक काफी प्यार लुटा रहे हैं। इस कड़ी में अब अभिनेत्री श्रद्धा कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। हाल में ही उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बहुचर्चित फिल्म ‘कल्कि 2898 एडी’ की समीक्षा की है। इस दौरान उन्होंने महानायक अमिताभ बच्चन की काफी तारीफ की है। इस वक्त पूरे देश में ‘कल्कि 2898 एडी’ को लेकर चर्चा हो रही है। ऐसे में श्रद्धा कपूर भी इस फिल्म को देखे बिना नहीं रह पायीं और फिल्म देखने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने लिखा,’ क्या उत्तर, क्या दक्षिण, क्या पूर्व, क्या पश्चिम। सारा सिनेमा एक तरफ।’

‘सोहनी महिवाल’ के लिए अनुपमा देशपांडे को मिला फिल्मफेयर पुरस्कार

स्क्रैच सुनने के बाद आशा भोसले ने कहा, इसी आवाज में रहेगा फिल्म में ये गाना

मुंबई। हिंदी सिनेमा की शीर्षस्थ गायिकाओं में शुमार आशा भोसले की आत्मकथा के विमोचन पर जिस अंदाज में गायक सोनू निगम ने उनका अभिनंदन किया, वह एक मिसाल है। आशा भोसले को उनकी बाद की पीढ़ी के गायकों का खूब प्यार और सम्मान मिला है और इसे हासिल करने के लिए आशा भोसले ने बरसों तक कड़ी मेहनत भी की है। आशा भोसले को हिंदी सिनेमा में एक बेलौस और बिंदास शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि आशा भोसले की बदौलत ही गायिका अनुपमा देशपांडे का करियर चमका था और उन्हें फिल्म ‘सोहनी महिवाल’ के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

अनु मलिक की बदली तकदीर

फिल्म ‘सोहनी महिवाल’का एक सुपरहिट गाना है, सोनी चनाब दे किनारे। आनंद बक्षी ने यूं लगता है कि जैसे अपना दिल उड़ेल दिया हो इस गाने में। अनु मलिक ने भी ये गाना इसकी पूरी पंजाबियत के साथ कंपोज करके अपने पिता सरदार मलिक का नाम रोशन किया। गाने की धुन तैयार होने के बाद आशा भोसले को जब मौका मिला तो वह आईं गाना रिकॉर्ड करने। गाने का मूड समझाने के लिए उन्हें इसका स्क्रैच सुनाया गया, इसे सुनकर ही आशा भोसले को ये गाना डब करना था। आशा ने जैसे ही गाने का मुखड़ा सुना, उन्होंने आंखें मूंद ली। पूरा गाना सुनने तक वह यूं ही बैठी रहीं। अनु मलिक परेशान। कहीं गलती तो नहीं हो गई।

गाना यही रहेगा

लेकिन, स्क्रैच सुनने के बाद आशा भोसले ने जो कहा उसकी मिसाल अभी और कई पीढ़ियों तक दी जाती रहेगी। उन्होंने कहा कि इस स्क्रैच को ही फिल्म के साउंडट्रैक में फाइनल सॉन्ग समझकर शामिल कर लो। इस गायिकी से बेहतर गाना बहुत मुश्किल है। स्क्रैच वाला गाना ही फिल्म में इस्तेमाल हुआ और इसी गाने के लिए उभरती गायिका अनुपमा देशपांडे को मिला उनके करियर का पहला बेस्ट फीमेल सिंगर फिल्मफेयर अवार्ड।

राजेश खन्ना के साथ बननी थी ‘सोहनी महिवाल’

और, सिर्फ अनुपमा देशपांडे ही क्यों ये फिल्म तो इसके हीरो, हीरोइन और यहां तक कि इसकी सीनियर हीरोइन तक के लिए किस्मत का ऐसा ही खेल रही। गिनती के लोगों को ही पता होगा कि फिल्म ‘सोहनी महिवाल’ बननी थी उस समय के सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ। बी आर चोपड़ा उन दिनों पंजाब पहुंचे हुए थे अपनी फिल्म ‘कर्म’की शूटिंग करने। वहीं उनको ‘सोहनी महिवाल’पर पंजाबी में एक फिल्म बनाने का आइडिया आया। राजेश खन्ना से उन्होंने जिक्र किया तो वह भी चहक उठे। रूमानियत के राजकुमार को ऐसी ही एक कहानी बेसब्री से इंतजार भी था। फिर फोन गया नीतू सिंह के पास तो वह भी झट से तैयार हो गईं। बी.आर. चोपड़ा ने वहीं आनन-फानन अगले दो तीन दिन में फिल्म ‘सोहनी महिवाल’बनाने का ऐलान कर दिया।

कुमार गौरव को ऑफर हुई थी फिल्म

फिल्म ‘सोहनी महिवाल’ भारत और रूस के बीच सिनेमा को लेकर हुए समझौते के तहत बनने वाली दूसरी फिल्म थी। निर्देशक उमेश मेहरा ने इस फिल्म को हिंदी में निर्देशित किया और रूसी भाषा में इसे निर्देशित करने का जिम्मा संभाला था लतीफ फैजीयेव ने। फिल्म में महिवाल का किरदार पहले पहल कुमार गौरव को ऑफर हुआ। कुमार गौरव की ‘लव स्टोरी’ रिलीज हो चुकी थी और उनके करियर की कमान उन दिनों उनके पिता और जुबली कुमार के नाम से मशहूर रहे राजेंद्र कुमार के हाथों में थी। इंडो रशियन प्रोजेक्ट देख राजेंद्र कुमार ने उमेश मेहरा से खासी मोटी रकम मांग ली। और, कुमार गौरव के हाथ से फिल्म निकल गई। इसके बाद उमेश मेहरा ने राज कपूर के बेटे राजीव कपूर को फिल्म में लेने का मन बनाया लेकिन वह ‘राम तेरी गंगा मैली’के लिए अपनी तमाम तारीखें दे चुके थे। फिल्म का जिक्र इसके बाद धर्मेंद्र के सामने हुआ तो उन्होंने महिवाल के किरदार के लिए सनी देओल को लेने के बात कही। सनी देओल को महिवाल का किरदार पसंद आया और उन्होंने हां भी कर दी।

दर्शकों को गुदगुदाने वापस आ रहे हैं जाकिर

नई दिल्ली। कॉमेडियन जाकिर खान आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से काफी लोकप्रियता हासिल करने के साथ-साथ अपने फैंस के दिल में स्थायी तौर पर जगह बना ली है। वह एक लोकप्रिय भारतीय कॉमेडियन, लेखक, कवि के साथ-साथ एक अच्छे अभिनेता भी हैं। वह साल 2012 में कॉमेडी सेंट्रल की एक कॉमेडी प्रतियोगिता जीत कर चर्चा में आए थे। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जाकिर खान एक बार फिर से दर्शकों के दिल पर राज करने आ रहे हैं। वह जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले अपने नए शो ‘आपका अपना जाकिर’ के साथ छा जाने को तैयार हैं। शो में दर्शकों को उनकी हंसी, शायरी और जिंदगी से जुड़े दिलचस्प वाकये और नुस्खे देखने को मिलेंगे। कुल मिलाकर ये शो दर्शकों के भरपूर मनोरंजन का एक पूरा पैकेज होने वाला है। यह एक ऐसा शो होगा, जो सभी उम्र के लोगों का मनोरंजन करेगा। जाकिर इससे पहले भी कई शोज में नजर आ चुके हैं। वह ‘चाचा विधायक हैं हमारे’, ‘कॉमिक्स्तान’, ‘वन माइक स्टैंड’, ‘फर्जी मुशायरा’ जैसे वेब सीरीज में नजर आ चुके हैं।

इनसाइड आउट-2 का दबदबा कायम

लॉस एंजिलिस। एनिमेटेड फिल्म इनसाइड आउट 2 का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी है। डिज्नी/ पिक्सर की यह फिल्म दुनियाभर में धमाकेदार कमाई कर रही है। गुरुवार तक इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 86.31 करोड़ डॉलर का कलेक्शन कर लिया। कमाई के मामले में इसने अपनी मूल फिल्म को भी पीछे छोड़ दिया है। इनसाइड आउट ने 85.9 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। वहीं, इसके सीक्वल ने रिलीज के सिर्फ 16 दिनों में ही यह कारनामा कर दिखाया है। इसके साथ ही फिल्म के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अब इनसाइड आउट 2 दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 19वीं एनिमेटेड फिल्म बन गई है।

‘कल्कि 2898 एडी’ की जमकर तारीफ की

मुंबई। फिल्म ‘कल्कि 2898 एडी’ को देखकर फिल्मी सितारे अपने प्रतिक्रिया दे रहे हैं। शनिवार को सुपरस्टार रजनीकांत ने भी फिल्म देखने के बाद जमकर तारीफ की है, साथ ही दूसरे पार्ट के प्रति उत्साह जाताया है। अमिताभ बच्चन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और कमल हासन की फिल्म ‘कल्कि 2898 एडी’ सिनेमाघरों में लगी हुई है। ओपनिंग डे पर फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। दर्शकों के साथ-साथ फिल्मी सितारे भी इस फिल्म को देखने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हाल ही में अभिनेता रजनीकांत ने इस फिल्म को देखने के बाद तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल से पोस्ट साझा की है।’फिल्म’कल्कि 2898 एडी’ देख ली है। और वाह! क्या शानदार फिल्म है।

दस साल के शुद्ध प्रेम का जश्न

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘औरों में कहां दम था’ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में वह अजय देवगन के साथ नजर आएंगी। ये फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अपनी शानदार अदाकारी के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने पेट डॉग चिन्नू के लिए दिल छू लेने वाला एक नोट लिखा है। ‘29 जून 2014 को एक गर्म और उमस भरे दिन में चिन्नू घर आया। वह एक छोटे से बिंदु की तरह दिख रहा था, जो बाद में मेरे परिवार और दोस्तों के बीच शामिल हो गया। दस साल के शुद्ध प्रेम का जश्न मनाना, हंसी और आंसू बांटना, बगीचे में टहलना, अपनी भौंकने की आवाज से बड़े-बड़े प्यारे जानवरों को डराना और भी बहुत कुछ। इसके साथ ही उसे सभी से मिल रहे प्यार का जश्न मनाना।

यादगार किरदारों के लिए गंभीरता जरूरी : नवाजुद्दीन

नई दिल्ली। साल 2018 में मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म ‘पद्मावत’ रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणवीर सिंह ने अलाउद्दीन खिलजी का ऐतिहासिक किरदार निभाया था। अभिनेता ने बताया था कि इस किरदार को निभाने के लिए डार्क जोन में चले गए थे और अकेले रहने लगे थे, जिस वजह से इस किरदार का उन पर गहरा असर हुआ था। उनके इस बयान को अभिनेता प्रशांत नारायणन ने झूठ और बकवास करार दिया था, जिसपर अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने रणवीर का समर्थन करते हुए बिना नाम लिए प्रशांत नारायण के बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के किरदार तभी जीवंत होते हैं, जब कोई अभिनेता गंभीरता से इन किरदारों को निभाता है। नवाजुद्दीन ने रणवीर के समर्थन में कहा कि कोई भी अभिनेता अपने किरदार को निभाने की प्रक्रिया के दौरान, क्या सोच रहा है, कैसे अपना जीवन जी रहा है, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने इस दौरान हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता हीथ लेजर के ‘जोकर’ जैसे कुछ सबसे यादगार किरदारों का जिक्र किया।

रिटायर एसआई से वसूली राशि ब्याज सहित लौटाने का आदेश

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त कर्मचारी से वसूली गई राशि आदेश की प्रति प्राप्त होने के दिनांक से 6 माह के अंदर ब्याज सहित लौटाने का निर्देश दिया है। मामले में फैसला जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा ने दिया है। बिलासपुर निवासी याचिकाकर्ता गरियानुस टोप्पो 11वीं बटालियन जांजगीर-चाम्पा में सब इंस्पेक्टर के पद में पदस्थ थे। अप्रैल 2018 में सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद सेनानी 11वीं बटालियन ने वसूली आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया कि सेवाकाल के दौरान त्रुटिपूर्ण तरीके से वेतनवृद्धि देकर ज्यादा भुगतान किया गया है। इस वसूली आदेश के विरुद्ध उन्होंने अधिवक्ता अभिषेक पांडेय व दुर्गा मेहर के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की।

खूनी व बादी बवासीर से राहत पाएं
एग्रो आयुर्वेद
एग्रो अर्श कल्याण कैप्सूल
20 वर्षों से भरोसेमंद औषधि
अब जियो खुलकर और पाओ
आपरेशन और दर्द से मुक्ति,
कब्ज से भी राहत पाएं।
पाचनतंत्र को ठीक रखें।
सुरक्षित समाधान और राहत का भरोसा।
"Piles फ्री खुशहाल जिंदगी"
आयुर्वेद के experts द्वारा लिखी गई यह गाइड आपको बवासीर के बारे में जानकारी प्रदान करेगी।
स्कैन करें और पाएं फ्री गाईड
Helpline No. +91 8899 500 500

DELHI IAS ACADEMY RAIPUR-BHILAI
CGPSC Courses in DELHI IAS RAIPUR-BHILAI
MAINS CUM PRE
Morning: 8 am - 11 am, 1 July 2024
Evening: 5 pm - 8 pm, 25 June 2024
CGPSC TEST SERIES
Monsoon (Mains Exam) 15 July 2024
Abhyas (Pre Exam) 30 June 2024
FOUNDATION BATCH
3 Year Program For Every College Students
5 pm - 7 pm, 2 July 2024
Bilingual Classes | Recorded Classes | Weekly Class Test | Daily Doubt Sessions | Strategies by Selected Officers
Join Us -
Raipur 7880111766 7880111266
2ND FLOOR, VANDANA BAJAJ SHOWROOM OPPOSITE RAJKUMAR COLLEGE, G.E. ROAD RAIPUR
Bhilai 7880111838 7880111839
1ST FLOOR, SHIVAJI CHOWK NEHRU NAGAR, BHILAI (C.G.)
YOUR DREAM, OUR DUTY...
www.raipur.delhiias.com/ Follow Us on -

कब्ज का काल
कब्जनाल चूर्ण
आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें Mob.: 93032-42200

हरारत
बदन दर्द
आखें लाल होना
इनसे बचने के लिए असली चिरायतायुक्त...
बैद्यनाथ असली आयुर्वेद
महासुदर्शन काढ़ा
वर्तमान समय में होनेवाली तकलीफें हाथपाँव का जकड़ना, मुँह का स्वाद कड़वा होना, भूख न लगना, सिरदर्द, आखें लाल होना, बदन दर्द, तेज ज्वर आदि तकलीफें दूर करने में उपयोगी।
वैद्यकीय सलाह : 844 844 4935
www.baidyanath.co

डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में 1 जुलाई को
निःशुल्क परामर्श एवं ईलाज जांच पर 50% की छूट
समय- प्रातः 10 से 5 बजे तक, अग्रिम पंजीयन अनिवार्य
KALDA कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कल्चर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060

सुयश हॉस्पिटल (NABH से मान्यता प्राप्त)
किडनी रोग विभाग
किडनी फेलयर (ARF/CRF)
डायलिसीस
बच्चों की किडनी की समस्त प्रकार की बीमारी
नेफ्रोटिक सिंड्रोम
हाई बीपी (HIGH BP)
PCNL
AV FISTULA
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

ओम हॉस्पिटल
डॉ. विजय अग्रवाल
एम.डी.एस. ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जन
चेहरे की चोट एवं टूटे हुए जबड़ों का इलाज
चेहरे की जन्मजात विकृतियों का इलाज
गुटखा खाने के कारण मुंह के कम खुलने का इलाज
सिर के ग्रंथियों की विभिन्न बीमारीयों का इलाज
छोटे - बड़े एवं जबड़े के ट्यूमर का इलाज
मुंह एवं चेहरे के कैंसर का इलाज
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) मो. 8370008551
खरोरा रोड, तिल्दा (छ.ग.) मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.) मो. 8370008558

ऑफर का आज अंतिम दिन
Hero
समझौता नहीं, सिर्फ नई HF Deluxe
पेश है नई HF Deluxe - बेमिसाल माइलेज, बेजोड़ मज़बूती और बेहतरीन सुरक्षा के साथ
Hero MONSOON CARNIVAL
₹4,000˜ तक का कैश डिस्काउंट
शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत ~~₹60698~~ ₹56698ˇ
कम डाउन पेमेंट ₹3750^
ई.एम.आई. ₹2099^ से शुरू
आज ही खरीदें
1 जुलाई से कीमतें बढ़ने वाली हैं**
कम ब्याज दर 6.99%* से शुरू
Hero GoodLife अतिरिक्त कैश डिस्काउंट ₹2000˜ तक
India's First 5 Year Warranty
6000 km^^ 6 Months Service interval
टोल फ्री 1800 266 0018
Hero FINCORP | Chola Enter a better life
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **As per the cumulative dispatch number till March 2023. ᵗHighest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2022 - Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market (CY22). ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. *Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only. ˜On successful redemption of Hero GoodLife Sales Voucher. Offer valid for eligible Hero GoodLife Members only. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. ^^Terms and Conditions apply. ˇStarting price of HF kick-start in Raipur.
अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो 9289922623. बलोदाबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दुर्ग: उत्सव हीरो 9289923114, उत्सव हीरो: (स्टेशन रोड) 7000595300, एसोशिएट डीलर: रायपुर: संजय ऑटोव्हील 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज 8770383767, भानुपुरी: ओम ऑटो एजेंसी: 6261535855, डोमुहानी: किरण मोटर्स 9754069392, लवन: गणपति ऑटो 9926601111/ 9340379300, भिंभौरी: श्री राम मोटर्स: 8462900028/9340005833 गुरूर: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458 / 7224880123, बोड़ला: विक्की मोटर्स: 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स: 9179035073, अभनपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरिया: अंकित ऑटो: 9425240565, नवागढ़ श्री मोटर्स 9165525555/9009866899 राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स 9131794017, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, जिगड़ी: किरन ऑटोकेयर 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स 9425594144, बेरला: कान्हा मोटर्स 98931058752 /6260472025 , कसडोल: बजरंग मोटर्स 9425511973, बालोद: जैन ऑटोकेयर 9425563502, सिमगा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स 9301361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर 8319358443, घरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स 9977155055, गुंडरदेही: एम.एम. ऑटो 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, रिसाली: भारत मोटर्स 9993417123, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, अधिकृत डीलर रीप्रजेन्टेटीव: ऐडिशनल वर्कशॉप: रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: संजय ऑटोमोबाईल्स 2226732/7474. Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com